सोमवार, 11 अगस्त 2025

मौसम

तापमान 27 – 35
आर्द्रता 70%
सूर्योदयः 5:11 सूर्यास्तः 18:12

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, भाद्रपद कृष्णपक्ष द्वितीया, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

गंभीर बीमारियों के इलाज में मदद करेगी राज्य सरकार : योगी आदित्यनाथ पृष्ठ 6

सुविचार : ईमानदारी आपकी ताकत है लेकिन बुद्धिमानी आपकी ढाल है।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था : प्रधानमंत्री मोदी

बेंगलुरु : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है और यह गति ''सुधार, प्रदर्शन एवं परिवर्तन'' की भावना से हासिल की गई है। मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों के दौरान भारत की अर्थव्यवस्था विश्व स्तर पर 10वें स्थान से बढ़कर शीर्ष पांच में पहुंच गई है और तेजी से शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था पर निशाना साधे जाने के कुछ दिन बाद आई है। यहां बेंगलुरु मेट्रो चरण-3 परियोजना की आधारशिला रखने और तीन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने तथा मेट्रो रेल 'येलो लाइन' का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विभिन्न क्षेत्रों में विकास को रेखांकित किया और कहा कि ऐसी उपलब्धियों ने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को

मजबूत किया है। मोदी ने कहा कि आजादी के बाद से, 2014 तक सिर्फ 20,000 किलोमीटर रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण हुआ था। उन्होंने कहा कि 2014 से 2025 तक, केवल 11 वर्षों में यह बढ़कर 40,000 किलोमीटर हो गया है। इसी तरह, 2014 में देश में 74 हवाई अड्डे थे, जो आज 160 से ज्यादा हैं तथा राष्ट्रीय जलमार्गों की संख्या भी केवल तीन से बढ़कर 30 हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बड़ी छलांग लगाई है। उन्होंने कहा, ''2014 तक, देश में सात अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और 387 मेडिकल कॉलेज थे। अब एम्स की संख्या बढ़कर 22 और मेडिकल कॉलेज 704 हो गए हैं, जो लोगों की सेवा कर रहे हैं।'' मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में, देश भर के मेडिकल कॉलेजों में एक लाख से ज्यादा नई सीटें जोड़ी गई हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) की संख्या 16 से बढ़कर 23, आईआईआईटी की संख्या नौ से बढ़कर 25 और भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) की संख्या 13 से बढ़कर 21 हो गई है। उन्होंने कहा कि आज, उच्च शिक्षा क्षेत्र में छात्रों के लिए अधिक अवसर उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे-जैसे राष्ट्र तेजी से प्रगति कर रहा है, गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों का जीवन भी उसी गति से बदल रहा है। मोदी ने कहा, ''2014 से पहले कुल निर्यात 468 अरब अमेरिकी डॉलर था, लेकिन आज यह 824 अरब अमेरिकी डॉलर है। हम मोबाइल फोन का आयात करते थे, लेकिन अब हम मोबाइल हैंडसेट के शीर्ष पांच निर्यातकों में शामिल हैं। 2014 से पहले हमारा इलेक्ट्रॉनिक निर्यात छह अरब अमेरिकी डॉलर था, जो बढ़कर 38 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है।''

जल्द हो सकता है अगला युद्ध

ऑपरेशन सिंदूर के बीच सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी की गंभीर चेतावनी

नयी दिल्ली : 'अगला युद्ध जिसकी हम कल्पना कर रहे हैं, वह जल्द ही हो सकता है' भारतीय थल सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सनसनीखेज चेतावनी दी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 'हमें उसके अनुसार तैयारी करनी होगी और इस बार हमें मिलकर यह लड़ाई लड़नी होगी।' जनरल उपेंद्र द्विवेदी आईआईटी मद्रास में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में जो हुआ, उसने पूरे देश को झकझोर दिया था। 22 अप्रैल को

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या कर दी थी।

भारतीय सेना को फ्री हैंड

सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों को खुली छूट दी गई थी। सेना को फ्री हैंड दिया गया था कि जो करना है, आप तय करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा, '23 अप्रैल को अगले ही दिन, हम सब बैठे। रक्षा मंत्री ने भी पहली बार कहा कि 'अब बहुत हो गया'। तीनों सेना प्रमुख इस बात पर एकमत थे कि कुछ किया जाना चाहिए। हमनें फ्री हैंड दिया गया कि जो करना है, आप तय करें। यह राजनीतिक दिशा और स्पष्टता का ऐसा उदाहरण था, जो हमने पहली बार देखा।'

रॉबर्ट वाड्रा पर 58 करोड़ की अवैध कमाई का आरोप, ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दायर की चार्जशीट

नयी दिल्ली : कांग्रेस महासचिव और वायनाड की सांसद प्रियंका गाँधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा को 58 करोड़ रुपए की अपराध की आय हुई थी। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दायर चार्जशीट में यह अहम खुलासा हुआ है। यह मामला गुरुग्राम में कथित जमीन घोटाले से जुड़ा हुआ है। ईडी ने गुरुग्राम स्थित शिखोपुर (अब सेक्टर 83) लैंड डील मामले में 17 जुलाई 2025 को चार्जशीट दायर की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वाड्रा को यह धन दो कंपनियों के जरिए आया था। इसमें ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के जरिए 5 करोड़ रुपए और स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के जरिए 53 करोड़ रुपए वाड्रा को मिले हैं। बताया जा रहा है कि ये दोनों कंपनियाँ रॉबर्ट वाड्रा के कारोबारी नेटवर्क से जुड़ी हुई हैं। वाड्रा ने यह रकम अचल संपत्तियाँ खरीदने, अलग-अलग क्षेत्रों में निवेश करने, कंपनियों को कर्ज देने और अपने समूह की कंपनियों का बकाया चुकाने में लगाई है। ईडी का आरोप है कि यह पूरी रकम अवैध कमाई से आई थी और इसका इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग के तहत अपराध की श्रेणी में आता है। जांच एजेंसी ने कहा कि यह पैसा 'शेड्यूल अपराध' से आया है यानी उसे सोर्स से जिसे कानून पहले से ही अपराध मानता है। अधिकारियों के मुताबिक, जांच में बैंक लेन-देन, कंपनी के रिकॉर्ड और गवाहों के बयानों के आधार पर पैसों की पूरी आवाजाही का पता लगाया गया। ईडी ने बताया कि जिन कंपनियों से यह रकम आई, उन्हें वाड्रा के करीबी सहयोगी चला रहे थे। एजेंसी का आरोप है कि इन कंपनियों का इस्तेमाल पैसे को वैध दिखाने के लिए किया गया।

'जय जौहार' योजना के तहत तीन लाख से अधिक आदिवासियों को मासिक पेंशन : ममता

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर घोषणा की कि राज्य सरकार 'जय जौहार' योजना के तहत तीन लाख से अधिक आदिवासी लोगों को हर महीने एक हजार रुपये की पेंशन दे रही है। उन्होंने यह जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर रविवार को साझा करते हुए आदिवासी समुदाय को शुभकामनाएं दीं और पिछले 14 वर्षों में राज्य सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों का उल्लेख किया। ममता बनर्जी ने कहा कि सरकार ने अलग आदिवासी विकास विभाग का गठन किया है और संथाली, कुरुख, कुड़माली, नेपाली, हिंदी, उर्दू, राजबंशी, कामतापुरी, ओड़िया, पंजाबी और तेलुगु भाषाओं को आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया है। साथ ही, सादरी भाषा के उत्थान के

लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में विधानसभा में सरना/सारी धर्म की मान्यता के लिए विधेयक पारित किया गया और केंद्र सरकार को इस संबंध में पत्र भेजा गया है। आदिवासियों की भूमि संरक्षण के लिए नए कानून लागू किए गए हैं, जिसके तहत अब तक लगभग 19.5 लाख एसटी प्रमाणपत्र जारी किए जा चुके हैं। विभाग का बजट 2011 की तुलना में सात गुना से अधिक बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि वन अधिकार अधिनियम के तहत 49 हजार आदिवासियों को व्यक्तिगत वन पट्टा और 851 सामुदायिक वन पट्टे प्रदान किए गए हैं। लगभग 36 हजार गरीब आदिवासी केन्दुपत्ता संग्रहकर्ताओं के लिए विशेष सामाजिक सुरक्षा योजना शुरू की गई है। इसके अलावा आठ विकास बोर्ड और संथाली अकादमी की स्थापना की गई है। सरकार ने आदिवासी समुदाय के प्रमुख पर्वों-भगवान बिरसा मुंडा और पंडित रघुनाथ मुर्मू जयंती, हूल दिवस और करम पूजा-पर राजकीय अवकाश भी घोषित किया है। ममता बनर्जी ने संदेश दिया कि हम आगे भी अपने आदिवासी भाई-बहनों के विकास के लिए इसी तरह काम करते रहेंगे।

बिहार मसौदा मतदाता सूची से बिना सूचना, कारण के नाम नहीं हटाया जाएगा: आयोग ने न्यायालय से कहा

नयी दिल्ली : निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि बिहार में मसौदा मतदाता सूची से किसी भी मतदाता का नाम किसी पूर्व सूचना के बिना, उसे अपनी बात रखने का अवसर प्रदान किये बगैर और तर्कसंगत आदेश जारी किए बिना नहीं हटाया जाएगा। उसने यह भी कहा कि वैधानिक व्यवस्था के अनुसार, मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं किए गए लोगों के नामों की कोई अलग सूची तैयार करना या उनके साथ ऐसी कोई सूची साझा करना या किसी भी कारण से किसी व्यक्ति को भी मसौदा सूची में शामिल नहीं करने के कारणों को प्रकाशित करना आवश्यक नहीं है। निर्वाचन आयोग ने बिहार में बहुप्रतीक्षित मसौदा मतदाता सूची जारी करने के कुछ दिन बाद शनिवार को उच्चतम न्यायालय में एक अतिरिक्त हलफनामा दायर किया।

अंग प्रतिरोपण में महिलाओं और मृत दाताओं के करीबी रिश्तेदारों को प्राथमिकता दें: स्वास्थ्य मंत्रालय

नयी दिल्ली : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह दी है कि अंग प्रतिरोपण की प्रतीक्षा सूची में महिला मरीजों को प्राथमिकता दी जानी चाहिये, ताकि लैंगिक असमानता को दूर किया जा सके। मंत्रालय ने यह भी सुझाव दिया है कि अंग प्रतिरोपण की प्रतीक्षा कर रहे मृत दाताओं के निकट संबंधियों को प्राथमिकता दी जाए। ये सुझाव स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रतिरोपण संगठन (नोओटीटीओ) की ओर से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जारी परामर्श में दिए गए हैं। यह परामर्श दो अगस्त को 15वें भारतीय अंगदान दिवस के अवसर पर अंगदान और प्रतिरोपण को बढ़ावा देने के लिए जारी किया गया था। परामर्श में कहा गया है कि मृत अंगदाताओं का सम्मानजनक तरीके से अंतिम संस्कार किया जाए और उनके परिजनों को 15 अगस्त, 26 जनवरी, राज्य स्थापना दिवस आदि अवसरों पर राज्य/जिला स्तर के सार्वजनिक कार्यक्रमों में सम्मानित किया जाए। परामर्श में कहा गया है, ''मृत दाता अंग प्रतिरोपण की प्रतीक्षा सूची में महिला मरीजों को अतिरिक्त अंक देने का प्रावधान किया जाए, ताकि लैंगिक असमानता को दूर किया जा सके। यदि किसी मृत दाता के निकट संबंधी को अंग प्रतिरोपण की जरुरत है, तो उसे प्राथमिकता दी जाए।'' इसमें सभी ट्रॉमा सेंटर में अंग और ऊतक निकालने की सुविधाएं विकसित करने और उन्हें अंग एवं ऊतक प्रतिरोपण अधिनियम (थोटा), 1994 के तहत अंग निकासी केंद्र के रूप में पंजीकृत करने का सुझाव दिया गया है। इसी तरह, राज्यों को चरणबद्ध तरीके से अपने-अपने मेडिकल कॉलेजों में भी ऐसी सुविधाएं विकसित करने की सलाह दी गई है। परामर्श में राज्यों से कहा गया है कि सड़क दुर्घटनाओं के शिकार और मस्तिष्काघात के मरीजों में संभावित मृत दाताओं की समय पर पहचान के लिए आपातकालीन सेवाकर्मियों और एंबुलेंस कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाए तथा इस बारे में अस्पताल के अंगदान समन्वयक को सूचित किया जाए। परामर्श में राज्यों से एक ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने का सुझाव भी दिया गया है, जो जन जागरूकता गतिविधियों को बढ़ावा दे सके।

राहुल गांधी एक महिला के दो बार वोट देने के दावे के समर्थन वाले दस्तावेज साझा करें : निर्वाचन आयोग

नयी दिल्ली : कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नोटिस जारी कर उनसे वे दस्तावेज साझा करने को कहा, जिनके आधार पर उन्होंने आरोप लगाया था कि एक महिला ने दो बार मतदान किया। राज्य के शीर्ष चुनाव अधिकारी ने गांधी से कहा कि ये दस्तावेज उनके कार्यालय को विस्तृत जांच करने में मदद करेंगे। गांधी ने पिछले सप्ताह संवाददाता सम्मेलन में ये दस्तावेज दिखाए थे। नोटिस में कहा गया, ''आपने (राहुल गांधी) यह भी कहा है कि मतदान अधिकारी द्वारा दिए गए रिकॉर्ड के अनुसार, श्रीमती शकुन रानी ने दो बार मतदान किया था... पूछताछ करने पर, श्रीमती शकुन रानी ने बताया है कि उन्होंने केवल एक बार मतदान किया है, दो बार नहीं, जैसा कि आपने आरोप लगाया है।'' नोटिस में कहा गया है कि सीईओ कार्यालय द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि कांग्रेस नेता द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज मतदान अधिकारी द्वारा जारी नहीं किया गया था।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्षी गठबंधन संयुक्त उम्मीदवार उतारेगा

नयी दिल्ली : विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' उपराष्ट्रपति पद के लिए संयुक्त उम्मीदवार उतारेगा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे संभावित नामों पर चर्चा करने तथा इस पर आम सहमति बनाने के लिए विपक्षी दलों से संपर्क कर रहे हैं। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।खरगे ने कहा कि विपक्षी गठबंधन में यह प्रबल भावना है कि विपक्षी दलों को परिणाम की परवाह किए बिना एक मजबूत राजनीतिक संदेश भेजने के लिए मुकाबले से पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार चुनने पर कोई चर्चा नहीं हुई है, लेकिन संभावित उम्मीदवारों के नामों पर विचार-विमर्श के लिए 'इंडिया' गठबंधन के साझेदारों के बीच बातचीत चल रही है और खरगे आम सहमति बनाने के लिए विपक्षी दलों से संपर्क कर रहे हैं। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, सभी दलों में इस बात पर आम सहमति है कि 'इंडिया' उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एक संयुक्त उम्मीदवार उतारेगा।

बैंकों के मृत ग्राहकों से संबंधित दावों का 15 दिन में करना होगा निपटान, देरी पर मिलेगा मुआवजा

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मृत ग्राहकों के बैंक खातों और लॉकर से संबंधित दावों का 15 दिन के भीतर निपटान करने के लिए विशेष पहल की है। केंद्रीय बैंक ऐसे मामलों का तय समयसीमा के भीतर निपटारा करने और किसी भी देरी के लिए नामांकित व्यक्तियों को मुआवजा देने के लिए फॉर्म को मानकीकृत करने की योजना बना रहा है। आरबीआई ने मृत बैंक ग्राहकों के बैंक खातों और सुरक्षित जमा लॉकर में रखी वस्तुओं से संबंधित दावों के निपटान के लिए मानक प्रक्रियाएं लाने का प्रस्ताव किया है। इसका मकसद निपटान को और अधिक सुविधाजनक और सरल बनाना है। इस दिशा में, केंद्रीय बैंक ने परिपत्र का मसौदा - भारतीय रिजर्व बैंक (बैंकों के मृत ग्राहकों के संबंध में दावों का निपटान) निर्देश, 2025' जारी किया है और 27 अगस्त तक इस पर टिप्पणियां मांगी हैं।

न्याय लोगों के द्वार तक पहुंचना चाहिए, सत्ता के गलियारे तक सीमित नहीं रहना चाहिए : सीजेआई गवई

ईटानगर : प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने रविवार को कहा कि न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका का अस्तित्व केवल लोगों की सेवा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए है कि न्याय शीघ्रता से और न्यूनतम खर्च पर मिले। उन्होंने यहां गुवाहाटी उच्च न्यायालय की ईटानगर स्थायी पीठ के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करने के बाद कहा, ''मैं हमेशा से विकेंद्रीकरण का प्रबल समर्थक रहा हूं। न्याय लोगों के दरवाजे तक पहुंचना चाहिए।'' न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''न तो न्यायालय, न न्यायपालिका, न ही विधायिका, राजधानों, न्यायाधीशों या कार्यपालिका के सदस्यों के लिए हैं। हम सभी लोगों को न्याय देने के लिए मौजूद हैं।'' उन्होंने न्याय को और अधिक सुलभ बनाने के लिए गुवाहाटी उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीशों की सराहना की। अरुणाचल प्रदेश की विविधता में एकता की सराहना करते हुए, प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि राज्य में 26 प्रमुख जनजातियां और 100 से ज्यादा उप-जनजातियां हैं तथा सरकार ने हर जनजाति की परंपराओं एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा, ''देश को प्रगति करनी चाहिए, लेकिन हमारी संस्कृति और परंपराओं की कीमत पर नहीं। संविधान के तहत इनका संरक्षण हमारा एक मौलिक कर्तव्य है।'' पिछले दो वर्षों में कई पूर्वोत्तर राज्यों की अपनी यात्राओं को याद करते हुए, न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि वह वहां की जीवंत आदिवासी संस्कृति से ''मंत्रमुग्ध'' हो गए थे। हाल ही में संघर्षग्रस्त मणिपुर के आश्रय गृहों के दौरे का जिक्र करते हुए, प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''वहां एक महिला ने मुझसे कहा, 'आपका अपने घर में स्वागत है'। यह बात मेरे दिल को छू गई क्योंकि हम सभी के लिए भारत एक है और सभी भारतीयों के लिए भारत ही उनका घर है।''

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में तलाशी अभियान शुरू, हिजबुल के दो आतंकवादियों के घिरे होने की संभावना

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में रविवार को दिनभर जंगल के इलाके में रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने हिज्बुल मुजाहिदीन के दो अति वांछित आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों के साथ पहला संपर्क सुबह करीब 6.30 बजे दूल इलाके के भगना जंगल में हुआ, जब आतंकवादियों ने राष्ट्रीय राइफल्स के एक तलाशी दल को देखकर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की और दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक गोलीबारी जारी रही, जिसके बाद आतंकवादी जंगल में भाग गए। अधिकारियों ने बताया कि सेना, स्थानीय पुलिस के विशेष अभियान समूह (एस-ओजी) और सीआरपीएफ के जवान घटनास्थल पर पहुंचे तथा आतंकवादियों को मार गिराने के लिए उनके संदिग्ध स्थान के आसपास की घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया। उन्होंने बताया कि दिन में दोनों पक्षों के बीच दो बार और गोलीबारी हुई लेकिन किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों को रियाज अहमद और मुदस्सर हजारी नामक दो स्थानीय आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी मिली थी, जिसके बाद उन्होंने वन क्षेत्र में अभियान शुरू किया था।

उचित मूल्य में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी

सलाह दे रहे हैं विख्यात ऑर्थेपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन

DR. SANTOSH KUMAR
Consultant Orthopaedic & Joint Replacement Surgeon
Head, Institute of Computer Assisted
Joint Replacement Surgery, BELLE VUE CLINIC & WOODLANDS HOSPITAL

हमारे समाज में, विशेषकर व्यस्क व्यक्तियों के चलने-फिरने की समस्या का प्रमुख कारण है नी-आरथ्राइटिस। इस प्रकार की समस्याओं को प्राथमिक स्तर पर औषधियों और फिजियोथेरापी से ठीक करना मुमकिन तो है, पर समस्या जटिल होने पर घुटने का प्रत्यारोपण या नी-रिप्लेसमेंट ही एकमात्र निश्चित समाधान है।
मेरे तत्वावधान में नी-रिप्लेसमेंट पद्धति बिल्कुल पूर्वनिर्धारित (प्रेडिक्टेबल) है। सबसे पहले हम हर प्रकार के प्रिऑपरेटिव इन्वेस्टिगेशन करते हैं जैसे कि विभिन्न प्रकार के ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ईसीजी, इकोकार्डियोग्राफ इत्यादि। मेरे यहाँ रोगियों की सुरक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाती है। हमारे साथ हैं अनुभवी मेडिसिन चिकित्सक, कार्डियोलॉजिस्ट से सम्मिलित एक पूर्ण समर्पित टीम। सर्जरी के पहले, सर्जरी के दौरान और सर्जरी के बाद भी चिकित्सा से जुड़ी सभी जरूरतों का पूरा ख्या रखना ही हमारी टीम वर्क की सफलता सुनिश्चित करता है।
सम्पूर्ण उपयुक्त (प्रिसिशनल) सर्जरी और इसके बाद रोगी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के उद्देश्य से मैं कम्प्यूटर एसिस्टेड मिनिमली इनवेसिव सर्जरी करता हूँ। रोगी अपनी सम्पूर्ण चिकित्सा में एक दर्दरहित अनुभव का एहसास कर पाएं, मैं इसका पूरा ख्याल रहता हूँ। सर्जरी के बाद रोगी घुटने को मोड़ पाएं और जमीन पर बैठ पाएं, इसके लिए में 'Rotation Platform High Flexion Knees' का इस्तेमाल करता हूँ। सर्जरी के दूसरे दिन से ही रोगी चल-फिर सकते हैं और तीन दिनों में घर वापस जा सकते हैं। मैं हर श्रेणी और हर प्रकार की बीमा कराए व्यक्तियों की सर्जरी करता हूँ और वे सभी व्यक्ति जो किसी बीमा संस्था के दायरे में नहीं आते हैं, उनकी सर्जरी भी बहुत उचित मूल्य में करता हूँ। किसी रोगी की आर्थिक समस्या के बारे में पता चलने पर, मैं उसकी समस्या का भी समाधान करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता हूँ।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
DR. SANTOSH KUMAR KNEE FOUNDATION
Chamber : Plot No 332, Laketown
Block A, Kolkata-700 089
✆ : 98319 11584 / 98312 66632
e-mail : santdr@gmail.com
www.mykneemylife.org
www.momentumorthocare.com

तबाही के कारणों की पड़ताल जरूरी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद स्थित धराली में आई आपदा ने देश-दुनिया को गहरे तक आहत किया है। मलबे और बाढ़ के पानी के सैलाब ने जिस तरह घरों, होटलों व बगीचों तथा खेत-खलिहानों को तबाह किया, उसने आम लोगों को भयभीत किया। पहाड़ की भौगोलिक जटिलताओं व बचाव के संसाधन पहुंचाने में देरी से राहत कार्य बाधित हुआ है। निस्संदेह, हादसे से जुड़ा पहलू यह भी है कि तंत्र की अनदेखी व खीरगंगा के विस्तार क्षेत्र की आशंकाओं को नजरअंदाज करके जो निर्माण किया गया, वह सैलाब की जद में आया। सवाल यह है कि वे कौन से कारण थे कि बेहद तीव्र वेग से आये सैलाब ने लोगों को भागने तक का मौका नहीं दिया। हालांकि, मरने वालों की वास्तविक संख्या सामने नहीं आयी है, लेकिन सैलाब की भयावहता को देखकर अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि जनधन की बड़ी हानि हुई होगी। असली सवाल यह है कि ये आपदा कैसे आयी। आजकल ऐसे हादसों की साधारण व्याख्या होती है कि हादसा बादल फटने से हुआ। लेकिन धराली में आपदा की वजह बादल फटना मानने को वैज्ञानिक तैयार नहीं हैं। वैज्ञानिक इस वजह से बादल फटने के तर्क को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि मौसम विभाग के अनुसार 4-5 अगस्त को उस क्षेत्र में महज आठ से दस मिमी बारिश ही हुई थी। वैज्ञानिक मानक के अनुसार बादल फटने की घटना तब होती है जब उस इलाके में 100 मिमी से अधिक बारिश हुई हो। दरअसल, धराली गांव के पीछे डेढ़-दो किलोमीटर लंबा और बेहद घना जंगल है। दोनों तरफ ऊंचे व तीव्र ढलान वाले पहाड़ हैं। जिस खीरगंगा में फ्लैश फ्लड आया है, वो उन्हीं घने जंगलों से होकर गुजरती है। वैज्ञानिक एक तर्क पर विचार कर रहे हैं कि कहीं घने जंगलों वाले इलाके में भूस्खलन की वजह से पानी का प्रवाह रुक गया होगा, जिसके बाद अस्थाई झील टूटने से आपदा आई होगी।

दरअसल, इस जल प्रलय की जद में आने वाला क्षेत्र फ्लड प्लेन इलाके में बसा है। उसके ऊपर के इलाके में बर्फीले पर्वत बताए जाते हैं। यह हकीकत है कि धराली और उसके आस-पास बेहद संकरी घाटी और ऊंचे पहाड़ हैं। वैज्ञानिकों का तर्क है कि बादल फटने के बाद आने वाला जल प्रवाह इतना तेज नहीं होता। पहले इसकी गति धीमी होती है, कालांतर में गति तेज हो जाती है। इसी वजह से वैज्ञानिक तूफानी गति से पानी-मलबा आने की वजह अस्थायी झील का टूटना बता रहे हैं। भूस्खलन या ग्लेशियर टूटने से झील का पानी सैलाब में बदल गया। इस आशंका को मानने की एक वजह यह भी है कि आपदा वाले दिन जो पानी नीचे आया वह काले रंग का था। साथ मलबा स्लेटी रंग का था। तर्क है कि ऐसा काला पानी व स्लेटी रंग का मलबा पहले से जमा हुए स्थान के टूटने के बाद ही आता है। ऐसी ही स्थिति वर्ष 2021 में चमोली जनपद के ऋषिगंगा हादसे के दौरान एक अस्थायी झील टूटने के बाद जमा मलबे के बहकर आने के वक्त देखी गई थी। दरअसल, वैज्ञानिक पहले भी आशंका जताते रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते बढ़ते तापमान की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। पिघली बर्फ के पानी से बनी झीलें कालांतर भूस्खलन या बादल फटने के बाद टूट जाती हैं और सैलाब तेज ढलान पर उतरकर तबाही लाता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2013 की केदार घाटी में आई आपदा भी चोराबारी झील के टूटने से निकले सैलाब की वजह से हुई थी। दूसरी विडंबना यह भी है कि ग्लोबल वार्मिंग व बढ़ते तापमान की वजह से ऊंचे पहाड़ों में बारिश की प्रकृति में कुछ वर्षों से बदलाव आया है। सामान्यत: तीन चार हजार मीटर की ऊंचाई पर पहले बर्फबारी होती थी, बारिश नहीं। लेकिन अब लगातार होती बारिश से ग्लेशियर टूट रहे हैं। जो कालांतर अस्थायी झील पर गिरते हैं तो झील का पानी पहाड़ों के तीव्र ढलान पर तेजी से बहता है। जब उसके साथ मलबा, पत्थर व मिट्टी मिल जाती है तो उसकी धार मारक हो जाती है। बहरहाल, वास्तविक स्थिति सेटेलाइट इमेज से ही स्पष्ट हो पाएगी।

आज का पंचांग

कोलकाता : 11 अगस्त, सोमवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, भाद्रपद कृष्णपक्ष द्वितीया, 10:32 तक, नक्षत्र : शतभिषा, 12:50 तक, योग : अतिगंदा, 21:29 तक, सूर्योदय: 5:11, सूर्यास्त: 18:12, चन्द्रोदय : 19:40, चन्द्रास्त: 06:52, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : कर्क, चन्द्र राशि : कुम्भ, राहू काल : 06:52 से 08:28

राशिफल

मेष : कार्यक्षेत्र में आप किसी बात को लेकर चिंतित रह सकते हैं। लेकिन वह व्यर्थ हो सकती है। अगर आपका पैसा या कोई काम बीच में अटका था तो अब सारी अड़चनें दूर हो सकती हैं।

वृष : व्यापार के मामले में आपके ऊपर कुछ ज्यादा जिम्मेदारियां आ सकती हैं। वहीं, नौकरी करने वालों पर भी किसी नए काम की जिम्मेदारी आ सकती है। ऐसे में आप पूरा दिन व्यस्त रहेंगे।

मिथुन : कार्यक्षेत्र में आपको कोई उत्तरदायित्व वाला कार्य करना पड़ सकता है। ऐसे में सोच-समझकर कोई भी फैसला लें और जल्दबाजी से बचें। आप आसानी से हर परिस्थिति संभाल लेंगे।

कर्क : आपको कार्यक्षेत्र में कोई भी काम जरूरत से ज्यादा उत्साह में आकर करने से बचना होगा। ऐसा करने से कोई बड़ी गलती होने की संभावना है। परिवार के मामले में दिन सामान्य रहेगा।

सिंह : कार्यस्थल पर आपको अपने आसपास हर काम पर कड़ी नजर रखनी होगी। लापरवाही करने से कोई महत्वपूर्ण काम गलत हो सकता है। ऐसे में चारों तरफ निगरानी रखना जरूरी होगा।

कन्या : कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं। ऐसा करने से लाभ कमाने के अवसर प्राप्त होंगे और सहकर्मियों का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी करने वालों का दिन सामान्य रहेगा।

तुला : अगर कामकाज को लेकर किसी उलझन में फंसे हुए हैं, तो उसके बारे में सोच-समझकर सही निर्णय लेना जरूरी होगा। इसे लेकर किसी अनुभवी व्यक्ति या मित्रों की सलाह भी ले सकते हैं।

वृश्चिक : जो लोग किसी नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं या अपना नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, उन्हें किसी का सहयोग मिलने से लाभ मिल सकता है। लाभ कमाने के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु : कार्यक्षेत्र में आपको अपने जरूरी कार्यों को पूरा करने के लिए मेहनत करनी होगा। धीमी गति से काम करने से आपके महत्वपूर्ण कार्य देरी से हो सकते हैं, जिससे नुकसान की संभावना है।

मकर : अगर कार्यक्षेत्र में कामकाज को लेकर आपने कोई योजना बनाई थी, तो उसे अब पूरा करना पड़ सकता है। व्यापार के मामले में आपको महत्वपूर्ण कार्यों को लंबा खींचने से बचना होगा।

कुम्भ : लंबे समय बाद अब आपके कामकाज करने के तरीके में बदलाव आ सकता है, जिससे कार्यक्षेत्र में कई परिवर्तन देखने को मिलेंगे। नौकरी करने वालों के लिए भी दिन शुभ रहने वाला है।

मीन : कामकाज के सिलसिले में आपको किसी यात्रा या कार्यक्रम में जाना पड़ सकता है। ऐसे में आपका साधारण तरीके से जाना बेहतर रहेगा। नौकरी करने वालों को ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है।

दिल्ली में लैंडफिल गैसें बन रही हैं मुसीबत

प्रमोद भार्गव

दिल्ली की आबोहवा खराब करने में कचरों के ऐसे ठिकाने खतरनाक साबित हो रहे हैं, जिनसे लैंडफिल गैसें हवा और जल स्रोतों को एक साथ प्रदूषित करते हैं। दिल्ली समेत समूचे राजनीति क्षेत्र में अनेक लैंडफिल ठिकाने हैं। इसलिए इस पूरे क्षेत्र में कचरे के इन ढेरों से फूटती लैंडफिल नामक शैतानी गैसों से एक बड़ी आबादी का जीना कठिन हो गया है। इन ठिकानों को हटाने और कचरे का वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण करने के लिए विभिन्न संस्थाएं राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा चुकी हैं, लेकिन अब तक नतीजा ढांक के तीन पांत ही रहा है। अब मौसम विभाग की तर्ज पर लैंडफिल ठिकानों पर 'अर्ली वार्निंग सिस्टम' जैसी व्यवस्था होगी। इस कचरे से उत्सर्जित होने वाली तीव्र ज्वलनशील मीथेन गैस को चिन्हित करने वाले डिटेक्टर भी लगाए जाएंगे। इन ठिकानों के तापमान पर भी निगरानी रखने के लिए 'नान कांटेक्ट इंफ्रारेड थर्मामीटर' लगाए जाएंगे। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीक्यूएम) ने इन साइटों पर आग लगने की घटनाओं को थामने और इससे होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए 8 सूत्रीय निर्देश भी जारी किए हैं। इन निर्देशों का पालन दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान सरकार को एनसीआर नगरों की सभी लैंडफिल साइटों पर इन निर्देशों का पालन करना होगा।

दिल्ली में गाजीपुर, भलस्वा तथा ओखला में लैंडफिल ठिकाने हैं। इनमें रोजाना हजारों टन कचरा डाला जाता है। इसके वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण के कोई तकनीकी इंतजाम नहीं हैं। एनजीटी ने एक समिति का गठन कर उससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कचरे से बिजली पैदा करने की संभावना तलाशने को कहा था, लेकिन दिल्ली सरकार, दिल्ली प्रदूशण नियंत्रण समिति और केंद्रीय प्रदूशण नियंत्रण बोर्ड किसी परिणाम तक नही पहुंच पाए। इन ढेरों में अचानक आग भी लग जाती है, इस कारण समूचे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण जानलेवा साबित होने लगता है। पर्यावरणीय मामलों के प्रमुख वकील गौरव बंसल का कहना है कि ये लैंडफिल कचरों के ठिकाने नहीं हैं। क्योंकि ऐसे ठिकानों के लिए विशेष डिजाइन और कायदे-कानून का प्रावधान है। कचरा डालने से पहले इन मैदानों में मिट्टी, प्लास्टिक, जैव और जैव-चिकित्सा जैसे कचरे को अलग किया जाता है। जबकि इन ठिकानों पर ऐसा कुछ भी नहीं होता है। इसलिए ये ठिकाने वेस्ट डंपिंग ग्राउंड बनकर रह गए हैं। दरअसल मीथेन गैस अत्यधिक ज्वलनशील गैस है। अन्य स्रोतों के अलावा लैंडफिल ठिकाने पर जमा जैविक कचरे के विघटित होने से मीथेन गैस का उत्सर्जन होता है। इस गैस में रंग और गंद नहीं होते है। इस कारण इसके रिसाव का पता नहीं चलता है। माना जाता है कि हवा में 5 से 15 प्रतिशत की सांद्रता से भी आग लग सकती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व अपर निदेशक डॉ एसके त्यागी का कहना है कि मीथेन ग्रीन हाउस गैस है। उपग्रह से इसकी निकली छवि को देखा जा सकता है। इसे ट्रेप कर इसका उपयोग करने पर काम होना चाहिए। लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी है कि महानागरों में इस तरह के बड़े कचरे के ढेरों को एकत्रित करने से रोका जाए। इसके लिए कचरे को अलगाने, उसे रिसाइकल करने एवं उससे खाद एवं ईंधन तैयार करने पर विचार होना चाहिए।

दरअसल लैंडफिल गैसें उन स्थलों से उत्सर्जित होती हैं, जहां गड्ढों में शहरी कचरा भर दिया गया हो। इस कचरे में औद्योगिक कचरा भी शामिल हो तो इसमें प्रदूशण की भयानकता और बढ़ जाती है। नए शोधों से पता चला है कि नियम-कानूनों को ताक पर रखकर लापरवाही से तैयार किए भूखंडों पर खड़ी इमारतों में चल रहे सूचना तकनीक के कारोबार में प्रयुक्त चांदी, तांबा और पीतल के कल-पूर्जों की सेहत लैंडफिल गौसों के संपर्क में आकर बिगड़ जाती है। इनका हमला निर्जीव यांत्रिक उपकरणों पर ही नहीं मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डालता है। हमारे देश की महानगर पालिकाएं और भवन-निर्माता गड्ढो वाली भूमि के समतलीकरण का बड़ा आसान उपाय इस कचरे से खोज लेते हैं। रोजाना घरों से निकलने वाले कचरे और इलेक्ट्रॉनिक कचरे से गड्ढों को पाटने का काम बिना किसी रासायनिक उपचार के कर दिया जाता है। इस मिश्रित कचरे में मौजूद विभिन्न रसायन परस्पर संपर्क में आकर जब पांच-छह साल बाद रासायनिक क्रियाएं करते हैं, तो इसमें से जहरीली लैंडफिल गैसें पैदा होने लगती हैं। इनमें हाइड्रोजन पेरोक्साइड, हाइड्रोजन ऑक्साइड, मीथेन, कार्बन मोनोऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड इत्यादी होती हैं।

कचरे के सड़ने से बनने वाली इन बदबूदार गैसों को वैज्ञानिकों ने लैंडफिल गैसों के दर्जे में रखकर एक अलग ही श्रेणी बना दी है। दफन कचरे में भीतर ही भीतर जहरीला तरल पदार्थ जमीन की दरारों में रिसता है। यह जमीन के भीतर रहने वाले जीवों के लिए प्राणघातक होता है। भूगर्भ में निरंतर बहते रहने वाले जल-स्रोतों में मिलकर यह शुद्ध पानी को जहरीला बना देता है। गंधक के अनेक जीवाणुनाशक यौगिक भूमि में फैलकर उसकी उर्वरा क्षमता को नष्ट कर देते हैं।

आधुनिक जीवन शैली बहुत अधिक कचरा पैदा करती है। इसलिए भारत ही नहीं, दुनिया के ज्यादातर विकसित और विकासशील देश कचरे को ठिकाने लगाने की समस्या से जूझ रहे हैं। लेकिन ज्यादातर विकसित देशों ने समझदारी बरतते हुए इस कचरे को अपने देशों में ही नष्ट कर देने की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। दरअसल पहले इन देशों में भी इस कचरे को धरती में गड्ढे खोदकर दफना देने की छूट थी। लेकिन जिन-जिन क्षेत्रों में यह कचरा दफनाया गया, उन-उन क्षेत्रों में लैंडफिल गैसों के उत्सर्जन से पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित होकर खतरनाक बीमारियों का जनक बन गया। जब ये रोग लाइजाज बीमारियों के रूप में पहचाने जाने लगे तो इन देशों का शासन-प्रशासन जागा और उसने कानून बनाकर औद्योगिक व घरेलू कूड़े-कचरे को अपने देश में दफन करने पर सख्त प्रतिबंध लगा दिए। तब इन देशों ने इस कचरे को ठिकाने लगाने के लिए लाचार देशों की तलाश की और सबसे लाचार देश निकला भारत। दुनिया के 105 से भी ज्यादा देश अपना औद्योगिक कचरा भारत के समुद्री तटवर्ती इलाकों में जहाजों से भेजते हैं। इन देशों में अमेरिका, चीन, ब्राजील, आस्ट्रेलिया, जर्मनी और ब्रिटेन प्रमुख हैं।

नेशनल एनवायरमेंट इंजीनियारिंग रिसर्च इंस्टीयूट के एक शोध पत्र के अनुसार वर्ष 1997 से 2005 के बीच भारत में प्लास्टिक कचरे के आयात में 82 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। ये आयात देश में पुनर्शोधन व्यापार को बढ़ावा देने के बहाने किया जाता है। इस क्रम में विचारणीय पहलू यह है कि इस आयातित कचरे में खतरनाक माने जाने वाले ऑर्गेनो-मरक्यूरिक यौगिक निर्धारित मात्रा से 1500 गुना अधिक पाए गए हैं, जो कैंसर जैसी लाइजाज और भयानक बीमारी को जन्म देते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की मुल्याकांन समीति के अनुसार देश में हर साल 44 लाख टन कचरा पैदा होता है। ऑर्गेनाइजेशन फॉर कॉरपोरेशन एंड डवलपमेंट ने इस मात्रा को 50 लाख टन बताया है। इसमें से केवल 38.3 प्रतिशत कचरे का ही पुनर्शोधन किया जा सकता है, जबकि 4.3 प्रतिशत कचरे को जलाकर नष्ट किया जा सकता है। लेकिन इस कचरे को औद्योगिक इकाईयों द्वारा ईमानदारी से पूनर्शोधित न किया जाकर ज्यादातर जल स्रोतों में धकेल दिया जाता है।

कचरा भण्डारों को नश्ट करने के ऐसे ही फौरी उपायों के चलते एक सर्वे में पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन ने पाया है कि हमारे देश के पेयजल में 750 से 1000 मिलिग्राम प्रति लीटर तक नाइट्रेट पानी में मिला हुआ है और अधिकांश आबादी को बिना किसी रासायनिक उपचार के पानी प्रदाय किया जा रहा है, जो लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। एप्को के अनुसार नाइट्रेट बढ़ने का प्रमुख कारण औद्योगिक कचरा, मानव व पशु मल है।

ऐसे ही कारणों से लैंडफिल गैंसों का उत्सर्जन बढ़ रहा है। नतीजतन बच्चों में ब्लू बेबी सिंड्रोम जैसी बीमारी फैल रही है। इन गैसों के आंख, गले और नाक में स्थित श्लेश्मा परत के संपर्क में आने से दमा, सांस, त्वचा और एलर्जी की बिमारियां बढ़ रही हैं। कचरा मैदानों के ऊपर बने भवनों में रहने वाले लोगों में से, खास तौर से महिलाओं में मूत्राशय का कैंसर होने की आशंका बढ़ जाती है। लैंडिफल गैसें इन खतरों को चार गुना बढ़ा देती हैं। यह प्रदूशण गर्भ में पल रहे शिशु को भी प्रभावित करता है।

नियमानुसार कचरा मैदानों में भवन निर्माण का सिलसिला 15 साल बाद होना चाहिए। इस लंबी अवधि में कचरे के सड़ने की प्रक्रिया पूर्ण होकर लैंडफिल गैसों का उत्सर्जन भी समाप्त हो जाता है और जल में घुलनशील तरल पदार्थ का बनना भी बंद हो जाता है। लेकिन प्रकृति की इस नैसर्गिक प्रक्रिया के पूर्ण होने से पहले ही हमारे यहां जमीन के समतल होने के तत्काल बाद ही आलीशान इमारतें खड़ी करने का सिलसिला शुरू कर देते हैं। जिसका नतीजा उस क्षेत्र में रहने वाली आबादी और इलेक्ट्रोनिक उपकरणों को भुगतना होता है।

अब इस औद्योगिक व घरेलू कचरे को नश्ट करने के प्राकृतिक उपाय भी सामने आ रहे है। हालांकि हमारे देश के ग्रामीण अंचलों में घरेलू कचरे व मानव एवं पशु मल-मूत्र को घर के बाहर ही घरों में प्रसंस्करण करके खाद बनाने की परंपरा रही है। इसके चलते कचरा महामारी का रूप धारण कर जानलेवा बीमारियों का पर्याय न बनते हुए खेत की जरूरत के लिए ऐसी खाद में परिवर्तित होता है, जो फसल की उत्पादकता व पौश्टिकता बढ़ाता है। अब एक ऐसा ही अद्वितीय व अनूठा प्रयोग औद्योगिक व घरेलू जहरीले कचरे को नश्ट करने में सामने आया है। अभी तक हम केंचुओं का इस्तेमाल खेतों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए वर्मी कंपोस्ट खाद के निर्माण में करते रहे हैं। हालांकि खेतों की उर्वरा क्षमता बढ़ाने में केंचुओं की उपयोगिता सर्वविदित है, पर अब औद्योगिक कचरे को केंचुओं से निर्मित वर्मी कल्चर से ठिकाने लगाने का सफल प्रयोग हुआ है। अहमदाबाद के निकट मुथिया गांव में एक पायलट परियोजना शुरू की गई है। इसके तहत जमा 60 हजार टन कचरे में 50 हजार केंचुए छोड़े गए थे। चमत्कारिक ढंग से केंचुओं ने इस कचरे का सफाया कर दिया। फलस्वरूप यह स्थल पूरी तरह प्राकृतिक ढंग से जहर के प्रदूषण से मुक्त हो गया। लैंडफिल गैसों से सुरक्षा के लिए कचरे को नष्ट करने के कुछ ऐसे ही प्राकृतिक उपाय अमल में लाने होंगे, जिससे कचरा मैदानों में बसी आबादी के लोग और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सुरक्षित रहें।

-लेखक/पत्रकार

फांसी के फंदे को चूमकर शहीद हो गए खुदीराम बोस

कुमार कृष्णन

आज की तारीख में आम तौर पर उन्नीस साल से कम उम्र के किसी युवक के भीतर देश और लोगों की तकलीफों, और जरुरतों की समझ कम ही होती है लेकिन खुदीराम बोस ने जिस उम्र में इन तकलीफों के खात्मे के खिलाफ आवाज बुलंद की, वह मिसाल है जिसका वर्णन इतिहास के पन्नों पर स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है।

इससे ज्यादा हैरान करने वाली बात और क्या हो सकती है कि जिस उम्र में कोई बच्चा खेलने-कूदने और पढ़ने में खुद को झोंक देता है, उस उम्र में खुदीराम बोस यह समझते थे कि देश का गुलाम होना क्या होता है और कैसे या किस रास्ते से देश को इस हालत से बाहर लाया जा सकता है। इसे कम उम्र का उत्साह कहा जा सकता है लेकिन खुदीराम बोस का वह उत्साह आज भारत में ब्रिटिश राज के खिलाफ आंदोलन के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज है तो इसका मतलब यह है कि वह केवल उत्साह नहीं था बल्कि गुलामी थोपने वाली किसी सत्ता की जड़ें हिला देने वाली भूमिका थी। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि महज उन्नीस साल से भी कम उम्र में उसी हौसले की वजह से खुदीराम बोस को फांसी की सजा दे दी गई लेकिन यही से शुरू हुए सफर ने ब्रिटिश राज के खिलाफ क्रांतिकारी आंदोलन की ऐसी नींव रखी कि आखिर कार अंग्रेजों को इस देश पर जमे अपने कब्जे को छोड़ कर जाना ही पड़ा।

बंगाल के मिदनापुर जिले के हबीबपुर गांव में त्रैलोक्य नाथ बोस के घर 3 दिसंबर 1889 को खुदीराम बोस का जन्म हुआ था लेकिन बहुत ही कम उम्र में उनके सिर से माता-पिता का साया उठ गया। माता-पिता के निधन के बाद उनकी बड़ी बहन ने मां-पिता की भूमिका निभाई और खुदीराम का लालन-पालन किया था। इतना तय है कि उनके पलने-बढ़ने के दौरान ही उनमें प्रतिरोध की चेतना भी विकसित हो रही थी। दिलचस्प बात यह है कि खुदीराम ने अपनी स्कूली जिंदगी में ही राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। तब वे प्रतिरोध जुलूसों में शामिल होकर ब्रिटिश सत्ता के साम्राज्यवाद के खिलाफ नारे लगाते थे, अपने उत्साह से सबको चकित कर देते थे। यही वजह है कि किशोरावस्था में ही खुदीराम बोस ने अपने भीतर के हौसले को उड़ान देने के लिए सत्येन बोस को खोज लिया और उनके नेतृत्व में अंग्रेजों के विरुद्ध मैदान में कूद पड़े थे।

तब 1905 में बंगाल विभाजन के बाद उथल-पुथल का दौर चल रहा था। उनकी दीवानगी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने नौवीं कक्षा की पढ़ाई भी बीच में ही छोड़ दी और अंग्रेजों के खिलाफ मैदान में कूद पड़े। तब रिवोल्यूशनरी पार्टी अपना अभियान जोर-शोर से चला रही थी और खुदीराम को भी एक ठौर चाहिए था जहां से यह लड़ाई ठोस तरीके से लड़ी जाए।

शहादत दिवस, 11 अगस्त 1908

खुदीराम बोस ने डर को कभी अपने पास फटकने नहीं दिया, 28 फरवरी 1906 को वे सोनार बांग्ला नाम का एक इश्तिहार बांटते हुए पकड़े गए लेकिन उसके बाद वह पुलिस को चकमा देकर भाग निकले। 16 मई 1906 को पुलिस ने उन्हें दोबारा गिरफ्तार कर लिया लेकिन इस बार उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। इसके पीछे वजह शायद यह रही होगी कि इतनी कम उम्र का बच्चा किसी बहकावे में आकर ऐसा कर रहा होगा लेकिन यह ब्रिटिश पुलिस के आकलन की चूक थी। खुदीराम उस उम्र में भी जानते थे कि उन्हें क्या करना है और क्यों करना है। अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ उनका जुनून बढ़ता गया और 6 दिसंबर 1907 को बंगाल के नारायणगढ़ रेलवे स्टेशन पर आंदोलनकारियों के जिस छोटे से समूह ने बम विस्फोट की घटना को अंजाम दिया, उसमें खुदीराम प्रमुख थे।

इतिहास में दर्ज है कि तब कलकत्ता में किंग्सफोर्ड चीफ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट को बहुत ही सख्त और बेरहम अधिकारी के तौर पर जाना जाता था। वह ब्रिटिश राज के खिलाफ खड़े होने वाले लोगों पर बहुत जुल्म ढाता था। उसके यातना देने के तरीके बेहद बर्बर थे जो आखिरकार किसी क्रांतिकारी की जान लेने पर ही खत्म होते थे। बंगाल विभाजन के बाद उभरे जनाक्रोश के दौरान लाखों लोग सड़कों पर उतर गए और तब बहुत सारे भारतीयों को मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड ने क्रूर सजाएं सुनाईं। इसके बदले ब्रिटिश हुकूमत ने उसकी पदोन्नति कर दी और मुजफ्फरपुर जिले में सत्र न्यायाधीश बना दिया। उसके अत्याचारों से तंग जनता के बीच काफी आक्रोश फैल गया था। इसीलिए युगांतर क्रांतिकारी दल के नेता वीरेंद्र कुमार घोष ने किंग्सफोर्ड मुजफ्फरपुर में मार डालने की योजना बनाई और इस काम की जिम्मेदारी खुदीराम और प्रफुल्ल चाकी को दी गई।

तब तक बंगाल के इस वीर खुदीराम को लोग अपना आदर्श मानने लगे थे। बहरहाल, खुदीराम और प्रफुल्ल, दोनों ने किंग्सफोर्ड की समूची गतिविधियों, दिनचर्या, आने-जाने की जगहों की पहले रेकी की और अपनी योजना को पुख्ता आधार दिया। उस योजना के मुताबिक दोनों ने किंग्सफोर्ड की बग्घी पर बम से हमला भी किया लेकिन उस बग्घी में किंग्सफोर्ड की पत्नी और बेटी बैठी थी और वही हमले का शिकार बनीं और मारी गईं। इधर खुदीराम और प्रफुल्ल हमले को सफल मान कर वहां से भाग निकले लेकिन जब बाद में उन्हें पता चला कि उनके हमले में किंग्सफोर्ड नहीं, दो महिलाएं मारी गईं तो दोनों को इसका बहुत अफसोस हुआ लेकिन फिर भी उन्हें भागना था और वे बचते-बढ़ते चले जा रहे थे। प्यास लगने पर एक दुकान वाले से खुदीराम बोस ने पानी मांगा जहां मौजूद पुलिस को उनपर शक हुआ और खुदीराम को गिरफ्तार कर लिया गया लेकिन प्रफुल्ल चाकी ने खुद को गोली मार ली।

बम विस्फोट और उसमें दो यूरोपीय महिलाओं के मारे जाने के बाद ब्रिटिश हुकूमत के भीतर जैसी हलचल मची थी, उसमें गिरफ्तारी के बाद फैसला भी लगभग तय था। खुदीराम ने अपने बचाव में साफ तौर पर कहा कि उन्होंने किंग्सफोर्ड को सजा देने के लिए ही बम फेंका था। जाहिर है, ब्रिटिश राज के खिलाफ ऐसे सिर उठाने वालों के प्रति अंग्रेजी राज का रुख स्पष्ट था, लिहाजा खुदीराम के लिए फांसी की सजा तय हुई। 11 अगस्त 1908 को जब खुदीराम को फांसी के तख्ते पर चढ़ाया गया, तब उनके माथे पर कोई शिकन नहीं थी, बल्कि चेहरे पर मुस्कुराहट थी। यह बेवजह नहीं है कि आज भी इतिहास में खुदीराम महज ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ नहीं बल्कि किसी भी जन-विरोधी सत्ता के खिलाफ लड़ाई के सरोकार और लड़ने के हौसले के प्रतीक के रूप में ताकत देते हैं।

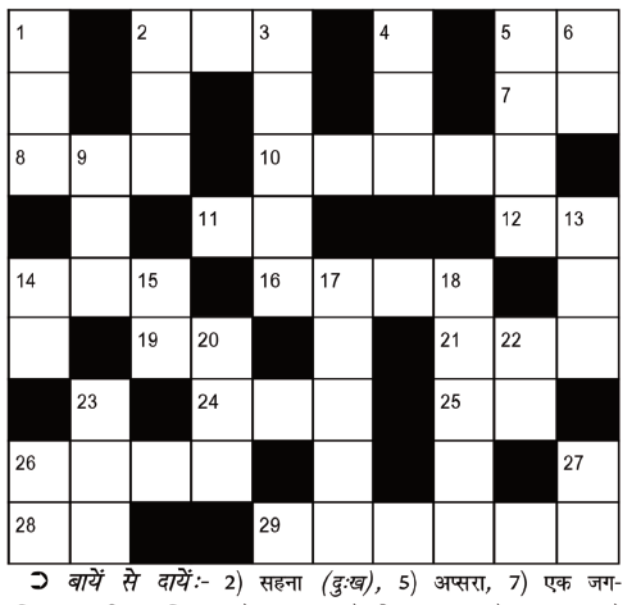

वर्ग पहेली नं. 3174

ऊपर से नीचे:- 1) व्यसन, 2) उत्तर भारत में बहनेवाली एक नदी, 3) प्रसिद्ध, 4) जल की धारा, 5) मुकरना, 6) खाली, 9) निराश, 13) चेहरे की बनावट, 14) वग़ैरह, 15) सहमत, 17) विनम्र, 18) सावधान, 20) रोकड़, 22) परवाह; शोक, 23) द्रव, 26) संकट; आफ़त, 27) एकाग्रता.

(उत्तर: अगले अंक में)

बायें से दायें:- 2) सहना *(दु:ख)*, 5) अप्सरा, 7) एक जगप्रसिद्ध भारतीय गायिका, 8) सारा, 10) जेबकतरा, 11) लड़का, 12) बंटा ढार; बरबादी, 14) सहारा; भरोसा, 16) छिद्रान्वेषण, 19) घोड़े आदि की पीठ पर रखने की गद्दी, 21) काँख, 24) तपा हुआ, 25) एक मादक पेय, 26) नाश, 28) क्रांतिसूचक रंग, 29) सौभाग्यशाली.

पिछली पहेली का उत्तर

सुडोकू-पहेली-3131

			2	6				
	7						5	8
		4		8			2	
						9		
				3	7			
		6						5
4	2	7						
			9					
5					1	6		4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3130 का उत्तर

2	4	5	8	9	7	6	1	3
3	9	6	5	2	1	7	4	8
7	1	8	3	6	4	2	9	5
4	3	1	9	8	2	5	6	7
5	7	9	6	4	3	8	2	1
6	8	2	1	7	5	9	3	4
9	5	7	4	3	6	1	8	2
8	2	3	7	1	9	4	5	6
1	6	4	2	5	8	3	7	9

नबान्न अभियान के दौरान अभया की मां पर हुए हमले की होगी जांच : पुलिस आयुक्त

रैली में पीड़िता की मां पर पुलिस द्वारा लाठी चार्ज का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा

नबान्न अभियान को लेकर कोलकाता हाई कोर्ट के निर्देश का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी पहले ही दी गई थी। शनिवार को पूरे दिन शहर में बवाल मचा रहा और पुलिस ने 7 एफआईआर दर्ज की हैं, हालांकि अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। रविवार को कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा ने पत्रकारों से बातचीत में कई मुद्दों पर जवाब दिया।

सीपी ने बताया, अब तक सात लोगों के खिलाफ एफआईआर हुई है। गिरफ्तारी की संख्या अभी नहीं मिली है। हाई कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किसने किया, यह सीसीटीवी फुटेज और जांच के बाद पता चलेगा।

नबान्न अभियान के दौरान आर.जी.कर की पीड़िता की मां पर हमले का आरोप सामने आया है। इस पर मनोज वर्मा ने कहा, जो घटना हुई है, वह बिल्कुल भी वांछनीय नहीं है। पीड़िता की मां का आरोप पुलिस बेहद गंभीरता से देख रही है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं हुई है, लेकिन दोषियों के खिलाफ कानूनन कार्रवाई की जाएगी।

शुभेंदु अधिकारी पर सवाल पूछे जाने पर सीपी ने कहा, सारी बातें जांच के दायरे में हैं, इस पर इस समय कुछ कहना उचित नहीं है।

❑ नबान्न अभियान के नाम पर 'गुंडागर्दी', पुलिस पर हमला! भाजपा नेताओं के खिलाफ 7 एफआईआर

नबान्न अभियान में पुलिस पर हमला, धमकी, अदालत की अवमानना समेत कई आरोपों में भाजपा विधायक अशोक डिंडा सहित कई भाजपा नेताओं के खिलाफ न्यू मार्केट और हेर स्ट्रीट थानों में 7 एफआईआर दर्ज हुई हैं। हाई कोर्ट ने पहले ही स्पष्ट किया था कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जा सकता है, लेकिन विरोध प्रदर्शन हिंसक रूप ले लिया।

पुलिस का आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में लगे पुलिसकर्मियों पर हमला किया। इसमें 3 कांस्टेबल घायल हुए, एक आईपीएस रैंक के अधिकारी को भी पीटा गया। उन्हें प्राथमिक इलाज दिया गया। शनिवार को पार्क स्ट्रीट और सांतारागाछी में भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई।

❑ नबान्न अभियान में एएसआई समेत 5 पुलिसकर्मी घायल, सड़क पर फेंककर पीटने का आरोप

आर.जी.कांड की बरसी पर नबान्न अभियान के दौरान भारी अफरा-तफरी मच गई। जुलूस रोकने में पुलिस पर लाठीचार्ज का आरोप लगा, वहीं पीड़िता के माता-पिता को पीटने का भी दावा किया गया। लेकिन इस पूरे बवाल में पुलिसकर्मी भी घायल हुए। कोलकाता पुलिस का कहना है कि एएसआई जगबन्धु साहू, कांस्टेबल निमाई मंडल और एक होमगार्ड समेत 5 पुलिसकर्मी गंभीर रूप से जख्मी हुए, जिनमें से 3 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बालीगंज में वकील की खिड़की से गिरकर मौत, हत्या या दुर्घटना की जांच जारी

कोलकाता, समाज्ञा : बालीगंज के एक बिल्डिंग के चौथे मंजिल की खिड़की से गिरने से एक वकील की मौत हो गई। मृतक की पहचान कौस्तभ दास (52) के रूप में हुई है, जो कोलकाता हाई कोर्ट में वकालत करते थे। वे अपने परिवार के साथ उसी आवास में रहते थे, जिसमें उनकी पत्नी और इकलौता बेटा शामिल हैं। बताया गया है कि उनके फ्लैट की स्लाइडिंग खिड़की मरम्मत के लिए खुली थी। शनिवार की रात कौस्तभ उस खिड़की के पास बैठे थे, तभी अचानक नीचे गिर गए। नीचे गिरने की आवाज सुनते ही आसपास के निवासी वहां पहुंचे और उन्हें खून से लथपथ पाया। उन्हें तत्काल नजदीकी एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कुछ समय इलाज के बाद उनकी मौत हो गई। पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि अचानक तबियत खराब होने के कारण कौस्तभ असावधानी से नीचे गिर गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले की जांच जारी है।

राज्य सरकार ने मेरी पत्नी को भर्ती नहीं करने के लिए अस्पताल पर दबाव डाला : आरजी कर पीड़िता के पिता

पीड़िता की मां को इलाज के बाद मिली अस्पताल से छुट्टी

कोलकाता, समाज्ञा

आरजी कर पीड़िता के पिता ने रविवार को आरोप लगाया कि पिछले दिन विरोध मार्च के दौरान 'पुलिस के लाठीचार्ज' में घायल हुईं उनकी पत्नी को राज्य सरकार द्वारा एक निजी अस्पताल पर दबाव डालने के बाद भर्ती करने से 'इनकार' कर दिया गया। बता दें कि पीड़िता की मां का शनिवार को सीटी स्कैन और अन्य नैदानिक परीक्षण किया गया, ताकि आंतरिक और बाहरी चोटों की गंभीरता का आकलन किया जा सके। उनके माथे, हाथ और पीठ पर चोटें आई थीं। पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया कि शनिवार की शाम को मेरी पत्नी की जांच करने वाले डॉक्टर ने कहा था कि उन्हें इलाज के लिए भर्ती किया जाएगा। लेकिन डॉक्टर के अस्पताल से जाने के बाद अस्पताल में अन्य लोगों के रवैये में अचानक बदलाव आ गया। वे टालमटोल करने लगे। फिर, उन्होंने मुझे बताया कि मेरी पत्नी को भर्ती नहीं किया जा सकता क्योंकि राज्य सरकार की ओर से उन पर कुछ दबाव है। पीड़िता के पिता ने यह भी बताया कि जब उन्होंने डॉक्टर से संपर्क किया, तो उन्होंने कहा कि वे भर्ती के मामले पर विस्तार से बात नहीं कर पाएंगे। पीड़िता के पिता ने कहा कि हालांकि, उन्होंने मुझे आश्वस्त किया कि उन्हें दी गई दवाएं उन्हें ठीक करने के लिए पर्याप्त होंगी। पीड़िता के पिता ने बताया कि शनिवार की शाम को जब उनकी पत्नी को अस्पताल ले जाया गया, तो डॉक्टर ने सलाह दी थी कि मरीज को कम से कम दो दिन अस्पताल में रहना होगा। रविवार की दोपहर को, पीड़िता की मां को अस्पताल के अधिकारियों ने 'छुट्टी' दे दी, जिन्हें रातभर अस्पताल में रहने की अनुमति दी गई थी।

राज्य भाजपा दो साल बाद फिर से बड़े स्तर पर दुर्गा पूजा के आयोजन की तैयारी में, खूंटी पूजा संपन्न

❑ 2020 में पहली बार भाजपा ने ईस्टर्न जोनल कल्चरल सेंटर में की थी दुर्गा पूजा की शुरुआत

❑ बीच में अंदरूनी कारणों से 2022 व 2023 में पार्टी ने नहीं किया पूजा का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस द्वारा बंगाली अस्मिता के मुद्दे को जोर-शोर से उठाए जाने के बीच राज्य में मुख्य विपक्षी भाजपा भी बंगाली संस्कृति पर जोर दे रही है। इसी कड़ी में, प्रदेश भाजपा का सांस्कृतिक प्रकोष्ठ दो साल बाद इस बार फिर से कोलकाता के ईस्टर्न जोनल कल्चरल सेंटर (ईजेडसीसी) में बड़े स्तर पर दुर्गा पूजा के आयोजन की तैयारी में है। दुर्गा पूजा के लिए रविवार को प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य की उपस्थिति में खूंटी पूजा की रस्म पूरी की गईं। मालूम हो कि 2019 के लोकसभा चुनाव में बंगाल में पार्टी को मिली बंपर जीत के बाद मुकुल राय की सलाह पर भाजपा ने पहली बार 2020 में ईस्टर्न जोनल कल्चरल सेंटर में दुर्गा पूजा की शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इस पूजा का उद्घाटन किया था। उस समय कहा गया था भाजपा के दुर्गा पूजा के आयोजन के पीछे 2021 का विधानसभा चुनाव एक प्रमुख कारण था। प्रदेश भाजपा ने शुरुआत में दो- तीन साल तक बड़े धूमधाम से ईजेडसीसी में दुर्गा पूजा का आयोजन किया। हालांकि, बीच में अंदरूनी कारणों से 2022 व 2023 में पूजा का आयोजन नहीं किया गया। पिछले साल छोटे स्तर पर पूजा का आयोजन किया गया। हाल में प्रदेश भाजपा नेतृत्व में परिवर्तन और शमिक भट्टाचार्य के राज्य इकाई के अध्यक्ष बनने के बाद अब इस साल ईजेडसीसी में दुर्गा पूजा की पुरानी रौनक फिर से लौट रही है।

Name Change

I Rishab rakhecha,son of binod kumar rakhecha residing at 15/16 rameshwar malia lane 5th floor Howrah-711101, do hereby solemnly affirm and declare that rishab jain nd rishab rakhecha both indicating and refering myself as same and one identical person via affidavit before the ld judicial magistrate 1st class at kolkata, August 2025

भूमि संबंधी समस्या के कारण रेलवे बंगाल में 60 से अधिक परियोजनाएं पूरी नहीं कर पा रहा : सुकांत मजूमदार

❑ केंद्रीय मंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सम्मान में सियालदह स्टेशन का नाम बदलने का प्रस्ताव रखा

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने रविवार को दावा किया कि भूमि उपलब्धता के मुद्दों के कारण रेलवे पश्चिम बंगाल में 60 से अधिक परियोजनाओं को पूरा करने में असमर्थ है। यह भी सुझाव दिया कि पश्चिम बंगाल सरकार व्यस्त सियालदह रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सियालदह टर्मिनल स्टेशन करने की सिफारिश करे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस प्रस्ताव को मंज़ूरी दे देगी। उन्होंने सियालदह रेलवे स्टेशन पर एक वातानुकूलित ईएमयू ट्रेन सेवा का उद्घाटन करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि धन की कोई कमी नहीं है, लेकिन रेलवे भूमि उपलब्धता के मुद्दों के कारण पश्चिम बंगाल में 60 से अधिक परियोजनाओं को पूरा और चालू करने में असमर्थ है। उन्होंने कहा कि रेलवे इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए आवश्यक धन उपलब्ध कराएगा। मजूमदार ने कहा कि हम चाहते हैं कि पश्चिम बंगाल सरकार राजनीति से ऊपर उठकर इनके लिए जमीन उपलब्ध कराए, क्योंकि यह राज्य के 10 करोड़ लोगों के हित से जुड़ा है। यह राज्य के विकास के बारे में है। मजूमदार ने पश्चिम बंगाल सरकार से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सम्मान में सियालदह रेलवे स्टेशन का नाम बदलने का प्रस्ताव भेजने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से केंद्र सरकार से स्टेशन का नाम बदलकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सियालदह टर्मिनस करने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दिलाएंगे।

दमदम स्टेशन पर सुकांत मजूमदार के दौरे के दौरान भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ताओं में हाथापाई

केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार के रविवार को दमदम रेलवे स्टेशन के दौरे के दौरान तृणमूल कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई हो गई। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मजूमदार एक आधिकारिक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद स्टेशन परिसर से बाहर निकल रहे थे, तभी तृणमूल कांग्रेस के 100 से अधिक सदस्य एकत्र हो गए और 'वापस जाओ' के नारे लगाने लगे। भाजपा समर्थकों ने जब 'जय श्री राम' के नारे लगाए और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की, तो दोनों पक्षों के बीच बहस हाथापाई में बदल गई। मौके पर मौजूद पुलिस और आरपीएफ कर्मियों ने स्थिति को नियंत्रण में किया। मजूमदार ने कहा कि यह केंद्र सरकार का कार्यक्रम था और धीरे-धीरे अपने पैरों तले जमीन खिसकने से हताश टीएमसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा समर्थकों को डराने-धमकाने की कोशिश की। टीएमसी की भय पैदा करने की चालें अब और नहीं चलेंगी। टीएमसी सदस्य शंख बनर्जी ने दावा किया कि हम भाजपा के बंगाली विरोधी रवैये और मजूमदार जैसे नेताओं की चुप्पी का विरोध कर रहे थे। जब मजूमदार जा रहे थे, तब हमने नारे लगाए। वह अचानक वापस आए और आरपीएफ से हमें पीटने को कहा। लोगों के सामूहिक विरोध को देखते हुए, भाजपा कार्यकर्ता पीछे हट गए।

कोलकाता एयरपोर्ट के पास चलती बस में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता एयरपोर्ट के पास रविवार को बारासात से गड़िया रूट पर जा रही एक सरकारी एसी बस में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। उस दौरान बस में करीब 25 से 30 यात्री सवार थे। अचानक लगी आग ने यात्रियों में भारी डर और अफरा-तफरी मचा दी। बस चालक ने तुरंत बस को रोककर सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने का आदेश दिया। इससे बड़ी दुर्घटना टल गई। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां तेजी से मौके पर पहुंचीं और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। हालांकि, आग ने बस को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। दमकल अधिकारियों ने बताया कि बस में लगी आग की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन प्रारंभिक अनुमान शॉर्ट सर्किट को बताया जा रहा है। पुलिस और दमकल विभाग घटना की गहन जांच कर रहे हैं। फिलहाल, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इस मामले की जांच जारी है।

IN THE HIGH COURT OF JHARKHAND, RANCHI

(Civil Appellate Jurisdiction)
C.O. No. 37/2021
In
M.A. No. 338/2017
(Arising Out of Award dated 10 3 2017, nassed in Claim Case No. 8/2012, by learned District & Sessions Judge -I, cun Moto: Vehicle Accident Claims Tribunal, Koderma)

Ankur Sharma --------
Claimant/Petitioner
V/s
Gurvir Singh Sangha & Anr---Opposite Parties/ Opposite Parties

Notice for appearance of Opposite Party No.1,

Gurvir Singh Sangha, s/o Gurdip Sangha Partner of Sangha Goods Carrier, Resident of 53/2, Shambhu Nath Pandit, Street, Kolkatta - 700025
(Owner of Vehicle No. NL 01 K -1047)

Whereas it has not been possible to secure service of notice issued upon you in the above mentioned Cross-Objection at the address mentioned above. You are hereby directed to ensure your appearance in person or through your Advocate on the next date fixed i.e. on 06.08.2025 to showcause as to why the prayer in the instant Cross Objection be not allowed or any order be passed by the Hon'ble Court, which it deems fit and proper.

Given under My Hand and Seal of this Court this Day of 7th July 202-5

By Order of the court
Assistant Registrar

आरजी कर पीड़िता की न्याय की मांग पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने साल्टलेक में किया सड़क अवरोध

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को साल्टलेक क्षेत्र में कुछ समय के लिए सड़कें अवरुद्ध कीं। उन्होंने एक दिन पहले राज्य सचिवालय 'नबान्न' तक मार्च निकाले जाने के दौरान पुलिस की कथित ज्यादतियों के खिलाफ विरोध जताने के लिए यह कदम उठाया और आरजी कर अस्पताल की पीड़िता के लिए न्याय की मांग की। इस दिन, दोपहर करीब 2 बजे भाजपा के लगभग 50 कार्यकर्ताओं ने अचानक विप्रो कार्यालय-विश्व बांग्ला सरणी क्रॉसिंग पर धरना शुरू कर दिया। उनके हाथों में 'छी-छी' के नारे लिखी तख्तियां थीं और वे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। हालांकि, बिधाननगर पुलिस आयुक्तालय के एक अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को घटनास्थल से हटा दिया गया और उन्हें पुलिस वैन में भरकर दूसरे स्थान पर ले जाया गया। उन्होंने कहा कि इस दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। भाजपा युवा मोर्चा के एक प्रवक्ता ने धरना स्थल से हटाए जाने के दौरान कहा कि हम अपनी बहन के लिए न्याय की मांग करने आए हैं, जिसकी पिछले साल नौ अगस्त को आरजी कर अस्पताल में ड्यूटी के दौरान बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। हम ममता बनर्जी सरकार के इस बड़ी साजिश में शामिल लोगों को बचाने के प्रयास का भी विरोध कर रहे हैं। प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि राज्य पुलिस हमारी बहनों को सुरक्षा प्रदान करने और अपराधियों को गिरफ्तार करने में विफल रही है। उन्होंने महिलाओं के खिलाफ अन्याय और अपराध के विरोध में सड़कों पर उतरे शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया।

राज्य में आठ हजार से अधिक डाक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की होगी भर्ती

कोलकाता, समाज्ञा : एक बार फिर डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ममता बरसी है। अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने आठ हजार से अधिक डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की नियुक्ति की करने का फैसला किया है। इस भर्ती की जिम्मेदारी वेस्ट बंगाल हेल्थ रिक्रूटमेंट बोर्ड को सौंपी गई है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, एक हजार 848 पद डॉक्टरों के लिए होंगे। इनमें एक हजार 227 पद जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर और 621 पद स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के लिए हैं। इन स्पेशलिस्ट पदों में 47 असिस्टेंट प्रोफेसर के पद भी शामिल हैं। नर्सों के लिए कुल 5,018 पद निकाले गए हैं, जिनमें बेसिक बीएससी नर्सिंग के दो हजार 330, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग के 252, महिला जीएनएम के 2,092 और पुरुष जीएनएम के 344 पद हैं। इसके अलावा, 600 से अधिक मेडिकल टेक्नोलॉजिस्ट, 350 फार्मासिस्ट और 31 रेडियोफिजिसिस्ट की नियुक्ति की जाएगी। साथ ही, ऑडियोलॉजिस्ट, स्पीच पाथोलॉजिस्ट, फैसिलिटी मैनेजर, फार्मेसी कॉलेज, ड्रग लैब और नर्सिंग कॉलेजों के शिक्षकों के पद भी भरे जाएंगे। स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के लिए एमडी या एमएस की डिग्री अनिवार्य होगी, जबकि कुछ पदों के लिए डीएम या एमसीएच जैसी सुपर स्पेशलाइजेशन डिग्री जरूरी होगी। असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों में सबसे ज्यादा रिक्तियां जनरल मेडिसिन (48), एनेस्थेसियोलॉजी (47) और जनरल सर्जरी (43) में हैं। ऑनलाइन आवेदन 13 अगस्त से शुरू होकर 3 सितंबर दोपहर 2 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन के साथ शैक्षणिक योग्यता, अनुभव और अन्य आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। राज्य सरकार का कहना है कि इस भर्ती से जिला और ग्रामीण अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के साथ साथ मेडिकल कॉलेजों में शिक्षकों की कमी भी दूर होगी।

युवा तृणमूल कांग्रेस ने दो दिवसीय दिया धरना

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवाह्न पर प्रदेश युवा तृणमूल कांग्रेस के द्वारा गांधी मूर्ति के पास जिस प्रकार बंगला भाषा के ऊपर जो विरोध किया जा रहा है चारों तरफ बीजेपी सरकार द्वारा उसी के प्रतिवाद में एवं बंगाली भाइयों के ऊपर जो गलत व्यवहार किया जा रहा है उसके प्रतिवाद में धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम कल और आज किया गया। उत्तर कोलकाता जिला तृणमूल युवा कांग्रेस के सभापति शांति रंजन कुंडू के निर्देश पर तृणमूल कर्मी वार्ड 42 तृणमूल युवा कांग्रेस के सभापति दीपक निगानिया, मोहम्मद जमालुद्दीन, अनिल मिश्रा, लालू मिश्रा, सुरेन्द्र सिंह, दीपक सिंह, कृष्ण श्रीवास्तव, नवल मंडल सहित तमाम तृणमूल कर्मी शामिल हुए।

Press Notice

e-Tender is hereby invited by the Executive Officer, Barabazar Panchayat Samity, Dist-Purulia vide **Nlet no. 01/BDO/BZR of 2025-26/SI no. 01 to SI no. 2 dated 08.08.2025** for 02 nos. scheme bearing **Tender Id : 2025_DM_889111_1, 2** under **SDS 25-26** fund. Online bid submission commences on and from **09.08.2025 at 11.00 Hours** (As per server clock) and will be end on **23.08.2025 at 11.00 Hours** (As per server clock). Necessary details for online bidding will be available in the website **wbtenders.gov.in**

Sd/-
Block Development Officer
Barabazar Development Block

आईआईएसईआर ने पीएचडी छात्र की अप्राकृतिक मौत के मामले में जांच के लिए समिति की गठित

कोलकाता, समाज्ञा

कोलकाता में स्थित भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) ने पीएचडी छात्र अनामतिरा रॉय (24) की अप्राकृतिक मौत के पीछे की परिस्थितियों की जांच के लिए एक तथ्यान्वेषी समिति का गठन किया है। संस्थान के प्रवक्ता ने रविवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि नदिया जिले के हरिन्घाटा परिसर के जीवन विज्ञान शोधकर्ता रॉय की शुक्रवार की सुबह कल्याणी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में

मौत हो गई। वह परिसर में बीमार हो गए थे। अधिकारी ने अस्पताल की प्रारंभिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि दवा का 'ओवरडोज' उनकी मौत का कारण बना। आईआईएसईआर के एक प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि संस्थान ने मौत के कारणों का पता लगाने के लिए शुक्रवार को एक तथ्यान्वेषी समिति का गठन किया था। प्रवक्ता ने कहा कि हम सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। समिति उनके माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ-साथ उनके सहपाठियों से भी बात कर रही है। हम उनके सोशल मीडिया पोस्ट की भी जांच कर रहे हैं। हम पुलिस के साथ सहयोग करेंगे। प्रवक्ता ने कहा कि पीड़ित द्वारा लगाए गए आरोपों पर पूरी गंभीरता से विचार किया जा रहा है तथा समिति शीघ्र ही अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

॥ भावभीनी श्रद्धांजलि ॥

श्याम प्रभु के भक्त, प्रिय मित्र
श्री राजेन्द्र गोयनका (राजू)
के आकस्मिक स्वर्गवास से हम सभी मित्रगण अत्यंत मर्माहत हैं।
ईश्वर दिवंगत आत्मा को शान्ति एवम् शोकाकुल परिवार को धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करे।
-:: श्रद्धावनत् ::-
बसन्त (झबरू) दुजारी, दीपू विद्यासरिया एवं मित्रगण

www.samagya.in
विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | www samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

सियालदह और राणाघाट मार्ग पर पहली बार एसी एयर-कंडीशंड ईएमयू ट्रेन सेवा का शुभारंभ

❑ **आधुनिक सुविधाओं से लैस इस सेवा से यात्रियों को मिलेगी आरामदायक यात्रा**

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल के उपनगरीय यात्रियों के लिए बड़ी सौगात मिली है। रविवार को सियालदह और राणाघाट के बीच पहली बार एयर-कंडीशंड ईएमयू (इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) ट्रेन सेवा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सुकांत मजूमदार, राज्य मंत्री, शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास, और शांतनु ठाकुर, राज्य मंत्री, बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। सांसद समीक भट्टाचार्य और जगन्नाथ सरकार सहित पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर, डीआरएम (सियालदह) राजीव सक्सेना और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर ने बताया कि यह सेवा पूर्वी भारत की पहली ऐसी एयर-कंडीशंड लोकल है, जो सुबह-शाम के पीक घंटे में चलेगी और यात्रियों को आरामदायक यात्रा प्रदान करेगी। सांसद जगन्नाथ सरकार ने यात्रियों से मासिक टिकट लेने और सेवा का समर्थन करने का आग्रह किया, ताकि भविष्य में ऐसी और ट्रेनें चलाई जा सकें।

सांसद समीक भट्टाचार्य ने केंद्र सरकार के रेलवे नेटवर्क के व्यापक विकास पर प्रकाश डाला। वहीं, राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का आभार जताया। सुकांत मजूमदार ने रेलवे के विकास और स्थानीय कारीगरों को समर्थन देने वाली पहलों का उल्लेख किया। 12 कोच वाली यह एसी ईएमयू ट्रेन अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। हर डिब्बे में दो 15-टन की कूलिंग यूनिट, डबल-सील्ड ग्लास विंडो, स्टेनलेस स्टील सीटें, इलेक्ट्रिक स्लाइडिंग दरवाजे, हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे और महिला यात्रियों के लिए विशेष डिब्बे हैं। जीपीएस आधारित सूचना प्रणाली व इमरजेंसी अलार्म जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह सेवा 11 अगस्त यानी आज से नियमित चलेगी।

सुबह राणाघाट से 8:29 बजे प्रस्थान कर 10:10 बजे सियालदह पहुंचेगी, वहीं शाम को सियालदह से 6:50 बजे चलकर 8:32 बजे राणाघाट पहुंचेगी। ट्रेन का किराया 35 से 120 तक रखा गया है।

कोलकाता मेट्रो में आज से बढ़ेंगी ग्रीन और पर्पल लाइन पर सेवाएं

कोलकाता, समाज्ञा

कोलकाता में मेट्रो यात्रियों के लिए सोमवार यानी आज से ग्रीन लाइन-1, ग्रीन लाइन-2 और पर्पल लाइन की मेट्रो सेवाओं में वृद्धि की जाएगी। यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए मेट्रो रेल प्राधिकरण ने इन तीनों लाइनों पर सेवा संख्या और सेवा समय बढ़ाने का निर्णय लिया है। ग्रीन लाइन-1 पर अब कुल 108 सेवाएं (54 अप + 54 डाउन) संचालित होंगी, जबकि वर्तमान में सोमवार से शनिवार तक 106 सेवाएं (53 अप + 53 डाउन) उपलब्ध रही। इस लाइन पर सेवा का समय सुबह 6:35 बजे से रात 10 बजे तक होगा, जो पहले 6:55 बजे से शुरू होता था। पहली सेवा सियालदह से सॉल्ट लेक सेक्टर पांच के लिए सुबह 6:35 बजे प्रस्थान करेगी और अंतिम सेवा सियालदह से रात 9:35 बजे चलेगी, जबकि रविवार को कोई सेवा नहीं होगी।

ग्रीन लाइन-2 पर कुल 134 सेवाएं (67 अप + 67 डाउन) संचालित होंगी, जो वर्तमान में सोमवार से शनिवार तक 130 सेवाएं (65 अप + 65 डाउन) रही। इस लाइन की सेवा सुबह 6:30 बजे से रात 9:53 बजे तक रहेगी, जो पहले सुबह 7 बजे से शुरू होती थी। यहां पहली सेवा हावड़ा मैदान से एसप्लेनेड तक सुबह 6:30 बजे चलेगी और रविवार को भी सामान्य सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

पर्पल लाइन पर कुल 80 सेवाएं (40 अप + 40 डाउन) संचालित होंगी, जो वर्तमान में सोमवार से शुक्रवार तक 72 सेवाएं (36 अप + 36 डाउन) रही। सेवा का समय सुबह 6:50 बजे से रात 9:14 बजे तक होगा, जो पहले सुबह 7:57 बजे से शुरू होती थी। पहली सेवा जोका से माझेरहाट सुबह 6:50 बजे प्रस्थान करेगी, लेकिन शनिवार और रविवार को इस लाइन पर कोई सेवा नहीं रहेगी। इस सेवा विस्तार से यात्रियों को बेहतर सुविधा और अधिक विकल्प मिलेंगे, जिससे दैनिक आवागमन और भी सुगम और सुविधाजनक होगा।

जवान की करंट लगने से मौत

दक्षिण दिनाजपुर

जिले के कुमारगंज प्रखंड में भारत-बांग्लादेश सीमा पर एक बीएसएफ जवान की करंट लगने से मौत हो गई। जवान स्वप्निल सुभाष सोनवणे (39) को लाइट जलाने की कोशिश करते समय बिजली का झटका लगा। वह वहीं गिर पड़े। यह घटना कुमारगंज प्रखंड के बटुन ग्राम पंचायत में माधबपुर सीमा चौकी के दोलाकुरी में शनिवार रात हुई। सुभाष महाराष्ट्र के धुले के रहने चाले हैं। वह बीएसएफ की 57वीं बटालियन में इलेक्ट्रीशियन के पद पर कार्यरत थे। सूत्रों के अनुसार, शनिवार को डोलाकुरी में कई लाइटें काम नहीं कर रही थीं। खबर मिलने पर वह वहाँ गए। वहां काम करते समय सिपाही को करंट लग गया।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी शेयर करने वाले युवक की साइबर क्राइम टीम ने की गिरफ्तारी

नदिया : सोशल मीडिया पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी वीडियो शेयर करने के आरोप में तेहट्ट थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी पश्चिम बंगाल साइबर क्राइम विंग के सहयोग से की गई है। गिरफ्तार युवक का नाम रंजीत हलदार है, जो तेहट्ट के दत्तपाड़ा इलाके का निवासी है। जानकारी के अनुसार, आरोपी रंजीत हलदार एक व्हाट्सएप ग्रुप में चाइल्ड पोर्नोग्राफी के वीडियो साझा करता था और अपने मोबाइल फोन में भी इन्हें संग्रहित करता था। पश्चिम बंगाल साइबर क्राइम विंग की टीम ने इस गतिविधि पर गुप्त निगरानी रखी हुई थी। जब इस मामले की जानकारी मिली, तब उन्होंने आरोपी के मोबाइल नंबर के आधार पर उसकी पहचान की। इसके बाद बीती रात तेहट्ट थाना पुलिस और साइबर क्राइम विभाग की टीम ने मिलकर छापेमारी कर रंजीत को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को रविवार को तेहट्ट महकमा अदालत में पेश किया गया, जहां पुलिस ने उसकी हिरासत में रखने की मांग की है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर ग्रुप के अन्य सदस्यों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

गंगासागर में नेत्र हीन मां और दिव्यांग बेटे को मिला प्रशासनिक सहारा

कोलकाता : प्राकृतिक आपदा में मिट्टी का घर ढह जाने से सिर छुपाने की भी जगह नहीं बची थी। गंगासागर की 75 वर्षीय नेत्र हीन वृद्धा छबी बारिक अपने दिव्यांग बेटे जयदेव बारिक के साथ किसी तरह रसोईघर में रह रही थीं। परिवार का गुजारा केवल जयदेव की विकलांगता पेंशन से चल रहा था। जयदेव ठीक से चल-फिर नहीं सकते और उनकी मां पूरी तरह दृष्टिहीन हैं। दोनों एक-दूसरे का सहारा बनकर जीवन की कठिनाइयों से लड़ते रहे।

गंगासागर ग्राम पंचायत के विष्णुपुर इलाके में इनका छोटा सा मिट्टी का घर प्राकृतिक आपदा में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मजबूर होकर मां-बेटे को बगल के रसोईघर में शरण लेनी पड़ी। बीते मंगलवार को कई समाचार माध्यमों ने इस परिवार की दयनीय स्थिति को उजागर किया। खबर गंगासागर ग्राम पंचायत और सागर बीडीओ कनैया कुमार राव तक पहुंचाई गई। प्रशासन ने सहायता का आश्वासन दिया।

इसके बाद सागर ब्लॉक प्रशासन की ओर से परिवार को तिरपाल, बांस, छप्पर, बर्तन, रसोई के सामान और कुछ कपड़े प्रदान किए गए। मौके पर गंगासागर ग्राम पंचायत के उपप्रधान हरिपद मंडल और प्रधान अंजलि सिंह मौजूद थे। उपप्रधान ने कहा कि वे इस परिवार के साथ खड़े रहेंगे और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रेरणा से बांग्लार बाड़ी परियोजना के तहत इनके लिए नया घर बनवाने की व्यवस्था करेंगे।

प्रशासनिक मदद पाकर यह गरीब परिवार बेहद खुश है।

'एसआइआर को लेकर जल्दबाजी न दिखाएं चुनाव आयोग', अमर्त्य सेन ने दी सलाह

बीरभूम : नोबेल पदक जयी अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर आगाह किया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को सही तरीके से तैयार करना अच्छी प्रक्रिया हो सकती है लेकिन इसमें जल्दबाजी किए जाने पर भारी भूल होने की आशंका है, जिससे देश के गरीब व सीमांत वर्ग का मताधिकार छीन लेने जैसी परिस्थिति उत्पन्न हो सकती है। कारण, उनके लिए चुनाव आयोग के पास जल्दी दस्तावेज जमा करा पाना कठिन होगा। मतदाता सूची में संशोधन में जल्दबाजी करने से अगर और गलतियां हो गईं तो इसका बहुत बुरा परिणाम हो सकता है। पर्याप्त समय व पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ यह काम किए जाने की जरुरत है। सेन ने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट को पूरी प्रक्रिया पर निगरानी रखनी चाहिए ताकि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा की जा सके।

एनसीसी कैडेटों ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ जवानों के साथ मनाया रक्षाबंधन

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के सुरेंद्रनाथ कालेज, 2 बंगाल बटालियन एनसीसी के कैडेटों ने अपने कमांडिंग आफिसर (सीओ) कर्नल अविजित दास और एएनओ लेफ्टिनेंट डा बीभा समाद्दार के नेतृत्व में शनिवार को उत्तर 24 परगना जिले के पेट्रापोल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ जवानों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। लगभग 200 किलोमीटर की यात्रा करके एनसीसी कैडेट्स अपने अधिकारियों के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पहुंचे और बीएसएफ की पांचवीं वाहिनी के जवानों व अधिकारियों को राखी बांधकर उनका सम्मान किया। 2 बटालियन एनसीसी के सीओ कर्नल अविजित दास ने कहा कि यह पहल हमारे उन बहादुर राष्ट्र प्रहरियों का सम्मान है जो विभिन्न उत्सवों का त्याग कर अपने परिवार से दूर सीमाओं की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। 2 एन-सीसी बटालियन की एएनओ लेफ्टिनेंट डा बीभा समाद्दार ने कहा कि आज का उत्सव एक त्योहार से कहीं बढ़कर था और यह उन बहादुर सैनिकों को हार्दिक सलाम है जो हमारे लिए हर त्योहार को सुरक्षित बनाते हैं। रक्षाबंधन के इस कार्यक्रम के दौरान सीमा पर उत्सव जैसा नजारा दिखा।

पूर्व मेदिनीपुर में लॉरी ने चार दुकानों को कुचला, दो शव निकाले गए

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के पांशकुड़ा इलाके में शनिवार की रात एक बेकाबू तेज रफ़्तार लॉरी ने सड़क किनारे स्थित चार दुकानों को कुचल दिया। घटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-6 के सिद्ध बाजार इलाके की है। मिली जानकारी के अनुसार, अब तक दो शव बरामद किए जा चुके हैं। इस घटना में सात से आठ लोगों के मारे जाने की आशंका है। दुर्घटनाग्रस्त लॉरी को क्रेन की मदद से से हटाया गया। सूत्रों के अनुसार, सिद्ध बाज़ार के पास एक लॉरी ने एक स्टेशनरी की दुकान, एक पान और एक मिठाई की दुकान को कुचल दिया। अनुमान है कि ड्राइवर नशे में था और गति पर नियंत्रण नहीं रख सका। आशंका है कि उन दुकानों में मौजूद सभी लोग मारे गए होंगे। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। क्रेन से घातक लॉरी को हटाकर बचाव कार्य तेज़ी से शुरू हुआ। वहां से दो लोगों के शव बरामद किए गए। मलबे से और शवों के बरामद होने की आशंका है।

मोंटेश्वर में टीएमसी गुटों की हिंसक झड़प, 2 कार्यकर्ता घायल

पूर्व बर्दवान : जिले में तृणमूल कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी सामने आई है। टीएमसी के दो गुटों में हुई हिंसक झड़प में पार्टी के दो कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें बर्दवान मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह झड़प मोंटेश्वर के इसना गांव में हुई, जहां राज्य के मंत्री एवं मोंटेश्वर के विधायक सिद्दीकुल्लाह चौधरी और पूर्व बर्दवान टीएमसी जिला अध्यक्ष एवं कटवा के विधायक रवींद्रनाथ चटर्जी के गुटों के बीच पुराना टकराव और गहरा हो गया। इसके साथ ही मोंटेश्वर पंचायत समिति के अध्यक्ष और मंत्री के समर्थकों के बीच लंबे समय से जारी संघर्ष भी फिर भड़क उठा। पुलिस के मुताबिक, शनिवार की रात इसना गांव में दोनों गुटों में टकराव हुआ। झड़प में घायल लोगों में लालोन शेख (मोंटेश्वर पंचायत समिति के फूड ऑफिसर और मंत्री सिद्दीकुल्लाह चौधरी के करीबी) और सबीर खान (पंचायत समिति अध्यक्ष शेख अहमद हुसैन के सहयोगी) शामिल हैं। रविवार को मंत्री सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने अस्पताल जाकर लालोन शेख से मुलाकात की और कहा कि अगर पुलिस समय पर न पहुंचती, तो लालोन शेख की जान चली जाती। पंचायत समिति अध्यक्ष शेख अहमद हुसैन इस हमले के जिम्मेदार हैं। मंत्री ने आरोप लगाया कि जिला अध्यक्ष रवींद्रनाथ चटर्जी ही अहमद हुसैन जैसे लोगों को राजनीतिक संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले के संरक्षक होने के नाते रवींद्रनाथ चटर्जी को इन मामलों पर ध्यान देना चाहिए, लेकिन वे चुप हैं। जब रवींद्रनाथ चटर्जी से मंत्री के आरोपों पर प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने क्या कहा है। मुझे इस पर कुछ नहीं कहना है।

घाटाल में ट्यूटर के साथ छेड़खानी, पिटाई

पश्चिम मेदिनीपुर : अपने बच्चों के ट्यूटर को अकेला पाकर एक व्यक्ति ने उसके साथ छेड़छाड़ की। शिक्षिका के चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उस व्यक्ति की जमकर पिटाई कर दी। यह घटना पश्चिम मेदिनीपुर के घाटाल स्थित दासपुर थाना क्षेत्र में घटी। पीड़िता ने थाने में आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जिसके बाद दासपुर थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पड़ोसी गाँव की एक ट्यूटर रोज़ाना की तरह दो बच्चों को पढ़ाने एक घर आई थी। घर की मालकिन घर पर नहीं थी। आरोप है कि उसी दौरान दोनों बच्चों के अभिभावक और घर के मालिक ने ट्यूटर के साथ बदसलूकी की। इलाके के एक निवासी के मुताबिक, ट्यूटर घर के दोनों नाबालिगों को लगभग 4 साल से पढ़ा रही है। दोनों बच्चा की माँ मंदिर गई थी। इसी दौरान बच्चों के पितो ने शिक्षिका के साथ बदसलूकी की।

यंग बॉयज क्लब की दुर्गा पूजा में इस बार गूंजेगा भारत के ऑपरेशन सिंदूर का गौरव

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के वार्ड 43 स्थित यंग बॉयज क्लब इस वर्ष अपनी दुर्गा पूजा की थीम ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित कर रहा है। 56 वर्षों से दुर्गा पूजा का आयोजन कर रहे इस क्लब ने रविवार को पारंपरिक खूटी पूजा के साथ मंडप निर्माण की शुरुआत की। पूजा उद्यमी विक्रांत सिंह ने बताया कि क्लब हर साल अलग-अलग थीम पर पूजा करता है, लेकिन इस बार भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान पर किए गए सफल ऑपरेशन सिंदूर से प्रेरित होकर इसे थीम बनाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि यह थीम भारतीय सैनिकों, सेना के जवानों और भारत सरकार के प्रति सम्मान व्यक्त करने का प्रयास है। रविवार सुबह से ही क्लब के सदस्य मंडप में एकत्र होकर पूजा में सम्मिलित हुए और उत्साहपूर्वक मंडप निर्माण की प्रक्रिया शुरू की। विक्रांत सिंह ने कहा कि दुर्गा पूजा केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि एक विशेष भावना और ऊर्जा का प्रतीक है। आज से पूजा के प्रति एक नई भावना जागृत हुई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आकर ऑपरेशन सिंदूर की थीम को देखें, मां दुर्गा के दर्शन करें और इस विशेष पूजा का आनंद लें।

कोलकाता में अग्रवाल सम्मेलन के विस्तार पर परिचर्चा

कोलकाता : अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की एक विशेष बैठक कोलकाता के होटल हिन्दुस्तान इंटरनेशनल में हुई जिसमें सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने हिसार, हरियाणा स्थित अग्रसेन धाम की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए अग्रकुल नायक महाराजा अग्रसेन की धरती अग्रोहा धाम का अग्रवालों के जीवन में महत्व, महाराजा अग्रसेन के प्रेरणादायक विचारों की प्रासंगिकता, कोलकाता में अग्रवाल सम्मेलन के विस्तार की रणनीति, पितृ भूमि अग्रोहा के गौरवशाली इतिहास की पुनरावृत्ति एवं अग्रोहा धाम में निर्मीयमान कुलदेवी आद्य महालक्ष्मी मंदिर पर सबको जानकारी दी।

बैठक में कोलकाता के अग्रवाल समाज की तमाम विभूतियां एकत्रित हुईं जिनमें सर्वश्री ओम जालान, सत्यनारायण देवरालिया, महेंद्र अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, सुभाष मुरारका, मदन गोपाल अग्रवाल, संदीप गर्ग, संजय हरलालका, बिजय कुमार गाड़ोदिया, पवन कुमार पाटोदिया, रमेश कुमार जैन, इंदर चंद बजाज, राजेन्द्र प्रसाद सुरेका, माधवी अग्रवाल, अरुण गोयल, गोविंद पंसारी, प्रदीप संघई, दीनदयाल धनानिया, प्रदीप दारुका, प्रज्ञा झुनझुनवाला, संजय पोद्दार, श्याम बगड़िया, रमेश शोभासरिया, अशोक मेहता, बजरंग अग्रवाल, नारायण प्रसाद सरावगी अनूप झुनझुनवाला, राजेश अग्रवाल, संजय भोतिका, सुभाष जोधानी आदि प्रमुख थे।

अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुशील चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इस सार्थक परिचर्चा के लिए अग्रवाल समाज की विभूतियों को सक्रिय रहने एवं समाज कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आपसी संवाद को जारी रखने का आग्रह किया।

हावड़ा डिवीजन ने स्वच्छता अभियान के तहत स्टेशनों पर चलाया विशेष सफाई अभियान

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन ने स्वच्छता, जन-स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए रविवार को एक व्यापक सफाई अभियान चलाया। इस दिनभर चलने वाले विशेष अभियान में रेलवे कर्मचारियों के साथ स्थानीय लोगों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। सफाई कार्य हावड़ा, कटवा, रामपुरहाट, वर्दवान, आजीमगंज, अदीसमग्राम, बंडेल, बोलपुर शांतिनिकेतन, शेउराफुली और श्रीरामपुर सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करना, यात्रियों की सुविधाओं में सुधार लाना और स्टेशन परिसरों में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना रहा। यह पहल प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान के लक्ष्य के अनुरूप है, जो देश को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ बनाने की दिशा में सबसे प्रभावी राष्ट्रीय आंदोलनों में से एक है। हावड़ा डिवीजन लगातार टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने, जन-जागरूकता बढ़ाने और रेलवे ढांचे में स्वच्छता मानकों को बनाए रखने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। डिवीजन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्टेशन परिसर और उसके आस-पास थूकने, कचरा फैलाने या प्लास्टिक की बोतलें व अन्य कचरा फेंकने से बचें।

सेंट्रल बैंक के संस्थापक सोराबजी की जयंती पर स्वास्थ्य परीक्षण और रक्तदान शिविर का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के संस्थापक सोराबजी की 144वीं जयंती के अवसर पर लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता नॉर्थ ने कोलकाता मुख्यालय में एक विशेष सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से मेगा रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण और नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लायंस क्लब के सदस्य, बैंक के विभिन्न स्तरों के कर्मचारी एवं वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें आंचलिक प्रबंधक तरसेम सिंह जीरा, उप आंचलिक प्रबंधक राजकोकिल सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक सुनील कुमार, शाखा प्रमुख प्रफुल्ल बंसल सहित अन्य उच्च पदस्थ अधिकारी शामिल हुए। सभी ने उत्साहपूर्वक सेवा कार्य में योगदान दिया और सामाजिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई।

शिविर में चिकित्सा टीमों ने स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच की, जबकि 66 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज सेवा की मिसाल पेश की। लायन अनिल सरावगी, निरंजन जैन, बाबूलाल बोथरा, ओ. पी. बांगड़, पवन टांटिया, मोहनलाल अग्रवाल, एस. एस. राजपूत, एस. के. मंत्री, आलोक प्रकाश, अशोक मेहता सहित लायन बंधुओं ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ कलकत्ता नॉर्थ के अध्यक्ष लायन अनिल सरावगी ने कहा कि ऐसी पहलें सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करती हैं। शिविर के प्रायोजक सरावगी उद्योग के प्रति सभी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में लायन आर. के. गुटगुटिया, शरद सराफ, रंजन अग्रवाल, अरविन्द डागा, अनिल मिंडा, तपन गाड़ोदिया, उत्कर्ष नाहटा, के. के. पेड़ीवाल, सी. एस. बेरिया, मुकेश पारेख एवं अन्य लायन सदस्य व बैंक अधिकारी सक्रिय रूप से शामिल रहे।

मालदह डिवीजन ने स्वच्छता के लिए चलाया जोरदार अभियान, बढ़ाई सफाई और जागरूकता

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के मालदह डिवीजन ने स्वच्छता अभियान 2025 के तहत सफाई और जागरूकता के महत्वपूर्ण प्रयास तेज कर दिए हैं। यह पहल स्वच्छता, प्रभावी कूड़ा प्रबंधन और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है। इस अभियान का नेतृत्व मालदह के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने पावर हाउस रेलवे कॉलोनी एवं आस-पास के रेलवे परिसर में किया। इस कार्यक्रम के दौरान स्वच्छ भारत, कूड़ेदान का उपयोग करें, और कचरा न फैलाएं जैसे जागरूकता संदेश प्रमुख रूप से प्रदर्शित किए गए, ताकि निवासियों और यात्रियों के बीच सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित किया जा सके। इस पहल में शाखा अधिकारियों, मालदह विवेकानंद स्काउट्स ग्रुप के सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई।

अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन में हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ रक्षाबंधन का पावन त्योहार

हावड़ा : अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन के वातानुकूलित प्रांगण में भव्यता से सम्पन्न हुआ भाई-बहन के पवित्र प्रेम को एक सूत्र में पिरोनेवाला रक्षाबंधन का पावन त्योहार। कार्यक्रम का शुभारंभ सभी गणमान्यों द्वारा भगवान श्रीगणेश एवं माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की वरिष्ठ अध्यापिका पुष्पा मिश्रा द्वारा ब्रह्मकुमारी सदस्याओं का स्वागत कर किया और काकोली नाग द्वारा उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया गया। ब्रह्मकुमारी सदस्याओं द्वारा विद्यालय की शिक्षिकाओं को रक्षासूत्र बाँधकर अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इस शुभ अवसर पर विद्यालय के ऊँ शांति संस्था की ब्रह्मकुमारी दीदी, अध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल (देवरालिया), प्राचार्य सरोज कुमार श्रीवास्तव, उप-प्राचार्या काकोली नाग, वरिष्ठ विभाग की प्रधानाध्यापिका स्वाति रे, प्राथमिक विभाग के प्रधानाध्यापक दिनेश्वर ओझा, प्रशासनिक अधिकारी नैना चक्रवर्ती, कोषाधिकारी सुब्रत भट्टाचार्य, डी.एन.सिंह, अग्रसेन ब्वॉयज स्कूल के छात्र, एम. सी. के. वी. के छात्र व डॉन.बॉस्को आशालयम के छात्र अपने- अपने शिक्षक व शिक्षिकाओं के साथ उपस्थित थे। विद्यालय की छात्राएँ व अध्यापिकाएँ भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर भाई-बहन के इस पवित्र त्योहार को छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से दर्शाया गया। विद्यालय की छात्राओं के द्वारा रक्षाबंधन पर आधारित गीतों की प्रस्तुति की गई। इस कार्यक्रम के दौरान कक्षा ग्यारहवीं की छात्राओं ने विद्यालय के अध्यक्ष महोदय, प्राचार्य महोदय एवं अन्य उपस्थित गणमान्य जनों की कलाई पर रक्षासूत्र बाँधा। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने उपस्थित विद्यालयों के छात्रों की कलाई पर राखी बाँधी और उन्हें भेंट स्वरूप उपहार दिए।धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

न्यूज इन ब्रीफ

हरियाणा के झज्जर में 3.1 तीव्रता का भूकंप, कोई हताहत नहीं

झज्जर (हरियाणा): हरियाणा के झज्जर में रविवार को 3.1 तीव्रता का भूकंप का झटका आया, लेकिन इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप शाम 4:10 बजे आया, जिसका केंद्र झज्जर से 7 किलोमीटर पूर्व-उत्तरपूर्व (ईएनई) में 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। सत्रह जुलाई को रोहतक जिले से सटे इलाकों में 3.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया था, जो 10 दिनों के भीतर रोहतक-झज्जर क्षेत्र में तीसरा भूकंप था। रोहतक में आए भूकंप से पहले, झज्जर के पास 3.7 तीव्रता का भूकंप आया था। इसके अलावा झज्जर में 4.4 तीव्रता का भूकंप भी आया था, जिसके झटके राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के इलाकों में महसूस किए गए थे।

सड़क हादसे में पिता-पुत्र सहित तीन लोगों की मौत

जयपुर: राजस्थान के डूंगरपुर जिले के सदर थाना क्षेत्र में रविवार को एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे एक पिता और उसके नाबालिग बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना सदर थाना क्षेत्र के देवल गांव के पास तब हुई जब सभी छह पीड़ित एक ही बाइक पर सवार होकर रक्षाबंधन मनाकर घर लौट रहे थे। थानाधिकारी सुबोध कुमार ने बताया कि मृतकों की पहचान सुनील घोघरा (40), उनके पुत्र श्रवण (6) और निशांत (7) के रूप में हुई है। सभी मृतक डूंगरपुर जिले के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि घायलों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने कार में आग लगा दी। अधिकारी बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तालाब में डूबने से दो बच्चों सहित तीन लोगों की मौत

जयपुर: राजस्थान के राजसमंद जिले के देवगढ़ थाना क्षेत्र में रविवार सुबह तालाब में डूबने से दो चचेरे भाई-बहन सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि तालाब में पोते-पोती को डूबता देख उनकी दादी उन्हें बचाने के लिए तालाब में कूद गईं और इस दौरान तीनों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। थानाधिकारी अनिल विश्नोई ने बताया कि घटना रविवार को मंडावर ग्राम पंचायत के ढाक का थडा गांव में हुई। विश्नोई ने बताया कि मृतकों की पहचान भंवरी देवी (60) उनके पोते हिम्मतराम (11) और पोती मीना (10) के रूप में हुई है। बच्चे चचेरे भाई-बहन थे। उन्होंने बताया, भंवरी देवी बच्चों के साथ बकरियां चराने गई थी, तभी वे शील सागर तालाब में उतर गए। दोनों डूबने लगे और दादी उन्हें बचाने के लिए पानी में कूद गईं, लेकिन उन्हें भी तैरना नहीं आता था। थानाधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों ने तीनों को बाहर निकाला और देवगढ़ के सरकारी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

झारखंड में दो मालगाड़ियों के पटरी से उतरने की घटना की जांच के आदेश दिए गए

जमशेदपुर: झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में एक दिन पहले दो मालगाड़ियों के 20 डिब्बों के पटरी से उतरने की घटना की रविवार को जांच के आदेश दिए गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारी (आद्रा) विकास कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ट्रेन के पटरी से उतरने के कारणों की जांच के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में एक वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्तरीय जांच समिति गठित की गई है। दक्षिण पूर्व रेलवे आद्रा डिवीजन के अंतर्गत चांडिल स्टेशन के पास दो मालगाड़ियां पटरी से उतर गईं, जिसके कारण शनिवार को कई एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द करना पड़ा। अधिकारी ने बताया कि अप लाइन पर ट्रेन सेवाएं बहाल कर दी गई हैं, जबकि डाउन लाइन पर ट्रेन की आवाजाही आधी रात तक बहाल होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब झारखंड में चांडिल और निमडीह स्टेशन के बीच दो मालगाड़ियां विपरीत दिशाओं में एक-दूसरे को पार कर रही थीं।

गंभीर बीमारियों के इलाज में मदद करेगी राज्य सरकार : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि सरकार गंभीर बीमारियों के इलाज कराने में उनकी पूरी मदद करेगी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाने पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि वह बिना चिंता किए अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं, सरकार उनकी भरपूर आर्थिक मदद करेगी, उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी। योगी ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देशित भी किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की

आवश्यकता है, उसकी अनुमानित लागत तैयार करने की प्रक्रिया पूरी कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में एक-एक कर लोगों की समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की आवश्यकता नहीं है, हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए और पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। एक महिला की गुहार पर उन्होंने अफसरों को उक्त महिला को जमीन का पट्टा देने का निर्देश दिया।

झारखंड की 28 छात्राएं इसरो के श्रीहरिकोटा दौरे पर रवाना

जमशेदपुर : झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के विभिन्न सरकारी स्कूलों की 28 छात्राओं की एक टीम रविवार को इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा के शैक्षणिक दौरे पर रवाना हुई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि टीम सोमवार को अंतरिक्ष केंद्र की यात्रा करेगी। यहां जिला समाहरणालय में छात्राओं को विदा करते हुए पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह कार्यक्रम ग्रामीण और वंचित समुदायों के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अवसरों और संभावनाओं का पता लगाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि छात्राओं को इसरो के विभिन्न तकनीकी और अनुसंधान संबंधी कार्यों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मिलेगी तथा अंतरिक्ष विज्ञान, रॉकेट प्रक्षेपण और उपग्रह प्रौद्योगिकी के बारे में अनुभव प्राप्त होगा।

न्यूज अपडेट

नीतीश कुमार के बेटे निशांत पटना में जनसभा करेंगे

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार रविवार शाम को एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे, जिसके साथ ही उनके राजनीति में प्रवेश करने की अटकलें मजबूत हो गई हैं। रविवार शाम को होने वाले 'निशांत संवाद' की घोषणा करते पोस्टर नीतीश की अगुवाई वाली पार्टी जद (यू) के कार्यालय के आसपास देखे गए। पोस्टर के अनुसार, निशांत कुमार 'मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा शुरू की गई जन कल्याणकारी योजनाओं पर अपने विचार साझा करेंगे।'' इस साल होली के आसपास निशांत के पार्टी में आने की अटकलें तेज हो गई थीं, जब वह अपने पिता की उपलब्धियों का जिक्र करके जनता से उन्हें फिर से सत्ता में लाने के लिए वोट देने का आग्रह कर रहे थे। शहर में जगह-जगह लगे पोस्टर में निशांत को जद(यू) की 'नयी उम्मीद' बताया गया और मीडिया के एक वर्ग में आई खबरों में कहा गया था कि आगामी विधानसभा चुनावों में उन्हें हरनौत से चुनाव लड़ाने की योजना बनाई जा रही है, जिस सीट का प्रतिनिधित्व कई दशक पहले उनके पिता ने किया था।

अमेठी में विवाद के दौरान महिला ने पति का गुप्तांग काटा, हिरासत में ली गई

अमेठी: उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र में विवाद के दौरान एक महिला ने अपने पति पर धारदार हथियार से कथित रूप से हमला कर उसका गुप्तांग काट दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, जगदीशपुर थाना क्षेत्र के फैसनगंज कचनाव गांव निवासी अंसार अहमद (38) ने दो शादियां की हुई हैं और उसकी दोनों ही पत्नियों से कोई संतान नहीं है और पारिवारिक विवाद की स्थिति बनी रहती थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार रात झगड़े के दौरान अहमद की दूसरी पत्नी नाज़नीन बानो ने उसपर धारदार हथियार से हमला कर उसका गुप्तांग काट दिया। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल अहमद को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जगदीशपुर ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायबरेली रेफर कर दिया गया जहां उसका उपचार किया जा रहा है। जगदीशपुर थानाध्यक्ष राघवेंद्र ने बताया कि आरोपी नाज़नीन बानो को हिरासत में ले लिया गया है।

हिन्दू नाबालिग लड़की का धर्म परिवर्तन कराने, दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

कुशीनगर : कुशीनगर में एक हिन्दू नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने और उसका धर्म परिवर्तन कराकर दुष्कर्म करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी पुलिस के एक अधिकारी ने दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि चार अगस्त को कसया थाने में पीड़िता की मां ने सूचना दी थी कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री को शमसुद्दीन अंसारी (19) बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस सम्बन्ध में कसया थाने में एक मामला पंजीकृत किया गया था। सूत्रों ने बताया कि पुलिस टीम ने पीड़िता को सकुशल बरामद करने के साथ ही आज आरोपी शमसुद्दीन को गिरफ्तार करके उसके खिलाफ दर्ज मामले में बलात्कार और धर्म परिवर्तन के आरोप भी जोड़कर उसे जेल भेज दिया। इस संबंध में कसया थाना प्रभारी अमित कुमार शर्मा ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में पुलिस को बताया है कि वह लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ मुम्बई ले गया था। शर्मा के अनुसार आरोपी ने बताया कि वहां उसने पीड़िता का धर्म परिवर्तन कराकर दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि इसके अलावा आरोपी ने पीड़िता का नाम बदलकर रेहाना खातून कर दिया और उसी नाम से आधार कार्ड बनवा दिया।

रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा: यात्रियों की संख्या 75 लाख तक पहुंचने का अनुमान

लखनऊ: उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए राज्य सड़क परिवहन निगम (रोडवेज) की बसों में मुफ्त यात्रा की योजना ने इस साल कामयाबी का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस योजना के तहत निःशुल्क यात्रा करने वाले मुसाफिरों की संख्या रविवार आधी रात तक 75 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश सरकार ने रविवार को एक बयान में कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार ने रक्षाबंधन पर राज्य की महिलाओं को आठ से 10 अगस्त तक रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा की पेशकश करके एक तोहफा दिया है और यह सुविधा महिला के साथ आने वाले एक सह-यात्री को भी दी जा रही है। निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने बताया कि आमतौर पर बसों में हर दिन 14 से 15 लाख यात्री सफर करते हैं लेकिन रक्षाबंधन के पहले दो दिनों में ही यह संख्या 50 लाख को पार कर गई। उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन के दौरान मुफ्त यात्रा आठ अगस्त को सुबह छह बजे शुरू हुई और इस दौरान बसों में यात्रियों की खासी भीड़ देखी गई। सरवर ने बताया कि आठ अगस्त को 19.5 लाख यात्रियों ने इस मुफ्त सेवा का लाभ उठाया, जबकि नौ अगस्त को 31.7 लाख यात्रियों ने यात्रा की जो सामान्य से 210 प्रतिशत अधिक है। उनके मुताबिक, इसके बाद 10 अगस्त को दोपहर 12 बजकर 50 मिनट तक 13 लाख यात्री यात्रा कर चुके थे और आधी रात तक यह संख्या 25 लाख तक पहुंचने का अनुमान है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के पास दो ईपीआईसी कार्ड हैं: तेजस्वी

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं और उन्होंने पूछा कि सिन्हा के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। यादव ने पत्रकारों से कहा, 'विजय कुमार सिन्हा दो अलग-अलग जिलों के दो अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों से मतदाता हैं। उनका नाम उसी जिले के लखीसराय विधानसभा क्षेत्र और पटना जिले के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में भी दर्ज है।' यादव ने कहा, 'उनके पास दो अलग-अलग मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) कार्ड हैं। हैरानी की बात यह है कि यह बिहार निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद हुआ है। इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, सिन्हा को या निर्वाचन आयोग को? सिन्हा के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है? इस खुलासे के बाद वह (सिन्हा) अपने पद से कब इस्तीफा देंगे?' यादव के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए सिन्हा ने रविवार को संवाददाताओं से कहा,

'पहले मेरे और मेरे परिवार के सदस्यों के नाम बांकीपुर विधानसभा सीट पर सूचीबद्ध थे। अप्रैल 2024 में मैंने लखीसराय से अपना नाम जोड़ने के लिए आवेदन किया था। मैंने बांकीपुर से अपना और अपने परिवार के सदस्यों का नाम हटाने के लिए एक फॉर्म भी भरा था। मेरे पास सबूत हैं। किसी कारण से मेरा नाम बांकीपुर से नहीं हटाया गया और यह मसौदा मतदाता सूची में दिखाई दे रहा है। मैंने बूथ स्तर के अधिकारी को फोन किया और एक लिखित आवेदन दिया तथा बांकीपुर से अपना नाम हटाने की रसीद ली। मेरे पास दोनों दस्तावेज हैं।' सिन्हा ने कहा कि उन्होंने केवल एक ही जगह से वोट दिया है। उन्होंने कहा, 'मैं केवल एक ही जगह से वोट करता हूं। पिछली बार भी मैंने केवल एक ही जगह से वोट दिया था। जंगलराज के राजकुमार (तेजस्वी) गलत तथ्य देकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। पूरा बिहार जानता है कि वह (तेजस्वी) दूसरों की छवि खराब करने का खेल खेलते हैं। उन्हें मुझ पर झूठे आरोप लगाने के लिए माफी मांगनी चाहिए।' बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि लखीसराय विधानसभा क्षेत्र में सिन्हा का ईपीआईसी आईडी नंबर आईएएफ3939337 है और पटना जिले के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में उनका आईडी नंबर एएफएस0853341 है।

झारखंड के जमशेदपुर में जल्द ही आधुनिक अंतरराज्यीय बस अड्डा बनेगा

रांची: झारखंड के औद्योगिक शहर जमशेदपुर में आधुनिक परिवहन सुविधाओं से युक्त एक अत्याधुनिक अंतरराज्यीय बस अड्डा (आईएसबीटी) जल्द तैयार होगा। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बस अड्डे का निर्माण मानगो डिमना चौक के पास 13 एकड़ भूमि पर किया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत 145.24 करोड़ रुपये होगी। यहां जारी एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, शहरी विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने 'हाइब्रिड एन्युइटी मोड' (एचएएम) के तहत विकसित की जाने वाली इस परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस प्रस्ताव को जल्द ही प्रशासनिक अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। इसमें कहा गया है कि झारखंड शहरी अवसंरचना विकास कंपनी (जेयूआईडीसीओ) को इस परियोजना के क्रियान्वयन का काम

सौंपा गया है। इसकी रूपरेखा कर्नाटक की एक एजेंसी द्वारा तैयार की गई है। विज्ञप्ति के मुताबिक पांच मंजिला बस अड्डा भवन में दो बेसमेंट और तीन मंजिलें होंगी, जबकि वाणिज्यिक भवन में एक बेसमेंट और तीन मंजिलें होंगी। इसमें कहा गया है कि इस परिसर में 50 पार्किंग स्थल, बस स्टॉप (गंतव्य रवाना होने के लिए बस खड़ी करने के) के 23 स्थान, 300 कारों और 350 मोटरसाइकिल के लिए पार्किंग स्थल, जल संसाधन विभाग के लिए एक कार्यालय और गोदाम, जलमल शोधन संयंत्र एवं अन्य व्यवस्थाएं होंगीं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रथम तल पर 80 सीट वाला वातानुकूलित प्रतीक्षालय, यात्रियों के सोने के लिए 120 बिस्तरों वाला कमरा, चालकों के सोने के लिए 60 बिस्तरों वाला कमरा, एक फूड कोर्ट, दुकानें, एक सुरक्षा कार्यालय, एक यात्रा प्रशासन कार्यालय एवं शौचालय होंगे।

ड्रोन की अफवाहों से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में दहशत, रातभर जगकर दे रहे पहरा

लखनऊ: पीलीभीत जिले की तहसील पूरनपुर में 45 वर्षीय भूरे सिंह को इन दिनों अपनी साइकिल पर टॉर्च बांधकर और हाथ में एक मोटी लाठी लेकर रात के समय पहरा देना पड़ता है। ड्रोन की अफवाहों के मद्देनजर ग्रामीणों ने हफ्ते पहले ही उन्हें गांव के ''आसमान की पहरेदारी'' का काम दिया है। भूरे ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''लोग कहते हैं कि बदमाश चोरी-डकैती की साजिश रचने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। चाहे यह सच हो या झूठ, हम कोई जोखिम नहीं उठा सकते।' यह हाल सिर्फ अकेले पीलीभीत का नहीं है, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कम से कम 12 जिलों के 300 से अधिक गांवों में ड्रोन की अफवाहों से लोग दहशत में जीने को मजबूर हैं। जुलाई के मध्य से यहां के ग्रामीण इलाकों का सन्नाटा अब पत्तों की सरसराहट या झींगुरों की भिनभिनाहट से नहीं, बल्कि अचानक 'ड्रोन चोर'' की चीखों से टूटता है। इस स्थिति को देखते हुए ही ग्रामीणों ने रात के समय पहरा देना शुरू कर दिया गया है। जैसे-जैसे दहशत बढ़ी, राज्य सरकार का ध्यान भी इस ओर गया। पिछले सप्ताह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय कानून-व्यवस्था समीक्षा बैठक में इस मामले को उठाया गया। मुख्यमंत्री ने अफवाहें फैलाने वालों या बिना अनुमति के ड्रोन का इस्तेमाल करने वालों को कड़ी चेतावनी दी। ड्रोन का इस्तेमाल करके डर पैदा करने वालों या गलत सूचना फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जरूरत पड़ने पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

राजस्थान: पिता ने जिंदा बेटी की शोक पत्रिका छपवाई, मृत्युभोज रखा

जयपुर: राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में एक व्यक्ति ने अपनी जीवित बेटी की शोक पत्रिका छपवाई और रविवार को मृत्युभोज रखा। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह घटना आसींद उपखंड के सरेरी गांव की है जहां भैरूलाल जोशी ने अपनी बेटी पूजा की शादी उसी गांव के निवासी संजय तिवारी से तय की थी। रिश्तेदारों के अनुसार इस साल अप्रैल में शादी भी हो गई जिस पर लाखों रुपये खर्च किए गए। हेड कांस्टेबल श्रवण कुमार ने बताया कि जोशी ने 30 जुलाई को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसमें कहा कि उनकी बेटी 29 जुलाई को भीलवाड़ा के माणिक्य लाल वर्मा कॉलेज में परीक्षा देने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। कुमार ने कहा, 'हमने आस-पास के इलाकों और रिश्तेदारों से पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। उसके फोन पर घंटी जाती थी लेकिन कोई जवाब नहीं दिया गया।' बाद में पुलिस ने उसका पता लगाया तो पाया कि उसने अपनी मर्जी से अपने पति के एक रिश्तेदार सूरज तिवारी से शादी कर ली है। अधिकारी ने कहा, 'हमने परिवार को सूचित किया और उनसे कहा कि जब उनकी बेटी पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पेश हो, तो वे भी मौजूद रहें।' उन्होंने बताया कि चार अगस्त को पूजा पुलिस अधीक्षक के सामने पेश हुई और उसने पुष्टि कि उसने अपनी मर्जी से सूरज से शादी कर ली है और आरोप लगाया कि उसे अपने परिवार से खतरा है।

मथुरा के सभी प्रमुख मंदिरों में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव 16 अगस्त की मध्य रात्रि को मनाया जाएगा

मथुरा (उप्र): मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर व वृन्दावन के ठा. बांकेबिहारी मंदिर सहित सभी प्रमुख मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव (जन्माष्टमी) इस वर्ष 16 अगस्त की मध्य रात्रि को तथा नन्दगांव में 17 अगस्त की रात्रि में मनाया जाएगा। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि इसके लिए सभी मंदिरों सहित जिला प्रशासन स्तर पर भी व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। जिलाधिकारी (डीएम) चंद्रप्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने बताया कि पिछले वर्ष जन्माष्टमी के अवसर पर 42 लाख श्रद्धालु मथुरा पहुंचे थे, लेकिन इस वर्ष अनुमान है कि यह आंकड़ा 50 लाख के भी पार जा सकता है। उन्होंने बताया कि मथुरा, वृन्दावन, बरसाना, गोकुल, नन्दगांव, गोवर्धन, महावन आदि सभी तीर्थस्थलों पर इसी हिसाब से तैयारियां की जा रही हैं और श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं संरक्षा के इंतजाम भी व्यापक स्तर पर किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर परिसर में ही निगरानी के लिए 150 सीसीटीवी कैमरों का इंतजाम किया गया है और बाहरी क्षेत्र में भी सौ से अधिक कैमरे निगरानी कार्य में प्रयोग किए जाएंगे।

निर्वाचन आयोग ने बिहार के उपमुख्यमंत्री को दो मतदाता पहचान पत्र रखने के लिए नोटिस भेजा: अधिकारी

पटना: निर्वाचन आयोग ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को कथित तौर पर दो मतदाता पहचान पत्र रखने और दो स्थानों पर मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के लिए नोटिस जारी किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इससे पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि उपमुख्यमंत्री के पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं और पूछा कि सिन्हा के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। एक अधिकारी ने बताया, सिन्हा को कथित तौर पर दो मतदाता पहचान पत्र रखने के लिए नोटिस दिया गया है। उनसे पूछा गया है कि उनके पास दो मतदाता पहचान पत्र क्यों हैं। विपक्ष के नेता यादव ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया, विजय कुमार सिन्हा दो जिलों के दो अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों से मतदाता हैं। उनका नाम लखीसराय के लखीसराय विधानसभा क्षेत्र और पटना जिले के बांकीपुर विधानसभा सीट में भी है।

बिजनौर में कुंए में उतरे तीन भाइयों की दम घुटने से मौत

बिजनौर (उप्र): बिजनौर जिले के शिवाला कला थाना क्षेत्र में रविवार को कुंए में उतरे तीन भाइयों की दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। शिवाला कला थाने के प्रभारी (एसएचओ) राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि आज गांव सरकथल में छत्रपाल (25) अपने सगे भाई कशिश (20) और चचेरे भाई हिमांशु (22) के साथ अपने कुंए में पंपिंग सेट का पट्टा चढ़ाने उतरा था। उन्होंने बताया कि छत्रपाल पट्टा चढ़ाने नीचे उतरा तो कुंए में बनी जहरीली गैस से बेहोश हो गया और फिर एक-एक कर हिमांशु और कशिश उतरे तो वे दोनों भी बेहोश हो गये। शर्मा के मुताबिक, वहां मौजूद धर्मवीर ने घबराकर शोर मचा दिया और शोर सुनकर ग्रामीण एकत्र हो गये। थानेदार ने बताया कि गांव के ही चेतन ने हिम्मत दिखाते हुए मुंह पर कपड़ा बांधा और रस्सी लेकर कुएं में उतरा। उसने तीनों को रस्सी से बांध दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने उन्हें बाहर खींच लिया उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने तीनों को नूरपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। शर्मा के मुताबिक, तीनों की दम घुटने से मौत हुई है।

झारखंड के रांची में 29 साल के व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

रांची: झारखंड की राजधानी रांची के भट्टी चौक के पास रविवार को पुरानी रंजिश के चलते 29 साल के एक व्यक्ति की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान साहिल उर्फ कुरकुरे के रूप में हुई है। उसने बताया कि दिनदहाड़े व्यक्ति की गोली मारकर हत्या की गई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई है। हिंदपीढ़ी पुलिस थाने के प्रभारी सुनील कुमार कुशवाहा ने बताया, कुरकुरे को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन गोली लगने से उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि उक्त इलाके के ही तीन-चार लोगों ने कुरकुरे की हत्या की है। पुलिस ने बताया कि उन्होंने इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। इस बीच, घटना के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने मुख्य आरोपी के घर में तोड़फोड़ की।

सर्वदलीय बैठक: विस अध्यक्ष ने सभी दलों से मांगा सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने में सहयोग

लखनऊ: उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने रविवार को विधानभवन में आयोजित सर्वदलीय बैठक में 18वीं विधानसभा के द्वितीय सत्र को सुचारू, मर्यादित और रचनात्मक ढंग से संचालित करने के लिए सभी दलों के नेताओं से सहयोग का अनुरोध किया। महाना ने कहा कि संसदीय व्यवस्था में संवाद और सकारात्मक चर्चा-परिचर्चा से ही लोकतंत्र मजबूत होता है। उन्होंने सभी नेताओं से अपील की कि वे अपने विचार शालीनता और संसदीय मर्यादा के दायरे में रखें तथा आपसी सम्मान और सौहार्दपूर्ण वातावरण में बहस करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पहले की ही तरह इस सत्र में भी सभी दलों के नेताओं का सहयोग

मिलेगा। विधानमंडल का मानसून सत्र सोमवार 11 अगस्त को शुरू होगा। महाना ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सहयोग से विधानसभा के नये स्वरूप, तकनीकी नवाचार और 'विजन डॉक्यूमेंट' जैसी पहल सदन के लिए मील का पत्थर सिद्ध होंगी। बैठक में मुख्यमंत्री एवं नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन में जनता से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा होनी जरूरी है क्योंकि जनता की भावनाओं को जनप्रतिनिधि ही सबसे अच्छे तरीके से सदन में रख सकते हैं। उन्होंने अपेक्षा की कि उत्तर प्रदेश इस दिशा में देश का नेतृत्व करेगा और 2047 के 'विकसित भारत' के लक्ष्य में योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह पहली विधानसभा होगी जो 'विजन डॉक्यूमेंट' पर विस्तृत चर्चा करेगी। इसमें प्रदेश के समग्र विकास के लिए सभी दलों के सुझाव शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह किसी राजनीतिक दल का एजेंडा नहीं, बल्कि प्रदेश के भविष्य का साझा खाका होगा। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा, प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह पहल एक ऐतिहासिक अवसर है। अब तक सदस्य अपने-अपने क्षेत्र की बात करते थे, लेकिन यह चर्चा पूरे प्रदेश के भविष्य को दिशा देगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इससे प्रदेश 'उत्तम प्रदेश' बनेगा।

न्यूज इन ब्रीफ

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक साल में यातायात उल्लंघन को लेकर 470 करोड़ रुपये के ई-चालान काटे गये

मुंबई : पिछले साल जुलाई में ई-निगरानी लागू होने के बाद से मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर 'इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम' (आईटीएमएस) ने यातायात उल्लंघनों को लेकर 470 करोड़ रुपये के 27.76 लाख ई-चालान काटे हैं, जिनमें से केवल 51 करोड़ रुपये जुर्माने के रूप में वसूले गए हैं। परिवहन विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, 95 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे पर गति सीमा का उल्लंघन करने में सबसे आगे कारें रहीं, जिसके लिए 17.20 लाख से अधिक ई-चालान किए गए। भारी मालवाहक वाहन 3.27 लाख ई-चालान के साथ दूसरे स्थान पर रहे। बसों जैसे भारी यात्री वाहनों के 2.48 लाख चालान काटे गये। टैक्सियों के दो लाख चालान काटे गये। इस दौरान 1.2 लाख हल्के माल वाहक वाहनों के खिलाफ चालान काटे गए। आंकड़ों के अनुसार, मध्यम मालवाहनों को 85,468 ई-चालान, भारी मालवाहनों को 30,450 तथा मध्यम यात्री बसों को 14,764 ई-चालान काटे गये।

असम: सरकारी अनुमति के बिना चल रहे मदरसे को स्थानीय लोगों ने ढहाया

तिनसुकिया (असम) : असम के तिनसुकिया जिले में एक मदरसे को रविवार को स्थानीय लोगों ने कथित तौर पर ढहा दिया। स्थानीय लोगों का दावा है कि संस्था ने कोई सरकारी मंजूरी नहीं ली थी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिले के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना लोहारी कछारी गांव में हुई, जहां स्थानीय मस्जिद समिति ने क्षेत्र के निवासियों के दबाव में मदरसे को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने आगे कहा, कथित तौर पर मदरसा नूर इस्लाम नाम के व्यक्ति द्वारा चलाया जा रहा था। मस्जिद समिति ने बुलडोजर लाकर उसे ध्वस्त कर दिया। समिति ने मदरसे के पास स्थित एक मस्जिद की चारदीवारी को भी गिरा दिया, क्योंकि वह (चारदीवारी) एक नाले पर बनी थी। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने दावा किया कि चारदीवारी नूर इस्लाम की देखरेख में बनाई गई थी और वह इसे गिराए जाने के दौरान वहां मौजूद थे। उन्होंने आगे कहा, लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि मदरसा लगभग एक साल से बिना सरकारी मंजूरी के चल रहा था। यह कार्रवाई ग्रामीणों की मांग के बाद की गई, ग्रामीण इलाके में संदिग्ध नागरिकता वाले लोगों की तलाश कर रहे थे।

दुनिया की सबसे 'दबंग और गतिशील' अर्थव्यवस्था भारत की, कुछ लोगों को रास नहीं आ रहा: राजनाथ

रायसेन (मध्यप्रदेश) : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत से होने वाले आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने को लेकर जारी विवाद के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की सबसे 'दबंग और गतिशील' अर्थव्यवस्था करार दिया और कहा कि 'सबके बॉस तो हम हैं' का भाव रखने वाले कुछ देशों को यह रास नहीं आ रहा है। यहां रायसेन में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) की रेल कोच इकाई का भूमिपूजन करने के बाद राजनाथ ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि भारत जितनी तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है, दुनिया की कोई ताकत उसे

विश्व की एक बड़ी शक्ति बनने से नहीं रोक सकती है। उन्होंने कहा, ''साल 2014 में धन दौलत के आकार (अर्थव्यवस्था) के मामले में भारत 11वें स्थान पर था। आज हमारा भारत दुनिया के शीर्ष चार देशों की कतार में आ गया है। तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था अगर किसी देश की है तो वह हमारे भारत की है।'' उन्होंने कहा, ''इसका मतलब है देश आगे बढ़ रहा है और देशवासी भी आगे बढ़ रहे हैं क्योंकि देशवासी आगे नहीं बढ़ेंगे तो भारत आगे नहीं बढ़ सकता है।'' रक्षा मंत्री ने कहा, ''डेशिंग यानी दबंग और डायनामिक यानी गतिशील अर्थव्यवस्था किसी देश की है तो वह भारत की है।'' उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा कि लेकिन ''कुछ लोगों'' को भारत का तेजी से विकास रास नहीं आ रहा है, उन्हें अच्छा नहीं लग रहा है। उन्होंने कहा, ''वे सोचते हैं कि सबके बॉस तो हम हैं और भारत कैसे इतनी तेजी से आगे बढ़ रहा है? बहुतों द्वारा ऐसा करने की कोशिश की जा रही है कि भारत में भारतवासियों के हाथों से जो चीज तैयार होती है, वह दुनिया के देशों में जाएं तो उन देशों में बनने वाली चीजों से महंगी हो जाए और वह महंगी हो जाएगी तो दुनिया के लोग उसे खरीद नहीं पाएंगे।''

1971 के युद्ध के दौरान पाकिस्तान की कैद से भागने का साहस दिखाने वाले पूर्व वायुसेना अधिकारी का निधन

नयी दिल्ली/पुणे : 1971 के युद्ध के दौरान पाकिस्तान की कैद से भागने में जवानों का बहादुरी से नेतृत्व करने वाले भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन (सेवानिवृत्त) डी.के. पारुलकर का रविवार सुबह निधन हो गया। वह 82 साल के थे। वायुसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पारुलकर ने पुणे के पास अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वायुसेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ग्रुप कैप्टन (सेवानिवृत्त) डी.के. पारुलकर वीएम, वीएसएम-1971 के युद्ध नायक, जिन्होंने पाकिस्तान की कैद से भागने वाले जवानों का बहादुरी से नेतृत्व किया, भारतीय वायुसेना में अद्वितीय साहस, सरलता और गौरव का प्रतीक थे-वे अपनी अंतिम यात्रा पर रवाना हो गए हैं।

मुझे फंसाने के लिए साजिश रचने के दावे के पक्ष में मरांडी के पास हैं सबूत : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि भाजपा की झारखंड इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के पास इस दावे के समर्थन में सबूत हैं कि उस राज्य के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पिछले साल उन्हें (शर्मा को) फंसाने की साजिश रची थी। मरांडी ने शनिवार को दावा किया था कि एक पुलिस अधिकारी ने पिछले साल झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान दिल्ली और गुवाहाटी की यात्रा करने के लिए किसी व्यक्ति को पैसे दिए थे, ताकि शर्मा को फंसाया जा सके। शर्मा झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के सह-प्रभारी थे। बक्सा जिले में एक बैठक से इतर पत्रकारों ने जब शर्मा से झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मरांडी के दावे के बारे पूछा तो उन्होंने कहा, ''मैंने उनसे बात की है। मरांडी ने कहा कि उनके पास सबूत हैं। मैंने कहा कि यह ठीक है।'' मरांडी ने यह भी कहा कि वह जल्द ही इस मामले के बारे में विस्तार से बतायेंगे, क्योंकि आरोप 'मोहपाश' (हनीट्रैप) की कोशिश की ओर इशारा कर रहे हैं। शर्मा ने बक्सा में कहा, ''मुझे कुछ नहीं कहना है, क्योंकि मैं सिर्फ़ अपनी ज़िम्मेदारी निभा रहा हूं। अगर कोई मेरे खिलाफ़ साजिश भी रचे, तो भी मुझे कुछ नहीं कहना है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''मुझे इसके बारे में पूछना बुरा लग रहा है, क्योंकि यह हमारी संस्कृति नहीं है। उन्होंने (मरांडी) इसका खुलासा किया है। उन्होंने (मरांडी) कहा है कि उनके पास सबूत हैं और वह सबूत उजागर करेंगे। मैं इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता।''

संघ प्रमुख भागवत ने चिकित्सा और शिक्षा के व्यावसायीकरण पर चिंता जताई

इंदौर (मध्यप्रदेश) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने देश में चिकित्सा और शिक्षा के व्यावसायीकरण पर चिंता जताते हुए रविवार को कहा कि दोनों महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आम लोगों को 'सहज, सुलभ, सस्ती और सहृदय' सुविधाएं मुहैया कराई जाना वक्त की मांग है। भागवत ने इंदौर में कैंसर के मरीजों के किफायती इलाज के लिए 'माधव सृष्टि आरोग्य केंद्र' का उद्घाटन किया। यह केंद्र 'गुरुजी सेवा न्यास' नाम के परमार्थ संगठन ने शुरू किया है। संघ प्रमुख ने इस मौके पर एक समारोह में कहा,(अच्छी) चिकित्सा और शिक्षा की सारी योजनाएं आज समाज के हर व्यक्ति की बहुत बड़ी आवश्यकता बन गई है, लेकिन दुर्भाग्य ऐसा है कि दोनों क्षेत्रों की (अच्छी) सुविधाएं आम आदमी की पहुंच और आर्थिक सामर्थ्य के दायरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा,पहले चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्रों में सेवा की भावना से काम किए जाते थे, लेकिन अब इन्हें भी कमर्शियल (वाणिज्यिक) बना दिया गया है। संघ प्रमुख ने जोर देकर कहा कि जनता को चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्रों में 'सहज, सुलभ, सस्ती और सहृदय' सुविधाएं मुहैया कराई जाना वक्त की मांग है। भागवत ने देश में कैंसर के महंगे इलाज पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा,कैंसर के इलाज की अच्छी सुविधाएं केवल आठ-दस शहरों में मौजूद हैं जहां देश भर के मरीजों को बड़ी धनराशि खर्च करके जाना पड़ता है।

मुंबई: उत्साह और उमंग के साथ गणपति बाप्पा की प्रतिमाएं ले जाते भक्त

'उदयगिरि' और 'हिमगिरि' जंगी जहाज 26 अगस्त को नौसेना में शामिल किए जाएंगे

नयी दिल्ली : भारतीय नौसेना के 'उदयगिरि' और 'हिमगिरि' जंगी जहाजों का 26 अगस्त को विशाखापत्तनम में एक साथ जल-ावतरण किया जाएगा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। 'उदयगिरि' और 'हिमगिरि' प्रोजेक्ट-17ए के तहत भारतीय नौसेना के लिए निर्मित किए जा रहे उन्नत जंगी जहाजों की एक शृंखला का हिस्सा हैं। प्रोजेक्ट-17ए (नीलगिरि श्रेणी) के तहत निर्मित पहले जहाज 'नीलगिरि' को जनवरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में मुंबई स्थित नौसेना डॉकयार्ड में आयोजित कार्यक्रम में नौसेना के सुपुर्द किया था। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में निर्मित दूसरा युद्धपोत उदयगिरि एक जुलाई को नौसेना को सौंप दिया गया था। नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि भारतीय नौसेना 26 अगस्त को अग्रिम पंक्ति के दो युद्धपोतों-'उदयगिरि' (एफ35) और 'हिमगिरि' (एफ34) को एक साथ नौसेना में शामिल करने की तैयारी कर रही है। प्रवक्ता के मुताबिक, यह पहली बार होगा कि दो प्रतिष्ठित भारतीय शिपयार्ड के दो प्रमुख लड़ाकू जहाजों का एक ही समय में विशाखापत्तनम में जलावरण किया जाएगा।

लद्दाख में 10 दिवसीय 'एनालॉग' अंतरिक्ष मिशन के बाद दो शोधकर्ता बाहर आएंगे

नयी दिल्ली : लद्दाख स्थित मानव बाह्य अंतरिक्ष अन्वेषण (होप) केंद्र में 10 दिन के एकांतवास के बाद दो शोधकर्ता सोमवार को बाहर आने वाले हैं। यह केंद्र चंद्रमा और मंगल ग्रह जैसी जीवन की स्थितियों का अनुकरण करता है ताकि लंबी अंतरिक्ष यात्रा के दौरान होने वाले शारीरिक और मानसिक प्रभावों को बेहतर ढंग से समझा जा सके। पहले प्रयोग के तहत दो शोधकर्ताओं (राहुल मोगालापल्ली और यमन अकोट) ने एक अगस्त को लेह से लगभग 160 किलोमीटर दूर त्सो कार झील के तट पर स्थित होप 'एनालॉग' केंद्र पर अपना एकांतवास मिशन शुरू किया था। अंतरिक्ष विज्ञान के प्रचार-प्रसार में शामिल कंपनी प्रोटोप्लैनेट के निदेशक सिद्धार्थ पांडे ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''इस मिशन का उद्देश्य गहन अंतरिक्ष के वातावरण जैसी परिस्थितियों में मानव अनुकूलनशीलता और लचीलेपन का आकलन करना है।'' उन्होंने कहा कि इन अध्ययनों से प्राप्त अंतर्दृष्टि पृथ्वी से परे मानव की निरंतर उपस्थिति के लिए मजबूत प्रोटोकॉल और तकनीक विकसित करने में सहायक होगी। बयान में कहा गया है कि यहां की ऊंचाई और ठंडे रेगिस्तान जैसी परिस्थितियां एक 'असाधारण एनालॉग केंद्र' के रूप में कार्य करती हैं, जो चंद्रमा और मंगल ग्रह पर पाई जाने वाली भूवैज्ञानिक और पर्यावरणीय परिस्थितियों की काफी हद तक हूबहू नकल हैं। 'एनालॉग' अंतरिक्ष मिशन से आशय अंतरिक्ष जैसी परिस्थितियों का पृथ्वी पर अनुकरण करने वाले मिशन से है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 के बाद कर्नाटक के लिए रेल बजट नौ गुणा बढ़ा दिया: अश्विनी वैष्णव

बेंगलुरु : केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि कर्नाटक का रेल बजट 2014 से पहले के 835 करोड़ रुपये से बढ़कर नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 7,500 करोड़ रुपये हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बेंगलुरु मेट्रो की 'येलो लाइन' को हरी झंडी दिखाये जाने के बाद वैष्णव ने अपने संबोधन में कहा, ''कर्नाटक जैसे महत्वपूर्ण राज्य को 2014 से पहले केवल 835 करोड़ रुपये मिल रहे थे। मोदी की बदौलत अब उसे 7,500 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। साथ ही, कर्नाटक में 54,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। हम अमृत भारत योजना के तहत राज्य में 61 स्टेशनों का पुनर्विकास कर रहे हैं।''

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की वेबसाइट के अनुसार, अमृत भारत स्टेशन योजना विभिन्न चरणों में रेलवे स्टेशनों को उन्नत करने की एक दीर्घकालिक योजना है। उसमें हर स्टेशन के लिए आवश्यकता के आधार पर उसे विकसित करने की योजना शामिल हैं। वैष्णव ने कहा कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में पिछले 11 वर्षों में बहुत ही तीव्र वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा,''पिछले 11 वर्षों में हमारा इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन छह गुना बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।'' उन्होंने कहा कि इसी अवधि में निर्यात आठ गुना बढ़कर तीन लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा हो गया है। वैष्णव ने कहा, ''ग्यारह साल पहले, कोई सोच भी नहीं सकता था कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात करेगा।'' उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' की मज़बूत नींव रखने के प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से कर्नाटक समेत पूरे देश को लाभ हुआ है। 'विकसित भारत 2047' भारत सरकार का 2047 में अपनी स्वतंत्रता शताब्दी तक देश को विकसित बनाने की दिशादृष्टि है।

तटरक्षक समुद्री निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आरपीए, यूएवी को शामिल करेगा: महानिदेशक

नयी दिल्ली : भारतीय तटरक्षक अपनी निगरानी, टोही और खुफिया जानकारी जुटाने की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 'रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट' (आरपीए) और मानवरहित हवाई यानों (यूएवी) को शामिल करने की प्रक्रिया में है। तटरक्षक के महानिदेशक परमेश शिवमणि ने यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय द्वारा रविवार को ऑनलाइन साझा किए गए एक रिकॉर्डेड 'पॉडकास्ट' में शिवमणि ने कहा कि तटीय निगरानी नेटवर्क परियोजना का दूसरा चरण शुरू होने वाला है और यह इस वर्ष के अंत तक चालू हो जाएगा। शिवमणि ने 1978 में गठित आईसीजी की विकास यात्रा को साझा किया, जो वर्तमान में रक्षा बल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। महानिदेशक ने बताया कि तटरक्षक की स्थापना के समय, भारतीय नौसेना से सेवा से हटाये गए दो जहाज तटरक्षक को दिए गए थे। महानिदेशक ने बताया कि अब, भारतीय तटरक्षक के पास विभिन्न आकार के लगभग 205 नौकाएं एवं जहाज, तथा 78 विमान हैं। यह पूछे जाने पर कि तटरक्षक अपनी परिचालन तत्परता बढ़ाने के लिए खुद को कैसे मजबूत कर रहा है, उन्होंने कहा कि बल के पास विभिन्न आकार और विभिन्न क्षमताओं के जहाज और विमान हैं। उन्होंने कहा, एक दूरदर्शी तटरक्षक बल के रूप में, हम अत्याधुनिक तकनीक वाले अत्याधुनिक जहाज भी शामिल कर रहे हैं। विमानों के लिए भी हम यही कदम उठा रहे हैं, जो हमारी ताकत को कई गुना बढ़ा देगा।

असम के चाय बागान में आठ साल की बच्ची की बलात्कार के बाद हत्या, आरोपी गिरफ्तार

डिब्रूगढ़ : असम के डिब्रूगढ़ जिले के एक चाय बागान में आठ साल की बच्ची के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना शनिवार को नामरूप थाना क्षेत्र के कचहरी पाथर स्थित एक छोटे से चाय बागान में हुई, जब बच्ची लकड़ी इकट्ठा करने के लिए बाहर गई थी। एक अधिकारी ने कहा, आरोपी पास में ही मछली पकड़ रहा था तभी उसने बच्ची को अकेला देखा। उसने कथित तौर पर उसके साथ बलात्कार किया और संभवतः गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपी ने शव को नाले में छिपा दिया और उसे घास-फूस से ढक दिया। उन्होंने बताया, जब लड़की घर नहीं लौटी, तो उसके माता-पिता ने पड़ोसियों के साथ मिलकर उसकी तलाश शुरू की। उन्होंने पुलिस को भी सूचित किया। शव रात करीब 8:40 बजे मिला। स्थानीय लोगों ने आरोपी को घटनास्थल से भागने की कोशिश करते समय पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपनी मां की हत्या की थी और इसके लिए उसे 14 साल जेल में बिताने पड़े थे, जिसके बाद तीन साल पहले उसे रिहा किया गया था। नामरूप के डीएसपी प्रसेनजीत दास ने कहा, वह हमारी हिरासत में है। पॉक्सो अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इसरो अमेरिका निर्मित 6,500 किग्रा वजनी संचार उपग्रह प्रक्षेपित करेगा: अध्यक्ष वी नारायणन

चेन्नई : भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अगले कुछ महीनों में अमेरिका निर्मित 6,500 किलोग्राम वजन वाले संचार उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा। इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने रविवार को यह जानकारी दी। नायारणन ने चेन्नई के पास कट्टनकुलथुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि 30 जुलाई को जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के जरिये नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) मिशन के ऐतिहासिक प्रक्षेपण के बाद इसरो अमेरिका निर्मित एक और उपग्रह को अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित करेगा। कट्टनकुलथुर में एसआरएम विज्ञान

एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के 21वें दीक्षांत समारोह के दौरान महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने नारायणन को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि से नवाजा। इसरो प्रमुख ने अपने संबोधन में याद दिलाया कि भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी की स्थापना 1963 में हुई थी और उस समय देश विकसित देशों से छह-सात साल पीछे था।

'ऑपरेशन सिंदूर' किसी भी पारंपरिक मिशन से अलग था: थलसेना प्रमुख

नयी दिल्ली : सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' किसी भी पारंपरिक मिशन से अलग था और यह शतरंज की बाजी जैसा था क्योंकि ''हमें नहीं पता था'' कि दुश्मन की अगली चाल क्या होगी। उन्होंने कहा कि 'टेस्ट मैच' चौथे दिन ही रुक गया लेकिन देखा जाए तो यह लंबा संघर्ष हो सकता था। उन्होंने ''नैरेटिव मैनेजमेंट'' (विमर्श गढ़ने, किसी विषय पर लोगों की धारणा बनाने) के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि ''असली जीत दिमाग में होती है।'' उन्होंने कहा, ''अगर आप किसी पाकिस्तानी से पूछें कि ''आप

हारे या जीते, तो वह कहेगा कि हमारे (सेना प्रमुख) फील्ड मार्शल बन गए हैं, तो हम जरूर जीते होंगे, इसीलिए वह फील्ड मार्शल बने हैं।'' सेना प्रमुख ने चार अगस्त को मद्रास स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में आयोजित एक समारोह को संबोधित करने के दौरान यह टिप्पणी की। उनके संबोधन का वीडियो सेना ने समाहांत में साझा किया। सेना प्रमुख ने किसी देश का नाम लिए बिना खतरे की आशंका को भी रेखांकित किया और कहा, ''अगली बार यह (खतरा) कहीं ज्यादा हो सकता है और वह देश इसे अकेले करेगा या किसी और देश के समर्थन से करेगा, हमें नहीं पता। लेकिन, मुझे पूरा यकीन है, मुझे लगता है कि वह देश अकेला नहीं होगा। यहीं हमें सावधान रहना होगा।''

प्रधानमंत्री मोदी ने बेंगलुरु मेट्रो रेल की 'येलो लाइन' का उद्घाटन किया

बेंगलुरु : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बेंगलुरु मेट्रो रेल की बहुप्रतीक्षित 'येलो लाइन' का उद्घाटन किया। इससे बेंगलुरु के आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) केंद्र को जोड़ने वाले कई भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात की भीड़ कम होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री ने आरवी रोड (रागीगुड्डा) से इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो की सवारी भी की और यात्रा के दौरान छात्रों से बातचीत की। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 7,160 करोड़ रुपये की लागत वाली बेंगलुरु मेट्रो की द्वितीय चरण की परियोजना के तहत आरवी रोड से बोम्मासंद्रा तक 19 किलोमीटर से अधिक लंबे मार्ग में 16 स्टेशन हैं। 'येलो लाइन' के शुरू होने से बेंगलुरु में मेट्रो रेल का परिचालन नेटवर्क 96 किलोमीटर से

अधिक हो जाएगा, जो क्षेत्र की एक बड़ी आबादी को सेवा प्रदान करेगा। अधिकारियों के अनुसार, इस नयी सुविधा से होसुर रोड, सिल्क बोर्ड जंक्शन और इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी जंक्शन जैसे कई भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात की भीड़ कम होने की उम्मीद है। उपमुख्यमंत्री और बेंगलुरु विकास मामलों के प्रभारी मंत्री डी. के. शिवकुमार ने हाल में कहा था कि 'येलो लाइन' के लिए ''तीन ट्रेन'' आ चुकी हैं और चौथी इसी महीने आएगी। उन्होंने कहा था कि अभी तीन ट्रेन 25 मिनट के अंतराल पर चलेंगी और बाद में यह आवृत्ति बढ़ाकर 10 मिनट कर दी जाएगी। प्रधानमंत्री का काफिला जब केएसआर (क्रांतिवीर संगोल्लि रायाण्ण) बेंगलुरु (सिटी) रेलवे स्टेशन से रागीगुड्डा स्टेशन की ओर बढ़ रहा था तब बारिश के बावजूद सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में एकत्र लोगों ने प्रधानमंत्री का ''मोदी, मोदी'' के नारे लगाकर स्वागत किया और उन पर पुष्पवर्षा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने बेंगलुरु में तीन 'वंदे भारत एक्सप्रेस' रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बेंगलुरु में तीन 'वंदे भारत एक्सप्रेस' रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाई। बहुप्रतीक्षित बेंगलुरु-बेलगावी 'वंदे भारत एक्सप्रेस' को मोदी ने स्वयं हरी झंडी दिखाई तथा श्री माता वैष्णो देवी कटरा-अमृतसर और अजनी (नागपुर)-पुणे वंदे भारत सेवाओं की शुरुआत डिजिटल माध्यम से की। अधिकारियों ने कहा कि ये ट्रेन क्षेत्रीय संपर्क में उल्लेखनीय रूप से इजाफा करेंगी, यात्रा समय को कम करेंगी और यात्रियों को ''विश्वस्तरीय'' यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी। बेंगलुरु-बेलगावी वंदे भारत एक्सप्रेस कर्नाटक में संचालित होने वाली 11वीं वंदे भारत सेवा होगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इससे 611 किलोमीटर की दूरी मात्र 8.5 घंटे में तय की जा सकेगी। यह इन दोनों शहरों के बीच सबसे तेज गति की ट्रेन है, जिससे मौजूदा ट्रेन सेवाओं की तुलना में केएसआर (क्रांतिवीर संगोल्लि रायाण्ण) बेंगलुरु से बेलगावी तक लगभग एक घंटे 20 मिनट और बेलगावी-केएसआर बेंगलुरु तक एक घंटे 40 मिनट की बचत होगी।

गरियाबंद के गांव के व्यक्ति को कोहली, डिविलियर्स जैसे क्रिकेटर के फोन आये

गरियाबंद (छत्तीसगढ़) : छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के मडगांव गांव का एक व्यक्ति जानेमाने क्रिकेटर विराट कोहली और एबी डिविलियर्स की कॉल आने के बाद सातवें आसमान पर है। यह भारतीय क्रिकेटर रजत पाटीदार द्वारा इस्तेमाल किए गए सिम कार्ड के कारण हुआ, जिसे सेवा प्रदाता द्वारा पुनः सक्रिय किए जाने के कुछ समय बाद फिर से चालू कर दिया गया। करीब बीस वर्षीय मनीष बिसी और उनके मित्र खेमराज ने पहले तो सोचा कि ये शरारती कॉल हैं, लेकिन जब पाटीदार ने स्वयं फोन किया, तब उन्हें वास्तविकता का पता चला। यह सिलसिला 28 जून को शुरू हुआ, जब किसान गजेंद्र बिसी के बेटे मनीष ने अपने गांव से लगभग 8 किलोमीटर दूर देवभोग स्थित एक मोबाइल की दुकान से जियो का एक नया सिम खरीदा। जब खेमराज ने नये सिम पर व्हाट्सऐप शुरू करने में मदद की, तो ऐप पर प्रदर्शित तस्वीर पाटीदार की थी। पाटीदार एक उभरते सितारे हैं, जिन्होंने आईपीएल 2025 सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम की कप्तानी की थी। हालांकि दोनों ने शुरू में इसे एक गड़बड़ी मानते हुए खारिज कर दिया, लेकिन जल्द ही कोहली, डिविलियर्स और यश दयाल के फोन कॉल आने से वे दंग रह गए। दोनों ने हालांकि यथार्थवादी रुख अपनाया और यह माना कि यह सब दोस्तों द्वारा की जा रही किसी शरारत का हिस्सा है। इसी दौरान 15 जुलाई को खुद पाटीदार ने फोन करके कहा, भाई, मेरा सिम लौटा दो। मनीष और खेमराज को अब भी लगा कि यह एक शरारत है, लेकिन जब पाटीदार ने मामले को सुलझाने के लिए पुलिस भेजने की बात कही, तब उन्हें गंभीरता का एहसास हुआ। कुछ मिनट बाद पुलिस की एक टीम वहां पहुंची, जिससे इस बात की आशंका समाप्त हो गई कि यह कोई शरारत थी। गरियाबंद की पुलिस उपाधीक्षक नेहा सिन्हा ने बताया कि दूरसंचार नीति के अनुसार 90 दिनों की निष्क्रियता के बाद सिम बंद कर दिया गया था और उसे एक नये ग्राहक को आवंटित कर दिया गया, जो इस मामले में मनीष था। उन्होंने कहा, ''मनीष को वास्तव में उन क्रिकेटर के फोन आ रहे थे जो रजत पाटीदार के संपर्क सूची में थे।

कल्याण बनर्जी का नवान्न अभियान में शुभेंदु अधिकारी पर पुलिस से दुर्व्यवहार और अराजकता फैलाने का आरोप

हुगली, समाज्ञा : नवान्न अभियान के दौरान नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी पर पुलिस के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा है। श्रीरामपुर से तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी पर यह आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट की मेहरबानी से लोग देख रहे हैं कि प्रतिपक्ष का नेता कितना बड़ा अपराधी हो सकता है। हाई कोर्ट को भी देखना चाहिए। रविवार को तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने श्रीरामपुर के गंगा दर्शन स्थित अपने आवास पर आरोप लगाया कि शनिवार को नवान्न अभियान के नाम

पर अराजकता फैलाई गई। भाजपा ने सरकारी संपत्ति को नष्ट किया है। उन्होंने कहा कि नवान्न अभियान के नाम पर शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में जो अराजकता फैलाई गई, वह अकल्पनीय है। बहुत सारी आपराधिक गतिविधियां हुई हैं। पुलिस को पीटा गया, सरकारी संपत्ति को नष्ट किया गया। शुभेंदु अधिकारी ने खुद इसे भड़काया। उन्होंने बहुत ही अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा ने शुभेंदु अधिकारी के पक्ष में फैसला सुनाया था। उन्होंने वह फैसला दिया था जिसके परिणामस्वरूप शुभेंदु अधिकारी एक के बाद एक आपराधिक कृत्य कर रहे हैं। वह जिस भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह बहुत खराब है। सुअर का बेटा कह रहे हैं। कल्याण ने कहा कि राजनीति में ऐसे शब्द नहीं बोले जाने चाहिए। ऐसे लोगों को पश्चिम बंगाल से मिटा देना चाहिए। हाईकोर्ट का शुक्रिया, लोग देख रहे हैं कि वो कितना बड़ा अपराधी हो सकता है। हाईकोर्ट को भी इस पर गौर करना चाहिए।

'समय की बर्बादी है महुआ मोइत्रा', कल्याण बनर्जी फिर हुए हमलावर

तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी व महुआ मोइत्रा के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। कल्याण ने अब महुआ को 'बेकार' कहकर निशाना साधा है। कल्याण की इस नई टिप्पणी पर महुआ की अब तक प्रतिक्रिया नहीं आई है। कल्याण ने कहा कि महुआ मेरे लिए अब कोई विषय नहीं है, इसलिए उनके बारे में बातचीत करने का कोई मतलब नहीं है। मैं उसपर और समय बर्बाद नहीं करना चाहता। मेरे एक जूनियर अधिवक्ता द्वारा मुझे किए गए टेक्स्ट मैसेज से मुझे यह बात समझ आई। कल्याण ने आगे कहा कि मेरे पास करने के लिए बहुत से काम है। एक बेकार नारी के पीछे समय व ऊर्जा बर्बाद करने का कोई मतलब नहीं है। महुआ के कारण मैं बहुतों के सामने खराब होता जा रहा हूं। मैंने इस मुद्दे पर पार्टी सुप्रीमो ममता को भी बहुत कुछ कहा है, जो मुझे नहीं कहना चाहिए था।

कुणाल घोष ने बांग्लादेशी नागरिक मामले में केंद्र को घेरा

बीजेपी पर निकृष्ट राजनीति का आरोप

हुगली, समाज्ञा : जिले के चुंचुड़ा में एक रक्तदान शिविर में शिरकत करने आए तृणमूल नेता कुणाल घोष ने हवाई अड्डे पर पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिक के मामले में केंद्र सरकार पर चौतरफा प्रहार किया कहा कि यह पूरी ज़िम्मेदारी केंद्र सरकार, बीएसएफ और एजेंसियों की है। उन्होंने कहा कि सीमाएं सुरक्षित न रख पाना केंद्र की नाकामी है। अभया की मां को लेकर बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस मारपीट की कोई तस्वीर नहीं मिली, उन्हें राजनीतिक प्रचार के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। शुभेंदु अधिकारी के बयान को अशोभनीय

बताते हुए कहा कि उन्हें अनुचित सुरक्षा कवच मिला है। श्यामाप्रसाद मुखोपाध्याय के नाम पर सियालदह स्टेशन का नाम बदलने का विरोध करते हुए सुझाव दिया कि इसका नाम स्वामी विवेकानंद के नाम पर रखा जाए। बिहार के उपमुख्यमंत्री के दो वोटर कार्ड मामले में मतदाता सूची शुद्ध करने की मांग की, लेकिन वैध मतदाताओं को परेशान न करने की बात भी कही। नवन्ना अभियान में हिंसा को लेकर बीजेपी नेताओं पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया।

लाखों रुपये की धोखाधड़ी मामले में सीआईडी ने पोस्टमास्टर को किया गिरफ्तार

पूर्व वर्दवान : पूर्व वर्दवान के जमालपुर उप-डाकघर के जमा कर्ताओं को लाखों रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अब सीआईडी ने तत्कालीन पोस्टमास्टर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम विद्युत सुर है। रविवार की दोपहर सीआईडी ने माडबडीही थाना क्षेत्र के बुलचंद्रपुर गांव से विद्युत सुर को गिरफ्तार किया। अधिकारियों की एक टीम ने उसके घर छापा मारकर उसे कोलकाता के भवानी भवन ले जाया। सीआईडी सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा। जमालपुर उप-डाकघर में जमा कर्ताओं के पैसों के साथ धोखाधड़ी का शिकार पाल परिवार है, जो जमालपुर हटतला इलाके में रहता है। परिवार के सदस्यों ने अपनी मेहनत की कमाई से थोड़ा-थोड़ा पैसा जमा किया था। 2021 में सुरजित पाल, उनके पिता, माता, बहन और जीजा ने अलग-अलग खातों में एक साल की फिक्स्ड डिपॉजिट योजना के तहत कुल लगभग 12 लाख 20 हजार रुपये जमा किए। तत्कालीन पोस्टमास्टर विद्युत सुर ने यह राशि स्वीकार कर, सिल लगी स्टांप के साथ उनके खातों की बुकें जारी कीं। फिक्स्ड डिपॉजिट की अवधि पूरी होने से पहले ही, सुरजित की मां राधारानी गंभीर रूप से बीमार हो गईं। और उनका इलाज कोलकाता सहित कई अस्पतालों में करवाया गया। जब पैसों की जरूरत पड़ी तो परिवार के सदस्य जमा राशि निकालने गए, लेकिन पोस्टमास्टर की बात सुनकर उन्हें धोखा समझ आया। पैसे वापस न मिलने पर उन्होंने कोलकाता हाईकोर्ट का सहारा लिया। कोर्ट ने सीआईडी जांच का आदेश दिया, जिसके बाद विद्युत सुर को गिरफ्तार किया गया। इस मामले की जांच जारी है।

आरामबाग में ढहा रामकृष्ण सेतु का हिस्सा, पांच जिलों के साथ संचार बाधित होने का खतरा

हुगली, समाज्ञा : हुगली जिले के आरामबाग में द्वारकेश्वर नदी पर बने रामकृष्ण सेतु का एक हिस्सा शनिवार देर रात ढह गया। जानकारी के अनुसार सेतु का जो हिस्सा ढहा है, उसके अगले हिस्से में दरारें भी आ गई हैं। इलाके के लोगों का कहना है कि मौजूदा हालात को देखते हुए वह हिस्सा भी कभी भी ढह सकता है। उल्लेखनीय है कि पहले से ही पुल की हालत खराब थी। पुलिस में वह कई जगह दरारें भी पड़ रही थीं। इस बीच, 5 अगस्त को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसी रामकृष्ण पुल से घाटाल के कामारपुकुर गईं थीं। नतीजतन, पुल के रखरखाव के साथ-साथ ममता की अपनी सुरक्षा को लेकर भी

सवाल उठ रहे हैं। 'कमजोर पुल' का बोर्ड लगभग एक साल से लटका हुआ था। लेकिन फिर भी, इलाके के निवासी सवाल कर रहे हैं कि इसकी मरम्मत पर जोर क्यों नहीं दिया गया। दक्षिण बंगाल के एक बड़े हिस्से के को यह पुलिस आपस में जोड़ता है।

पाँच-छह ज़िलों की यात्री बसें और अन्य वाहन इस पुल से गुज़रते हैं। यह पुल बांकुड़ा, पुरुलिया, पूर्वी मेदिनीपुर, पश्चिमी मेदिनीपुर और आरामबाग, बर्दवान और कोलकाता के बीच यातायात में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चूंकि यहां बसों का आवागमन बहुत अधिक होता है, इसलिए मालवाहक ट्रकों का आवागमन भी काफ़ी होता है। आस-पास कई स्कूल-कॉलेज हैं। बाज़ार घाट और रिहायशी इलाके हैं। यह पुल लोगों के आवागमन के मुख्य साधनों में से एक है। शायद इसलिए जान-माल का नुकसान टल गया क्योंकि यह बड़ा हादसा रात में हुआ। फ़िलहाल, घटनास्थल पर पुलिस बैरिकेड लगा दिया गया है।

हावड़ा के निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्र की संदिग्ध मौत

❑ राखी पर बहन ने खोया अपना भाई

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के सांकराइल स्थित एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र कपिल कुमार की अचानक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, कपिल कॉलेज के ड्राइविंग पूल में बेहोशी की हालत में मिला, जिसके बाद उसे तत्काल हावड़ा के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हिमाचल प्रदेश निवासी कपिल ने डेढ़ महीने पहले ही लगभग आठ लाख रुपये देकर छह महीने के मरीन कोर्स में दाखिला लिया था और कॉलेज के हॉस्टल में रहता था। घटना के दिन सुबह उसने कक्षा में भी उपस्थिति दर्ज कराई थी। पुलिस ने अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खबर मिलते ही कपिल के परिजन हावड़ा पहुंचे। मृतक की बहन ने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन व पुलिस सहयोग नहीं कर रहे हैं। उसने कहा कि राखी के दिन उसने अपने भाई को खो दिया और भाई के सिर पर चोट के निशान हैं, जो इसे महज एक दुर्घटना से अलग बनाते हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की उचित जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का असली कारण सामने आएगा। वहीं, कॉलेज की प्रशासनिक अधिकारी अनिंदिता चक्रवर्ती ने कहा कि वे परिवार को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं और कपिल बिना किसी को बताए ड्राइविंग पूल चला गया था। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज सहित सभी आवश्यक जानकारी पुलिस को जांच के लिए सौंप दी गई है और उन्होंने परिवार के प्रति संवेदना भी व्यक्त की है।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की विशेष बैठक संपन्न

हर अग्रवाल की रगों में धर्म के प्रति आस्था : गोपाल शरण गर्ग

कोलकाता : रविवार को महानगर के होटल हिंदुस्तान इंटरनेशनल में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की एक विशेष बैठक हुई, जिसमें पितृ भूमि अग्रोहा, अग्रवाल समाज और अग्रवाल समाज की कुलदेवी लक्ष्मी के मंदिर निर्माण की प्रगति पर विचार-विमर्श हुआ।

इस मौके पर काफी संख्या में अग्रवाल बंधु उपस्थित थे। अग्रवाल समाज के उद्योग जगत से जुड़े लोग, बंगाल के आसपास के क्षेत्रों के लोग इसमें शामिल हुए। पुरुलिया और सिलीगुड़ी से भी लोग आए थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग। उन्हें सुभाष मुरारका, सुशील चौधरी के अलावा समाज के कई विशिष्ट लोगों ने बुके और दुपट्टा देकर सम्मानित किया। उद्योगपति ओम जालान को गोपाल शरण गर्ग ने माला पहनकर सम्मानित किया। इस मौके पर संजय गोयनका और गिरधारी लाल गोयनका ने भी गोपाल शरण गर्ग जी को बुके दिया। इस मौके पर समाज के कुछ प्रतिष्ठित लोगों ने भी मंच से अपने-अपने विचार रखे, जिनमें सत्यनारायण देवरालिया, महेंद्र अग्रवाल, प्रेसिडेंट एकल विद्यालय कोलकाता चैप्टर, माधवी अग्रवाल, संदीप गर्ग, प्रज्ञा झुनझुनवाला प्रमुख थे। बैठक में पितृ भूमि अग्रोहा के गौरवमयी इतिहास व अग्रवालों के जीवन में इसके महत्त्व पर गंभीर चर्चा हुई। इसके साथ वक्ताओं ने महाराजा अग्रसेन जी के प्रेरणादायक सिद्धान्तों को अपनाने पर जोर दिया। कोलकाता में अग्रवाल सम्मेलन के कार्यों के विस्तार पर चर्चा हुई और कहा गया कि ये कार्य पर्याप्त नहीं हैं। अग्रोहा शक्तिपीठ में निर्माणाधीन कुलदेवी आद्य महालक्ष्मी मंदिर के कार्य की प्रगति की चर्चा भी हुई।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि हर अग्रवाल की रगों में धर्म के प्रति आस्था होती है। उन्होंने बताया कि हमारे पुरुखों को धर्म के अनुराग का यह आशीर्वाद 5163 साल पहले मिला था। उन्होंने पूछा, 50 साल पहले लोग कितने खाटू श्याम धाम जाते थे? जब आलू सिंह, लक्खा जी जैसे लोगों ने कोलकाता में आकर खाटू जी के गीत गाये, तो लोगों को उनके प्रति भक्ति बढ़ी। उन्होंने बताया कि 1975 में अग्रवाल समाज की स्थापना हुई। उन्होंने कहा कि आज हर राज्य में अग्रवाल सम्मेलन की शाखाएं खुल गयी हैं। उन्होंने अपील की कि अगर हम अपने बेटे-बेटियों की शादियां करें, तो पहला शगुन अग्रसेन जी के नाम से करें। अगर गरीबों को भोजन करायेंगे, तो ज्यादा पुण्य मिलेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि अग्रवाल बंधु दिवाली पर चांदी की लक्ष्मी की मूर्ति बनवायें और इस दिन अग्रसेन भगवान की पूजा भी करें। उन्होंने अग्रसेन जयंती के काफी प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज में एक धारणा है कि अग्रसेन भगवान की पूजा केवल अग्रवाल ही करेंगे। उन्होंने पूछा कि भगवान कृष्ण यदुवंशी थे, तो क्या केवल यादव समाज के लोग ही उनकी पूजा करते हैं? भगवान तो भगवान होता है, उनका दर हर गरीब-अमीर के खुला होना चाहिए। अग्रसेन जी कलयुग के अवतार हैं। उन्होंने अग्रवाल समाज से केवल स्वार्थ की बात करने की आदत छोड़ने को कहा।

महाराजा अग्रसेन धाम अध्यक्ष व विशिष्ट उद्योगपति ओम जालान ने कहा कि गोपाल शरण जी का जोशीला भाषण सुनकर बहुत आनंद आया। उन्होंने कहा कि इनके पदचिह्नों पर चलकर ही हम समाज का और भला कर सकते हैं और निचले तबके को ऊपर ला सकते हैं।

धन्यवाद ज्ञापन अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के अध्यक्ष सुशील चौधरी ने किया। श्री हरि सत्संग समिति के उपाध्यक्ष सुभाष मुरारका ने अग्रवाल धाम जाने की इच्छा व्यक्त करने वाले संजय गोयनका के बारे में बताया कि वह वहां जाकर कितना खुश हुआ।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय अग्रवाल समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज अग्रवाल, सुरेश बंसल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, वनबंधु परिषद के अध्यक्ष महेन्द्र अग्रवाल, साल्टलेक सांस्कृतिक संसद के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, अग्रसेन समिति भवन के सह सचिव सीताराम जालान

हिंदुस्तान क्लब के उपाध्यक्ष संजय गोयनका, विश्व जागृति मिशन के ट्रस्टी डी.एन. गुप्ता, अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के अध्यक्ष सुशील चौधरी, भी इस समारोह में शामिल हुए।

इनके विमल बेंगानी, सुरेश कुमार अग्रवाल, मदन गोपाल अग्रवाल, संदीप गर्ग, सुधांशु शेखर, संजय हरलालका, बिजय कुमार गाड़ोदिया, पवन कुमार पटोदिया, रमेश कुमार जैन, इंदरचंद बजाज, राजेंद्र प्रसाद सुरेका, श्रीमती माधवी अग्रवाल, अरुण गोयल, गोविंद पंसारी, प्रदीप संघई, दीन दयाल ढांढनिया, प्रदीप दारूका, श्रीमती प्रज्ञा झुनझुनवाला, संजय पोद्दार,श्याम बागड़िया, रमेश शोभासरिया, अशोक मेहता, बजरंग अग्रवाल, नारायण प्रसाद सरावगी, अनूप झुनझुनवाला, श्याम बगरिया, राजेश अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल, संजय भौतिका, सुभाष जोधानी ने भी समारोह में शिरकत की।

पुलिस ने नाकाम किया बांग्लादेश हेरोइन तस्करी का प्लान, दो तस्कर गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद : बांग्लादेश में हेरोइन की तस्करी की साजिश को लालगोला थाना पुलिस ने समय रहते विफल कर दिया। देवान सराय गांव के पास एक ईंट भट्ठे के पास की गई कार्रवाई में

पुलिस ने 287 ग्राम प्रतिबंधित हेरोइन के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया। बरामद नशीले पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 30 लाख रुपये आंकी गई है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान तोहीदुर रहमान (27) और अबू हेना (31) के रूप में हुई है, जो लाल-गोला थाना क्षेत्र के निवासी हैं। दोनों एक स्कूटी से लश्करपुर गांव से देवान सराय की ओर जा रहे थे। गुप्त सूचना पर पुलिस ने उन्हें रोका और तलाशी के दौरान भारी मात्रा में हेरोइन बरामद की। पुलिस का मानना है कि यह खेप बांग्लादेश में तस्करी के लिए भेजी जानी थी। इस अभियान में भगवांगोला के एसडीपीओ विमान हलदार, सीआई मानस दास, लालगोला थाना प्रभारी अतनु दास समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल था। आरोपियों को अदालत में पेश कर 10 दिन की पुलिस हिरासत की मांग की गई है। फिलहाल, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस तस्करी गिरोह में और कौन-कौन शामिल है।

नशे के लिए पैसे न मिलने पर पिता की चाकू मारकर हत्या, बेटा गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। जहां नशे के लिए पैसे न मिलने पर एक बेटे ने अपने पिता की धारदार हथियार से कई बार वार कर हत्या कर दी। यह घटना डायमंड हार्बर के 2 नंबर ब्लॉक में हुई। मृतक हरेंद्रनाथ वैद्य डायमंड हार्बर के शुकदेवपुर के निवासी थे। जानकारी के अनुसार, इस घर में केवल पिता और बेटा सुप्रियम वैद्य रहते थे। सुप्रियम अक्सर नशे की लत में रहता था और इसी कारण दोनों के बीच झगड़े होते रहते थे।

बेरोजगार सुप्रियम अपने नशे के लिए पिता से पैसे मांगता था। शनिवार शाम को जब सुप्रियम ने पैसे मांगे तो हरेंद्रनाथ के पास देने के लिए पैसे नहीं थे, जिससे नाराज होकर सुप्रियम ने चाकू से अपने पिता पर हमला कर दिया। वार से हरेंद्रनाथ खून से लथपथ फर्श पर गिर पड़े और बाद में उनकी मौत हो गई। बाद में पड़ोसियों को घटना का पता चलते ही पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी सुप्रियम को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है।

भाजपा शासित राज्यों में बांग्लाभाषियों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ हावड़ा में तृणमूल ने निकाली रैली

हावड़ा, समाज्ञा : नवान्न अभियान के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प होने की घटना को लेकर खाद्य प्रसंस्करण मंत्री अरूप राय ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि नबान्न अभियान का मकसद ठीक नहीं था। उन्होंने पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि कोलकाता व हावड़ा पुलिस ने काफी संयम से काम लिया। पुलिस कर्मियों ने न ही गोलियां चलायीं और न ही लाठी लेकर किसी को खदेड़ा। अरुप राय ने कहा कि हमलोगों ने 34 साल का वाममोर्चा का शासनकाल देखा है। वाममोर्चा के शासनकाल में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की बर्बरता अब भी लोगों को याद है। मालूम रहे कि रविवार की सुबह भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषियों पर

हो रहे अत्याचार के खिलाफ अरुप राय के नेतृत्व में बेजपुकुर से हावड़ा मैदान तक गैर-राजनीतिक रैली निकाली गयी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला बोलने वाले लोगों पर अत्याचार हो रहा है। भाजपा के नेता यह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि बांग्ला कोई भाषा नहीं है। उन नेताओं को इस बात की जानकारी नहीं है कि देश को आजादी दिलाने में बंगाल का अहम योगदान रहा है। बंगाल देश की सांस्कृतिक राजधानी है। इस रैली में सुशोभन चटर्जी, कैलाश मिक्षा सहित अन्य उपस्थित थे।

पू. सी. रेलवे ने माल अनलोडिंग में 2.37% की वृद्धि दर्ज की

मालीगांव, समाज्ञा : पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पू. सी. रेलवे) माल अनलोडिंग कार्यों में लगातार वृद्धि दर्ज कर रहा है। जुलाई 2025 के महीने में मालगाड़ियों के कुल 1081 रेक अनलोडिंग किए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 2.37% की वृद्धि को दर्शाता है। इस माल परिवहन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पूर्वोत्तर राज्यों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। जुलाई 2025 में असम में कुल 590 रेक अनलोड किए गए, जिनमें से 267 रेक द्वारा आवश्यक सामग्रियों का परिवहन किया गया । इसी अवधि के दौरान त्रिपुरा में 89 रेक, नागालैंड में 15 रेक, अरुणाचल प्रदेश में 09 रेक, मणिपुर में 14 रेक तथा मेघालय और मिजोरम में 03-03 रेक अनलोड किए गए। इसके अतिरिक्त, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के क्षेत्राधिकार में जुलाई 2025 के दौरान पश्चिम बंगाल में 212 रेक और बिहार में 146 रेक भी अनलोड किए गए। आवश्यक एवं अन्य वस्तुओं की निरंतर आपूर्ति क्षेत्र में दैनिक जीवन को बनाए रखने और पूरे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के प्रमुख खंडों में दोहरीकरण परियोजनाओं की त्वरित पूर्णता ने माल की आवक और जावक दोनों परिवहन को काफी हद तक सुदृढ़ किया है, जिससे वस्तुओं का तेजी से और अधिक कुशलता से परिवहन संभव हो सका है। इस बुनियादी ढांचे के उन्नयन ने जोन में माल अनलोडिंग में हो रही लगातार वृद्धि में सीधा योगदान दिया है।

दोस्त को बचाने की कोशिश में किशोर की नदी में डूबकर मौत

मुर्शिदाबाद : मुर्शिदाबाद जिले के डोमकल के बघारपुर रमना इलाके में रविवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हुआ। जहां नदी में डूब रहे दोस्त को बचाने की कोशिश में एक किशोर की मौत हो गई। यह घटना डोमकल नगर पालिका के 3 नंबर वार्ड की शियालमारी नदी में घटी। मृतक किशोर की पहचान मरुफ मिया के रूप में हुई है, जो अपने चार दोस्तों में से अकेला तैरना जानता था। उसने दो दोस्तों को सुरक्षित किनारे तक पहुंचाया, लेकिन तीसरे को बचाने की कोशिश में खुद पानी में डूब गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह नदी वास्तव में बारिश के जमा पानी से भरी थी और इसमें तेज बहाव नहीं था। हादसे के दौरान दो अन्य दोस्तों के शोर मचाने पर पास में खेत जोत रहे लोग मौके पर

पहुंचे और एक अन्य दोस्त, रामिज शेख, को बचा लिया। रामिज की हालत गंभीर थी, लेकिन अस्पताल में भर्ती कराने के बाद वह खतरे से बाहर है। खबर मिलते ही डोमकल थाना प्रभारी पार्थसारथी मजूमदार के नेतृत्व में पुलिस दल मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से करीब डेढ़ घंटे की तलाश के बाद मरुफ का शव नदी से बरामद किया गया।

शारीरिक संबंध बनाने और शादी का झांसा देने वाला गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा

एक प्रवासी मजदूर से प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। नाबालिग ने फिर प्रेमी से शादी कर ली। हालांकि, परिवार का दावा है कि लड़का लड़की को बहला-फुसलाकर ले गया। फिर दोनों के बीच शारीरिक संबंध बने। नाबालिग के परिवार ने जब इस घटना की शिकायत थाने में दर्ज कराई, तो पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया। घटना बशीरहाट थाना क्षेत्र की है। युवक वहीं रहता है। हालांकि, वह पेशे से प्रवासी मज़दूर है। कुछ महीने पहले उसका उत्तर 24 परगना के अशोकनगर थाना क्षेत्र की एक

नाचालिगा लड़की से प्रेम प्रसंग हो गया था। बताया जा रहा है कि युवक ने दस दिन पहले नाबालिग लड़की से शादी की और उसे अपने घर ले आया। जब नाबालिग लड़की के माता-पिता को इस बात का पता चला, तो उन्होंने स्वरूपनगर थाने में नाबालिग लड़की से शादी करने और उसके साथ यौन संबंध बनाने की शिकायत दर्ज कराई। उस शिकायत के आधार पर स्वरूपनगर थाने की पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्ति को रविवार को पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के तहत बशीरहाट उपजिला न्यायालय में पेश किया गया। इस बीच, स्वरूपनगर से एक के बाद एक बांग्लादेशी पकड़े गए हैं। कभी वे नकली दस्तावेज दिखाकर घुसने की कोशिश करते थे, तो कभी रात के अंधेरे में छिप जाते थे। हालाँकि, सीमावर्ती इलाका होने के कारण कुछ को बीएसएफ ने पकड़ लिया। कुछ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

हावड़ा में युवक ने फेसबुक स्टेटस लिखकर की आत्महत्या, प्रेमिका पर ब्लैकमेल का आरोप

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के शिवपुर इलाके में एक युवक ने फेसबुक पर भावुक स्टेटस लिखने के कुछ ही देर बाद आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गुलाम हुसैन सरदार लेन निवासी राजा ढाली (21) के रूप में हुई है। परिवार का आरोप है कि एक 16 वर्षीय किशोरी के ब्लैकमेल और मानसिक दबाव के कारण राजा ने यह कदम उठाया। बताया जा रहा है कि राजा और किशोरी के बीच करीब डेढ़ साल से प्रेम संबंध था, लेकिन किशोरी के अन्य प्रेमी भी थे और वह प्रेम के नाम पर राजा को विभिन्न तरीकों से परेशान करती थी। घटना के दिन शुक्रवार शाम किशोरी के बुलाने पर मिलने के बाद राजा घर लौटा और परिवार के लोगों को अलग भेजकर कमरे में फांसी लगा ली। मरने से

पहले उसने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखा था।

रविवार को ब्लैकमेल के आरोप में मृतक के परिजन और स्थानीय लोगों ने किशोरी के घर पहुंचकर तोड़फोड़ की। उस समय घर बंद था और परिवार वहां मौजूद नहीं था। स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक की मौत के बाद से किशोरी और उसका परिवार इलाके से फरार है। खबर मिलते ही शिवपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति नियंत्रित की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बैंक मैनेजर का झूठा परिचय देकर लाखों रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : बैंक मैनेजर का फर्जी परिचय देकर लाखों रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप में श्यामपुकुर के रहने वाले अभिजीत साहा को उत्तर बंगाल के मालबाजार इलाके से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ भवानीपुर, अमहर्स्ट स्ट्रीट समेत राज्य पुलिस के कई थानों में एक से अधिक शिकायतें दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार, अभिजीत साहा ने बैंक मैनेजर होने का झूठा परिचय देकर कई लोगों को धोखा दिया और लाखों रुपये की ठगी की। कभी वह नाम दर्ज कराने का झांसा देता था, तो कभी लोन दिलाने के नाम पर बड़ी रकम की ठगी करता था। इसके चलते उसके खिलाफ कई थानों में शिकायतें दर्ज हुईं। कोलकाता पुलिस ने लंबी जांच के बाद आरोपी को मालबाजार से गिरफ्तार किया और उससे पूछताछ शुरू कर दी है।

राहुल, निशा और मुस्कान के स्वर्ण से एशियाई अंडर-19 मुक्केबाजी में भारत के नाम 14 पदक

बैंकॉक : युवा भारतीय मुक्केबाज निशा और मुस्कान ने अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीते, जबकि राहुल ने पुरुष वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत ने इस तरह टूर्नामेंट के अंडर-19 वर्ग में अपना अभियान 14 पदकों के साथ खत्म किया। भारतीय मुक्केबाजों ने तीन स्वर्ण के अलावा सात रजत और चार कांस्य पदक जीते। कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और चीन जैसे देशों के मुक्केबाजों की मौजूदगी में 10 में नौ भारतीय महिला खिलाड़ियों ने पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनावाया। इसमें दो स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। निशा ने 54 किग्रा वर्ग में चीन की सिरुई यांग के खिलाफ तीसरे और अंतिम दौर में अपने खेल के स्तर को ऊंचा करते हुए 4-1 से जीत दर्ज की, जबकि मुस्कान (57 किग्रा) ने आक्रामक इरादे दिखाते हुए कजाकिस्तान की अयाझान एर्मेक की चुनौती को 3-2 के खंडित फैसले से मात दी। आरती कुमारी (75 किग्रा) को चीन की टोंगटोंग गु से हार का सामना करना पड़ा, जबकि कृतिका वासन (80 किग्रा) का प्रयास कजाकिस्तान की कुराले येगिनबाइकिजी के खिलाफ 2-3 से हार से बचने के लिए काफी नहीं था। पारची टोकस (80+ किग्रा) को उज्बेकिस्तान की सोबिराखोन शाहोबिदिनोवा के खिलाफ इसी तरह के अंतर से हार मिली। विनी 60 किग्रा फाइनल में उज्बेकिस्तान की सेवारा ममातोवा से हार गईं, जबकि 65 किग्रा के खिताबी मुकाबले में जापान की अरिंदा अकीमोटो ने निशा को 4-1 से हराया। यशिका (51 किग्रा) और आकांक्षा फलसवाल (70 किग्रा) ने कांस्य पदक जीता। पुरुषों के 75 किग्रा वर्ग में राहुल कुंडू ने उज्बेकिस्तान के मुहम्मदजोन याकूपबोवेक को 4-1 के खंडित फैसले से हराकर स्वर्ण पदक जीता। मौसम सुहाग 65 किग्रा के फाइनल में इसी देश के जाखोंगीर ज़ायनिडिनोव से हार गए, जबकि हेमंत सांगवान कजाकिस्तान के रसूल असांखानोव की चुनौती से पार नहीं पा सके। शिवम (55 किग्रा) और गौरव (85 किग्रा) ने कांस्य पदक जीता। भारतीय मुक्केबाजों ने अंडर-22 वर्ग में पहले ही 13 पदक पक्के कर लिये है। इसके स्वर्ण पदक के मैच सोमवार को खेले जायेंगे। भारत ने अंडर-19 और अंडर-22 वर्ग में इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में 40 खिलाड़ियों का दल उतारा है।

रोहित और कोहली पर फैसला लेने की जल्दबाजी में नहीं बीसीसीआई, टी20 एशिया कप पर ध्यान

नयी दिल्ली : दिग्गज भारतीय खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) कोई भी फैसला लेने की जल्दबाजी में नहीं है और फिलहाल उसका पूरा ध्यान टी20 प्रारूप में खेले जाने वाले एशिया कप पर है। अगस्त में प्रस्तावित बांग्लादेश के दौरे के रद्द होने के बाद भारत का अगला वनडे मैच ऑस्ट्रेलिया में 19 से 25 अक्टूबर के बीच खेली जाने वाली तीन मैचों की श्रृंखला में होगा। कोहली और रोहित के नाम वनडे में संयुक्त रूप से 83 शतक और 25,000 से ज्यादा रन है। भारतीय क्रिकेट में इस बात की चर्चा है कि अक्टूबर 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक रोहित 40 और कोहली 39 साल के हो जायेंगे। ऐसे में क्या ये दोनों दिग्गज तब तक टिके रह पायेंगे। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने गोपनीयता शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'उनके मन में अगर कोई योजना है तो जाहिर है कि वे भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के आला अधिकारियों को बताएंगे, जैसा उन्होंने इंग्लैंड टेस्ट दौरे से पहले किया था।' उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम के नजरिए से देखे तो अगला बड़ा टूर्नामेंट फरवरी में होने वाला टी20 विश्व कप और उससे जुड़ी तैयारियां हैं। फिलहाल ध्यान एशिया कप टी20 टूर्नामेंट के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम भेजने पर होगा, उम्मीद है कि सभी खिलाड़ी फिट और उपलब्ध होंगे।' बीसीसीआई कभी भी जल्दबाजी में फैसला नहीं लेता है और दो खिलाड़ियों के बड़े प्रशंसक वर्ग को देखते हुए किसी भी संवेदनशील फैसले से पहले वह हमेशा लोगों की भावनाओं को परखने की कोशिश करता है। इन दोनों खिलाड़ियों ने देश के लिए आखिरी टूर्नामेंट दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी खेला था। जहां कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप लीग चरण में लक्ष्य का सफलता से पीछा करते हुए शतक जड़ा था। रोहित ने फाइनल में लक्ष्य का पीछा करने के दौरान शानदार अर्धशतकीय पारी खेली थी।

रोहित, कोहली वनडे में असाधारण, जब तक अच्छा कर रहे तब तक खेलना चाहिए: गांगुली

कोलकाता : पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के एकदिवसीय रिकॉर्ड को 'असाधारण' करार देते हुए कहा कि इन दोनों दिग्गजों को 50 ओवर के प्रारूप में तब तक खेलते रहना चाहिए जब तक कि उनका प्रदर्शन अच्छा है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में कयास लगाया गया है कि ऑस्ट्रेलिया का आगामी दौरा इन दोनों खिलाड़ियों का आखिरी वनडे दौरा हो सकता है। गांगुली ने इस बारे में पूछे जाने परं कहा कि उन्हें ऐसे किसी बात की जनकारी नहीं है। गांगुली ने कहा, 'मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। इसलिए मैं इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे सकता हूं।' गांगुली ने हालांकि इस बात पर जोर दिया कि उनके करियर को आगे बढ़ाने में प्रदर्शन सबसे महत्वपूर्ण कारक होना चाहिए। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, 'यह कहना मुश्किल है। जो भी अच्छा करेगा, वही खेलेगा। अगर वे अच्छा करते हैं, तो उन्हें खेलना जारी रखना चाहिए। कोहली का वनडे रिकॉर्ड असाधारण है, रोहित शर्मा के साथ भी ऐसा ही है। वे दोनों सफेद गेंद कीक्रिकेट (सीमित ओवरों के मैच) में असाधारण हैं।' टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूण से संन्यास ले चुके इन दोनों खिलाड़ियों ने 2027 के विश्व कप के बारे में अपनी योजनाओं को अभी तक स्पष्ट नहीं किया है।

भारतीय क्लब फुटबॉल संकट से गुजर रहा है लेकिन हम इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं: चौबे

नयी दिल्ली : अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने रविवार को स्वीकार किया कि देश की शीर्ष स्तरीय इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के कारण क्लब फुटबॉल 'संकट से गुजर रहा है' और इससे उबरने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल ने एआईएफएफ के साथ 2010 में किए एमआरए (मास्टर अधिकार करार) के नवीनीकरण को लेकर अनिश्चितता के कारण 11 जुलाई को 2025-26 सत्र को 'स्थगित' करने का फैसला किया था जिसके बाद तीन क्लबों ने या तो अपनी शीर्ष टीम का संचालन रोक दिया है या शीर्ष टीम के खिलाड़ियों और कर्मचारियों के वेतन निलंबित कर दिए हैं। चौबे ने पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा, 'यह सच है कि हम एक ऐसे संकट से गुजर रहे हैं जिसके लिए हम जिम्मेदार नहीं हैं। निहित स्वार्थों वाले कुछ स्वयंभू सुधारकों ने यह स्थिति पैदा की है। मुझे विश्वास है कि ईश्वर की कृपा से हम सामूहिक रूप से इस संकट से उबर पाएंगे।' चौबे ने 11 आईएसएल क्लबों द्वारा भारतीय फुटबॉल की 'मौजूदा स्थिति' को उच्चतम न्यायालय के ध्यान में लाने के अनुरोध पर भी आश्चर्य व्यक्त किया जहां राष्ट्रीय महासंघ के संविधान से संबंधित एक मामला लंबित है। आईएसएल क्लबों ने एक पत्र में कहा कि अगर एआईएफएफ उनके अनुरोध पर कार्रवाई नहीं करता है तो उनके पास स्वतंत्र रूप से न्यायिक सहायता लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। आईएसएल के 13 क्लबों में से मोहन बागान सुपर जाइंट और ईस्ट बंगाल ने पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

रीयल कश्मीर ने डूरंड कप में नेरोका एफसी को हराया

इम्फाल : रीयल कश्मीर ने रविवार को यहां खुमान लम्पक स्टेडियम में 134वें डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप एफ मैच में नेरोका एफसी को 3-1 से हरा दिया। इस तरह रीयल कश्मीर ने तीन मैच में छह अंक के साथ अपने ग्रुप अभियान का अंत किया। मंगलवार को भारतीय नौसेना और टीआरएयू एफसी के बीच होने वाले ग्रुप एफ के अंतिम मैच से यह तय होगा कि ग्रुप की शीर्ष टीम के रूप में कौन क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेगा। अनुभवी डिफेंडर सलाम रंजन सिंह ने 32वें मिनट में रीयल कश्मीर को बढ़त दिलाई जिसके बाद लुकास चागास ने 67वें मिनट में मेजबान टीम के लिए बराबरी का गोल किया। मारेट तारेक (70वें मिनट) और मोदौ एमबेंगु (82वें मिनट) ने इसके बाद एक-एक गोल करके आईलीग टीम की जीत सुनिश्चित की। नेरोका एफसी के सिर्फ दो अंक हैं।

टिम डेविड की 83 रन की आतिशी पारी से ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया) : टिम डेविड की आठ छक्के जड़ित 83 रन की आक्रामक पारी से ऑस्ट्रेलिया ने डार्विन में 17 साल के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी का जश्न पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराकर मनाया। डेविड की 52 गेंद की शानदार पारी के बूते ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती सात ओवरों में पांच बड़े बल्लेबाजों के विकेट गंवाने के बावजूद पारी की आखिरी गेंद पर ऑल आउट होने से पहले 178 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन (71) और ट्रिस्टन स्टब्स (37) के बीच चौथे विकेट की 72 रन की साझेदारी के दौरान दक्षिण अफ्रीका जीत की ओर अग्रसर लग रहा था लेकिन जोश हेजलवुड (37 रन तीन विकेट) ने 15 ओवर में दो विकेट चटकाये जिसके बाद बेन ड्वार्शुइस(26 रन पर तीन विकेट) की गेंद पर ग्लेन मैक्सवेल ने रिकेल्टन का कमाल का कैच लपककर मैच में ऑस्ट्रेलिया की वापसी करा दी। जिम्बाब्वे दौरे के दौरान विश्राम करने वाले कप्तान एडेम मारक्रम ने पारी के पहले ओवर में हेजलवुड के खिलाफ तीन चौके जड़ शानदार आगाज किया लेकिन वह इसी ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हो गये। लुआन-ड्रे प्रीटोरियस (14) ग्लेन मैक्सवेल की ऑफ स्पिन पर गच्चा खा गए जबकि ड्वार्शुइस ने डेवाल्ड ब्रेविस (दो) को चलता कर दक्षिण अफ्रीका का स्कोर तीन विकेट पर 48 रन कर दिया। रिकेल्टन और स्टब्स ने इसके बाद शानदार बल्लेबाजी की। दोनों ने लेग स्पिनर एडम जम्पा के खिलाफ आसानी से रन बनाये जो ओस के कारण गीली हुई गेंद से गेंदबाजी करने में परेशानी का सामना कर रहे थे। हेज़लवुड की वापसी ने दक्षिण अफ्रीका की तेजी से बढ़ती पारी पर गति लगा दी। टीम ने महज तीन रन पर चार विकेट गंवा दिए। इससे पहले केना मफाका (20 रन पर चार विकेट) 19 साल और 124 दिन की उम्र में चार विकेट लेने वाले आईसीसी के पूर्ण सदस्य देशों में सबसे कम उम्र के गेंदबाज बने।

कोठारी की कॉस्कर के खिलाफ आसान जीत, चावला और नताशा हारे

चेंगदू (चीन) : राष्ट्रीय चैंपियन सौरव कोठारी की जीत रविवार को विश्व खेलों की क्यू खेल प्रतियोगिता के पहले दिन भारत के लिए एकमात्र सकारात्मक पहलू रही। कोठारी को पुरुषों के स्नूकर में ग्रेट ब्रिटेन के जैक कॉस्कर को 2-0 से हराने में अधिक पसीना नहीं बहाना पड़ा। कोठारी अपने अंतिम ग्रुप 'सी' मैच में एक अन्य ब्रिटिश खिलाड़ी डेरिल हिल से भिड़ेंगे। ग्रुप के शीर्ष दो खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगे। कमल चावला ग्रुप 'डी' मैच में कतर के पूर्व आईबीएसएफ विश्व चैंपियन अली अलोबैदली से 0-2 से हार गए। चावला का अगला मुकाबला माइकल जॉर्जियो से होगा। महिलाओं के 6-रेड स्नूकर में मौजूदा आईबीएसएफ विश्व अंडर-21 चैंपियन भारत की नताशा चेतन अपने दोनों ग्रुप 'ए' मैच हार गईं। नताशा पहले सत्र में हांगकांग चीन की सो मान यान से 1-2 से हार गई और फिर शाम के सत्र में उन्हें थाईलैंड की नारुचा फोम्फुल के खिलाफ 0-2 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

एआईएफएफ ने अंडर-20 महिलाओं के लिए 25,000 डॉलर के इनाम की घोषणा की

नयी दिल्ली: अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने रविवार को अंडर-20 महिला टीम को 2006 के बाद पहली बार एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने पर 25,000 डॉलर की नकद प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। अंडर-20 महिला टीम सात अंक के साथ ग्रुप डी में शीर्ष पर रही और रविवार को यंगून में मेजबान म्यांमार पर 1-0 की जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया। पूजा ने 27वें मिनट में निर्णायक गोल दागा।

भारत हमारे लिए बहुत ही खास बाजार: मलेशिया एयरलाइंस

मुंबई : मलेशिया एयरलाइंस बेरहद के प्रबंध निदेशक इज़म बिन इस्माइल ने कहा है कि भारत उनके लिए एक बहुत ही खास और दिलचस्प बाज़ार है। उन्होंने कहा कि विमानन कंपनी भारत को दुनिया से जोड़ने वाली एक प्रमुख सेवा प्रदाता के रूप में अपनी जगह बनाना चाहती है। इज़म बिन इस्माइल ने यह भी साफ किया कि उनकी कंपनी भारत में एक विदेशी एयरलाइन के रूप में ही काम करती रहेगी और किसी भी भारतीय कंपनी के साथ मिलकर संयुक्त उद्यम बनाने की उनकी कोई योजना नहीं है। इज़म ने कहा कि भारत, मलेशिया एयरलाइंस के लिए सबसे ज्यादा कमाई करने वाला देश है। फिलहाल कंपनी भारत के 10 शहरों के लिए हर हफ्ते 77 उड़ानें चलाती है, और जल्द ही इसे बढ़ाने की योजना है। भारत के बाद सबसे ज़्यादा कमाई ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन से होती है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, 'भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, यहां 1.4 अरब लोग हैं और करीब 100 हवाई अड्डे हैं। यहां का मध्य वर्ग भी बढ़ रहा है, जिसके पास खर्च करने के लिए पैसा है। इसलिए भारत हमारे लिए एक बेहद खास बाज़ार है।' इज़म ने यह भी कहा, 'हम भारत की तेज़ी से हो रही आर्थिक तरक्की का हिस्सा बनना चाहते हैं। भले ही हम भारतीय कंपनी नहीं हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि भारत हमें दुनिया से जोड़ने वाली एक मुख्य एयरलाइन के तौर पर स्वीकार करे।' उन्होंने कहा कि मलेशिया और भारत के बीच संबंध बहुत मज़बूत हैं, और मलेशिया एयरलाइंस इन दोनों देशों को जोड़ने का काम जारी रखेगी। उन्होंने यह भी बताया कि इंडिगो उनकी एक मज़बूत सहयोगी है।

चौहान सोमवार को 30 लाख किसानों को 3,200 करोड़ रुपये के फसल बीमा दावों का हस्तांतरण करेंगे

नयी दिल्ली : कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत 30 लाख किसान लाभार्थियों को 3,200 करोड़ रुपये की फसल बीमा दावा राशि डिजिटल रूप से हस्तांतरित करेंगे। राजस्थान के झुंझुनू में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पीएमएफबीवाई दावा राशि हस्तांतरित की जाएगी। चौहान के अलावा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और राज्य के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार कुल दावा राशि में 1156 करोड़ रुपये मध्य प्रदेश के किसानों को, 1121 करोड़ रुपये राजस्थान के किसानों को, 150 करोड़ रुपये छत्तीसगढ़ के किसानों को और 773 करोड़ रुपये अन्य राज्यों के किसानों को हस्तांतरित किए जाएंगे। कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र ने किसानों के हित में एक नई सरलीकृत दावा निपटान प्रणाली लागू की है, जिसके तहत राज्य के प्रीमियम अंशदान का इंतजार किए बिना, केवल केंद्रीय सब्सिडी के आधार पर दावों का आनुपातिक भुगतान किया जा सकेगा। उन्होंने बयान में कहा, 'खरीफ 2025 सत्र से, अगर कोई राज्य सरकार अपने सब्सिडी अंशदान में देरी करती है, तो उस पर 12 प्रतिशत का जुर्माना लगाया जाएगा, और इसी तरह अगर बीमा कंपनियां भुगतान में देरी करती हैं, तो उन पर भी 12 प्रतिशत का जुर्माना लगाया जाएगा।' प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) की 2016 में शुरुआत के बाद से इसके तहत 1.83 लाख करोड़ रुपये के दावों का निपटान किया है, जबकि किसानों ने केवल 35,864 करोड़ रुपये का प्रीमियम चुकाया है।

न्यूज अपडेट

भारत को विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए व्यापक भूमि सुधारों की जरूरत: सीआईआई

नयी दिल्ली : भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को कहा कि भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए देश भर में 3-5 प्रतिशत की एक समान स्टाम्प शुल्क दरों जैसे व्यापक भूमि सुधारों की जरूरत है। सीआईआई ने आम सहमति पर आधारित सुधारों के लिए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद जैसी संस्था के गठन पर जोर दिया। एक बयान में कहा गया कि संरक्षणवाद और व्यापार युद्ध के चलते चुनौतियां हैं, लेकिन भारत का स्थिर नीतिगत ढांचा, मजबूत औद्योगिक क्षमताएं, बड़ा घरेलू बाजार और युवा कार्यबल इसे एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाता है। इसके अलावा कई देशों के बीच एक विश्वसनीय और सक्षम भागीदार के रूप में भारत की प्रतिष्ठा से भी इसे बढ़त मिलती है। भारतीय उद्योग परिसंघ ने प्रत्येक राज्य में एकीकृत भूमि प्राधिकरण स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है, और रूपांतरण प्रक्रिया को पूर्ण डिजिटल बनाने की भी वकालत की है। इसके अलावा राज्यों में स्टाम्प शुल्क दरों को 3-5 प्रतिशत की एक समान सीमा तक युक्तिसंगत बनाने का सुझाव दिया है। सीआईआई ने कहा कि राज्यों को ऐसी भूलेख प्रणाली अपनानी चाहिए जो स्पष्ट स्वामित्व सुनिश्चित करे।

पीएनबी 5,000 करोड़ रुपये के एनपीए एआरसी को बेचेगी: एमडी चंद्रा

नयी दिल्ली : पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने चालू वित्त वर्ष के दौरान परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों (एआरसी) को बेचने के लिए लगभग 100 गैर-निष्पादित आस्ति (एनपीए) खातों की पहचान की है। पीएनबी के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्रा ने पीटीआई-भाषा को साक्षात्कार में बताया, 'हमने 100 से ज्यादा खातों की पहचान की है... इनका कुल आकार लगभग 4-5 हजार करोड़ रुपये होगा। यह बकाया खाता (एआरसी को बिक्री के लिए) है।' इस बिक्री से बैंक को मिलने वाली राशि के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, 'हमें कम से कम 40-50 प्रतिशत वसूली की उम्मीद है। इसके जरिये भी हमें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में अच्छी वसूली होगी।' उन्होंने कहा कि हो सकता है कि कुछ खातों में 100 प्रतिशत वसूली हो जाए, क्योंकि अब अच्छी सुरक्षा है, लेकिन कुछ मामलों में यह कम हो सकती है। चंद्रा ने आगे कहा, 'हमारा अनुमान है कि औसत वसूली न्यूनतम 40-50 प्रतिशत होनी चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि बैंक ने चालू वित्त वर्ष के अंत तक 30 लाख करोड़ रुपये के कुल कारोबार के लक्ष्य को छूने के लिए सही रणनीति तैयार की है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के अंत में पीएनबी का कुल कारोबार 11.6 प्रतिशत बढ़कर 27.19 करोड़ रुपये हो गया। पीएनबी के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा का स्थान है, जिसका कुल कारोबार 30 जून, 2025 तक 26.43 लाख करोड़ रुपये का था। इसके बाद 25.64 लाख करोड़ रुपये के कुल कारोबार के साथ केनरा बैंक है। चंद्रा ने कहा, 'चालू वित्त वर्ष के लिए हमारा लक्ष्य 29.56 लाख करोड़ रुपये का है। हम अपने लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं और अगले साल मार्च तक 30 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकते हैं।

आईएमईसी परियोजना में भारत निश्चित रूप से महत्वपूर्ण: शीर्ष इतालवी राजनयिक

नयी दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय आईएमईसी परियोजना में भारत की भूमिका निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक विशाल बाजार और उत्पादक देश है। एक शीर्ष इतालवी राजनयिक ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत - पश्चिम एशिया - यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) पहल वस्तुओं के व्यापार, ऊर्जा और डेटा संपर्क से संबंधित है, और नई दिल्ली 'इन तीनों क्षेत्रों में अग्रणी' है। आईएमईसी पहल सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप के बीच एक विशाल सड़क, रेलमार्ग और पोत परिवहन नेटवर्क की परिकल्पना करता है, जिसका मकसद एशिया, पश्चिम एशिया और यूरोप के बीच एकीकरण सुनिश्चित करना है। इटली के विशेष दूत फ्रांसेस्को टालो ने इस सप्ताह की शुरुआत में पीटीआई वीडियोज को दिए एक खास साक्षात्कार में कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत काफी उम्मीदों के साथ हुई थी और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से उत्पन्न अस्थिरता के दौर में ऐसी पहल की विशेष रूप से जरूरत है। एक अनुभवी राजनयिक टालो ने हाल ही में आईएमईसी पहल में भागीदार देशों के प्रतिनिधियों की एक बैठक में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया था। इस पहल को सितंबर 2023 में दिल्ली में जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान अंतिम रूप दिया गया था। उन्होंने कहा, 'भारत निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक विशाल बाजार है। यह एक बड़ा उत्पादक है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की 'फ्रीडम सेल', घरेलू उड़ानों का किराया 1,279 रुपये से शुरू

कोच्चि : एयर इंडिया एक्सप्रेस ने रविवार को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 'फ्रीडम सेल' की घोषणा की है। इस सेल के तहत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर लगभग 50 लाख सीटें उपलब्ध होंगी, जिनकी शुरुआती कीमत घरेलू उड़ानों के लिए 1,279 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 4,279 रुपये रखी गई है। एयरलाइन कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस सेल के तहत 19 अगस्त, 2025 से 31 मार्च, 2026 तक की यात्रा के लिए बुकिंग 15 अगस्त तक खुली है। बयान में कहा गया, 'घरेलू उड़ानों के लिए किराया 1,279 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 4,279 रुपये से शुरू हो रहा है।' यह सेल 10 अगस्त से केवल एयरलाइन कंपनी की वेबसाइट और एयर इंडिया एक्सप्रेस के ऐप पर उपलब्ध होगी। वहीं, 11 से 15 अगस्त तक यह सभी प्रमुख बुकिंग चैनल पर भी उपलब्ध होगी। इस पेशकश के तहत यात्रा 19 अगस्त, 2025 से 31 मार्च, 2026 तक की जा सकती है।

पेट्रोल पंप के लाइसेंस मानकों को संशोधित करने पर विचार कर रही सरकार

नयी दिल्ली : सरकार बदलते वैश्विक ईंधन परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए पेट्रोल पंपों के लाइसेंस जारी करने से संबंधित मानदंडों को शिथिल करने के बारे में विचार कर रही है। एक सरकारी आदेश में यह जानकारी दी गई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 2019 के दिशा-निर्देशों की प्रभावशीलता को परखने और ऊर्जा सुरक्षा एवं कार्बन उत्सर्जन में कटौती के राष्ट्रीय संकल्प के अनुरूप नीति को अद्यतन बनाने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की है। सरकारी आदेश के अनुसार, यह कदम दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते ईंधन बाजार भारत में ऊर्जा सुरक्षा के बदलते परिप्रेक्ष्य और वैकल्पिक ईंधनों के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखकर उठाया गया है। विशेषज्ञ समिति की अध्यक्षता भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के पूर्व निदेशक (विपणन) सुखमल जैन कर रहे हैं। इसके अन्य सदस्यों में पेट्रोलियम नियोजन एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ के महानिदेशक पी. मनोज कुमार, फिपी के सदस्य पीएस रवि और मंत्रालय के निदेशक (विपणन) अरुण कुमार शामिल हैं। इस समिति के गठन का उद्देश्य 2019 की मौजूदा नीति की समीक्षा करना, वैकल्पिक ईंधनों एवं इलेक्ट्रिक परिवहन को बढ़ावा देने के उपाय सुझाना और मौजूदा दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों को चिन्हित करना है।

एयर इंडिया ड्रीमलाइनर विमानों के महत्वपूर्ण कलपुर्जों को बदलेगी

नयी दिल्ली : एयर इंडिया ने रविवार को कहा कि वह परिचालन संबंधी व्यवधानों को कम करने के लिए अपने 26 पुराने बी787-8 ड्रीमलाइनर विमानों के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य महत्वपूर्ण कलपुर्जों को बदलेगी। हाल के दिनों में, एयरलाइन को ड्रीमलाइनर सहित अपने कुछ विमानों में परिचालन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा है। एयर इंडिया के ड्रीमलाइनर विमानों की जांच की गई, जिसमें ईंधन स्विच की जांच भी शामिल थी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने पहले 'लीगेसी ड्रीमलाइनर' का नवीनीकरण शुरू किया है, जिसे जुलाई 2025 में कैलिफोर्निया के विक्टरविले स्थित बोइंग के एक संयंत्र में भेजा गया था। एयर इंडिया ने रविवार को एक बयान में कहा, 'एक दूसरा विमान अक्टूबर 2025 में उसी संयंत्र के लिए रवाना होने वाला है और दोनों के दिसंबर 2025 में सेवा में वापस आने की उम्मीद है।'

वर्ष 10, पूर्णांक 3324 अंक 134, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in